सेंसेक्स 72,831.94 ▲ +190.75
डॉलर 83.617 ▼ +0.389

तापमान (डिग्री सेल्सियस)
आज का अनुमान

	अधिकतम	न्यूनतम	(न्यूनतम)
रांची	33.0	19.0	31.0
धनबाद	35.0	19.0	32.0
जमशेदपुर	39.0	18.0	36.0
पलामू	35.0	18.0	32.0

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

डालटनगंज (मेदिनीनगर), फाल्गुन शुक्ल पक्ष 15, विक्रम संवत 2080 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), रविवार, 24 मार्च 2024, वर्ष-30, अंक- 157, पृष्ठ-12, मूल्य ₹3.00, रजिस्ट्रेशन नः आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

संपादकीय ▶ खुशहाल समाजों की रैंकिंग से भारत भ्रमित न हो ... 8

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

कर्ज चुकाने की बारी आई तो ...12 ◀ देश/विदेश

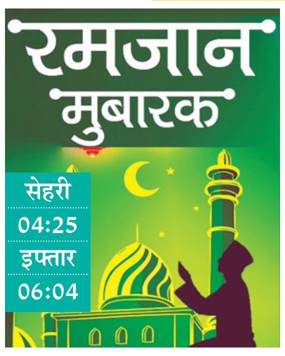

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें हमसे

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर 82925 53444 पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर 82923 73444 संपर्क करें।

पलामू सर्राफा

सोना (10 ग्राम) 66,070
चांदी (किलो) 74,870

एक नजर

धनबाद में कोयला भवन कार्यालय में लगी आग

धनबाद। धनबाद के सरायढेला थाना क्षेत्र स्थित बीसीसीएल मुख्यालय कोयला भवन के सीएमपीडीआई भवन में देर रात भीषण आग लग गई। इससे अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद कार्यालय की सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ जवानों ने घटना की सूचना अग्निशमन विभाग और बीसीसीएल अधिकारियों को दिया।

आज के मैच

समय : 24 मार्च, 3:30 बजे से
स्थान : जयपुर

समय : 24 मार्च, 7:30 बजे से
स्थान : अहमदाबाद

आजकल

झामुमो को भी इलेक्ट्रॉल बॉन्ड का मिला लाभ, मिले 10.75 करोड़ रुपये

नवीन मेल संवाददाता

रांची। चुनाव आयोग ने चुनावी बॉन्ड को लेकर जो जानकारी सार्वजिनक की है। उससे पता चलता है कि 2021 और 2023 के बीच झामुमो को भी करोड़ों का दान मिला है। कई खनन कंपनी और थर्मल पावर प्लांट ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) को सबसे ज्यादा दान दिया है। चुनाव आयोग द्वारा 14 मार्च को जारी किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि झामुमो को 2021 और 2023 के बीच चुनावी बॉड के जरिए 13.5 करोड़ रुपये का दान मिला। झामुमो ने 2021 में चुनाव आयोग को स्वेच्छा से कॉन्ट्रीब्यूशन रिपोर्ट दी थी। जिसमें खुलासा किया गया था कि उसे साल 2019-20 में हिंडाल्को लिमिटेड से 1 करोड़ रुपये मिले थे। हालांकि, एसबीआई द्वारा जारी की गई चुनावी बॉड जानकारी के आधार पर चुनाव आयोग ने जो डेटा अपलोड किया है उसमें हिंडाल्को लिमिटेड द्वारा कोई बॉन्ड नहीं खरीदा गया है। चुनाव आयोग के ताजा खुलासे के अनुसार, बोकारो के वेदांत इलेक्ट्रो-स्टील प्लांट लिमिटेड ने पिछले साल जुलाई में पार्टी को 1 करोड़ रुपये के पांच बॉन्ड के जरिए 5 करोड़ रुपये का दान दिया था। हजारीबाग के बड़कागांव ब्लॉक में एनटीपीसी की कोयला परियोजनाओं के साथ काम करने वाले एक निजी खदान डेवलपर और ऑपरेटर त्रिवेणी सैनिक माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड ने पिछले साल अक्टूबर में झामुमो को 1 करोड़ रुपये के तीन बॉन्ड के जरिए 3 करोड़ रुपये का दान दिया था। जिसका उपयोग पार्टी ने कुछ ही दिनों बाद कर लिया था। बिहार स्थित पूजा कोल प्राइवेट लिमिटेड ने अक्टूबर 2023 में पार्टी को दो बॉन्ड के जरिए 2 करोड़ रुपये का दान दिया। इसी तरह कारोबारी श्रीचंद सरावगी ने 75 लाख रुपये का दान दिया। अब तक, झामुमो को चुनावी बॉड के जरिए दानदाताओं से 10.75 करोड़ रुपये की कुल राशि मिली है, जिनका मिलान किया जा सकता है।

मनी ट्रेडिंग पर नहीं हो रही कार्रवाई : सुप्रीयो

झामुमो के प्रवक्ता सुप्रीयो भट्टाचार्य ने कहा कि चुनावी बॉड का मामला सामने आने पर उस पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है, जहां मनी ट्रेडिंग नहीं हो रही है वहां कार्रवाई हो रही है। शराब घोटाला में 100 से 300 करोड की बात हो रही है, लेकिन एक रूपया बरामद नहीं हुआ है, पूरी मामला लोकतंत्र को समाप्त करने पर है । अब भाजपा पार्टियों के फंड पर भी डाका डालने का प्रयास कर रही है।

झामुमो का सीधी वसूली पर विश्वास : प्रतुल शाहदेव

इस मामले में भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि झामुमो का आंकड़ा इसलिए कम दिख रहा है क्योंकि झामुमो डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी) में भरोसा रखते हैं। इलेक्ट्रॉल बॉड तो इनके लिए महज दिखावा है, वे लोग सीधे वसूली में विश्वास करते हैं, इसलिए उनका आंकड़ा कम दिख रहा है। लेकिन झामुमो के घपले-घोटाले को देखा जाए, तो आंकडा कहीं ज्यादा होता है। इनके अपने बयान में विरोधाभास है, एक तरफ चुनावी बॉड भी स्वीकार करते हैं और दूसरी तरफ विरोध भी करते हैं।

रांची में दिनदहाड़े गढ़वा के कुख्यात छोटू रंगसाज की गोली मारकर हत्या

- मृतक की पत्नी ने कहा- पहले से घात लगाकर बैठे दो यवुकों ने की गोलीबारी
- पुलिस इस वारदात को आपसी रंजिश मान कर रही तफ्तीश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के लोअर बाजार थाना क्षेत्र में शनिवार को दोपहर साढ़े तीन बजे भीड़भाड़ वाले उर्दू लाइब्रेरी के पास कुख्यात अपराधी छोटू रंगसाज की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। गोली लगने से घायल छोटू को आनन-फानन में रिम्स में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बजरुद्दीन उर्फ छोटू गढ़वा में आतंक का पर्याय माना जाता था। उसके खिलाफ कई मामले दर्ज थे। बताया जा रहा है कि वह अपनी पत्नी के साथ बाजार करने आया था, इसी दौरान उसे घात लगाए अपराधियों ने गोली मार दी। छोटू रंगसाज पर गढ़वा जिले के सदर थाना और रंका थाना क्षेत्र में हत्या के सात मामले समेत लूट और डकैती के दो दर्जन मामले दर्ज हैं। हजारीबाग में मारे गए अपराधी भोला पांडेय व पलामू के बॉबी खान से भी इसके तार जुड़े थे। भोला पांडेय और बॉबी खान के मारे जाने के बाद से छोटू रंगसाज गढ़वा जिले में कई कांडों को अंजाम दे चुका था। युवक की पत्नी ने बताया कि वे खरीदारी करने निकले थे। इसी दौरान पहले से घात लगाकर बैठे दो युवकों ने छोटू को निशाना बनाते

▶▶शेष पृष्ठ 11 पर

पत्नी के साथ आया था बाजार करने

होली और ईद को लेकर अभी से चारों तरफ उल्लास है। बाजारों में भी होली-ईद की खरीदारी को लेकर रौनक है। इस बीच अपराधियों ने दिनदहाड़े वारदात को अंजाम देकर सनसनी फैला दी है। बताया जा रहा है कि मृतक अपनी पत्नी के साथ बाजार करने आया था। वारदात के बाद पुलिस अपराधियों की धरपकड़ में जुट गयी है।

रांची पुलिस को चुनौती दे रहे अपराधी

रंगों के पर्व होली में शांति-व्यवस्था को लेकर जहां एक तरफ पुलिस सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने में जुटी है, वहीं वारदात को अंजाम देकर अपराधी रांची पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। होली पर विधि-व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन बैठक पर बैठक कर रहा है। नये सिरे से अधिकारियों की तैनाती की जा रही है, रणनीति बनाए जा रहे हैं। सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह है कि वारदात के कुछ देर पहले ही पुलिस बलों ने त्योहार पर सुरक्षा के मद्देनजर मेन रोड अल्बर्ट एक्का चौक के पास फ्लैग मार्च किया था।

मतदान से पहले सुरक्षा के व्यापक प्रबंध करना है : के. रवि कुमार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने शनिवार को आसन्न लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कहा कि चतरा व पलामू लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदान से पहले सुरक्षा के व्यापक प्रबंध करना है। इसमें प्रोग्रेस हो रहा और होना चाहिए। 10 दिनों के अंदर फिर से समीक्षा की जायेगी। उल्लेखनीय है कि पलामू में 13 में और चतरा संसदीय क्षेत्र में लोकसभा चुनाव होना है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मतदान के दौरान कोई अप्रिय घटना न घटे इस दृष्टिकोण से तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव करना हमसभी का प्राथमिकता है। चुनाव के दौरान अपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए जरूरी अर्द्धसैनिक बलों की प्रतिनियुक्ति की जायेगी। चिह्नित संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर कड़ी निगरानी की जायेगी। इन केन्द्रों पर प्रयाप्त संख्या में अर्द्धसैनिक बलों की प्रतिनियुक्ति के लिए अधिकारियों को आकलन करने का निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है कि के. रवि कुमार पलामू लोकसभा क्षेत्र के पलामू, गढ़वा एवं लातेहार समेत चतरा जिले में चल रही प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा करने पलामू पहुंचे थे।

उन्होंने जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन को आपसी समन्वय से कार्य-योजना तैयार कर समयबद्धता के साथ कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा सभी स्तरों पर जो जिम्मेवारियां तय की गईं हैं उनका शत प्रतिशत अनुपालन किया जाये। इस दौरान सीईओ श्री कुमार ने चतरा के पुलिस अधीक्षक को जिले के नामजद आरोपितों को अभियान चलाकर गिरफ्तार करने व प्रतिबंधित नशीले पदार्थों एवं अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई कर

▶▶शेष पृष्ठ 11 पर

पर्व को लेकर तैनात किए जाएंगे नौ हजार जवान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। होली पर्व को लेकर राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। सुरक्षा को लेकर आठ हजार 820 जवान की अतिरिक्त तैनाती की गयी है। इसमें 4500 अतिरिक्त बल और 4320 होमगार्ड के जवान शामिल है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर 24 जिलों में कानून-व्यवस्था के लिए जैप, आईआरबी सहित अन्य बलों की तैनाती की है। साथ ही शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस मुख्यालय ने संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। आईजी अभियान ने इससे संबंधित आदेश शनिवार को जारी कर दिया है। साथ पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी की भी तैनाती की गयी है। सभी को दंगा रोधी सुरक्षा उपकरणों से लैस होकर तैनात रहने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा सभी एसएसपी और एसपी को अपने-अपने जिले में होली पर्व को लेकर विशेष

▶▶शेष पृष्ठ 11 पर

किस जिले में कितने जवान रहेंगे तैनात

रांची में 500, खूंटी में 100, लोहरदगा में 100, रामगढ़ में 100, गुमला में 200, सिमडेगा में 150, जमशेदपुर में 500, चाईबासा में 250, सरायकेला में 100, धनबाद में 300, बोकरो में 200, पलामू में 250, गढ़वा में 100, लातेहार में 100, हजारीबाग में 175,चतरा में 100, कोडरमा में 100, गिरिडीह में 75, दुमका में 200, जामताड़ा में 100, साहिबगंज में 200, पाकुड़ में 100, गोड्डा में 100 और देवघर में 220 होमगार्ड के जवान तैनात रहेंगे।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई में शिक्षा विभाग के बीआरपी रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

हंटरगंज (चतरा)। भ्रष्टाचार के विरुद्ध एसीबी की चतरा में बड़ी कार्रवाई। शिक्षा विभाग के हंटरगंज प्रखंड साधन सेवी (बीआरपी) सच्चिदानंद सिंह को नव सृजित प्राथमिक विद्यालय सोखा की सहायक शिक्षिका सह सचिव रीता कुमारी से आठ हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ एसीबी ने गिरफ्तार किया है। एसीबी हजारीबाग की टीम ने जाल बिछाकर हंटरगंज क्षेत्र से बीआरपी को रंगे हाथ गिरफ्तारी कर अपने साथ हजारीबाग ले गई एसीबी की टीम। बीईओ के निर्देश पर बीआरपी ने नव सृजित प्राथमिक विद्यालय का किया था जांच। जांच रिपोर्ट मैनेज करने के नाम पर मांगा था दस हजार रुपया घुस। हंटरगंज थाना क्षेत्र के नावाडीह पांडेयपुरा के रहने वाले हैं गिरफ्तार बीआरपी। दूसरी ओर एंटी करप्शन ब्यूरो की कार्रवाई से शिक्षा विभाग में हड़कंप मंच गया है।

चुनाव में काले धन का प्रवाह रोकने के लिए चौबीसों घंटे काम करेगा आयकर विभाग का कंट्रोल रूम

रांची। लोकसभा चुनाव के दौरान झारखंड में काले धन का प्रवाह-प्रसार रोकने के लिए आयकर विभाग ने खास रणनीति तैयार की है। अवैध तरीके से नगदी इधर-उधर ले जाने की सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई के लिए विशेष दस्ते बनाए गये हैं। रांची स्थित मुख्यालय में 24 घंटे कार्य करने वाला कंट्रोल रूम बनाया गया है। आयकर विभाग की अन्वेषण शाखा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कंट्रोल रूम के टोल फ्री नंबर 18003455018 और व्हाट्सएप नंबर 9693510277 पर कोई भी व्यक्ति किसी भी वक्त काले धन के संबंध में सूचना दे सकता है। सूचना देने वालों के नाम-पता गुप्त रखे जाएंगे। दस लाख रुपये से अधिक नकदी की सूचना पर क्विक रिस्पांस टीम तुरंत एक्शन मोड में रहेगी। नकदी के स्रोत एवं उसकी सत्यता की जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। संबंधित व्यक्ति को बताना होगा कि राशि कहां से मिली है, कहां ले जाई जा रही है और किस मकसद से ले जाई जा रही है। स्पष्ट और वैध जानकारी नहीं मिलने पर धन जब्त कर लिया जाएगा। झारखंड में आयकर विभाग के सभी रेंज और जिलों में नोडल ऑफिसर प्रतिनियुक्त किए गए हैं। क्विक रिस्पांस टीम को सपोर्ट करने के लिए सप्लीमेंट्री रिस्पांस टीम रिजर्व रहेगी।

इंडिया

भगत सिंह पैदा तो हो पर पड़ोसी के घर

सुनील बादल

झारखंड भी वीरों की भूमि है जब अंग्रेजों के विरुद्ध कोई बड़ा अभियान नहीं चला था तब एक आदिवासी युवक तिलक मांझी ने 1785 में आर पार की लड़ाई लड़ी थी। ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव ने राजपाट गंवाकर भी साथियों संग फाँसी को चुना,झारखंड बिहार के एकमात्र परम वीर अलबर्ट एक्का ने बहादुरी और आत्म बलिदान की जो मिसाल पेश की वह दुर्लभ है। भगवान कहे जाने वाले बिरसा तो आदर्श ही हैं पर आजकल एक कहावत प्रचलित है कि भगत सिंह पैदा तो हों पर पड़ोसी के घर! स्वार्थ की यह पराकाष्ठा न सिर्फ शर्मनाक है बल्कि खतरनाक भी क्या सीमाओं पर प्राण न्यौछावर करने वाले सैनिकों की कीमत उस वेतन या पेंशन से हो सकती है? आश्चर्यजनक समाचार पाकिस्तान से है वर्ष 1931 में लाहौर जेल में जिस जगह क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी पर लटकाया गया था, वहां अब शादमान चौक है। बंटवारे के बाद पाकिस्तान की धरती पर इन इंकलाबियों का नामो-निशान मिटा दिया गया, जबकि यह शहर आजादी के योद्धाओं का बड़ा केंद्र था। 1928 में साइमन कमीशन के विरोध में हुए प्रदर्शन के दौरान लाठी चार्ज में घायल लाला लाजपत राय की मृत्यु के बाद 'हिंदुस्तान समाजवादी प्रजातंत्र संघ' के क्रांतिकारी भगत सिंह और राजगुरु ने लाहौर में पुलिस अफसर सांडर्स को मार कर इसका बदला लिया और उन्होंने लाहौर की सड़कों पर 'नौकरशाही सावधान!' के पोस्टर भी चिपकाए। उसके बाद 'लाहौर षड्यंत्र केस' का प्रसिद्ध मुकदमा यहीं चला। उन्हीं दिनों क्रांतिकारी दल के सेनापति चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में भगत सिंह को जेल से छुड़ाने की योजना बनी, लेकिन एक साथी के शहीद हो जाने की वजह से आजाद को वह योजना स्थगित करनी पड़ी। लाहौर में चले मुकदमे में भगत सिंह और उनके साथी को फांसी की सजा दे दी गई। लाहौर का शादमान चौक भले ही अब भीड़-भरा चौराहा हो, लेकिन यहां इंकलाब की अनुगूंज अब भी मद्धिम नहीं पड़ी है, जबकि भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की शहादत को 95 वर्ष बीत चुके हैं। यह हमारे इतिहास और संस्कृति की ताकत है कि 1947 में हुए देश के अप्राकृतिक विभाजन के बाद भी लाहौर ने भगत सिंह और उनके साथियों के अप्रतिम बलिदान को भुलाया नहीं है, बल्कि वहां के शहीद भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन के अध्यक्ष इम्तियाज रशीद कुरैशी, एडवोकेट लाहौर हाईकोर्ट और उनके सहयोगी निरंतर इस मुहिम को जिंदा रखे हुए हैं। कुरैशी अनेक वर्षों से लाहौर के शादमान चौक पर अपने कुछ मित्रों के साथ इकट्ठे होकर भगत सिंह को शहादत दिवस और उनके जन्मदिन के मौके पर याद करने से चूकते नहीं हैं, हालांकि ऐसा करने के लिए उन्हें निरंतर पाकिस्तानी कट्टपंथियों और प्रशासन से बड़ी लड़ाई लड़नी पड़ी है। खुशी की बात है कि कुरैशी ने पांच नवंबर, 2018 को लाहौर उच्च न्यायालय से राज्य सरकार और जिला प्रशासन के लिए यह आदेश भी हासिल कर लिया कि शादमान चौक का नामकरण शहीद भगत सिंह के नाम पर कर दिया जाए, जबकि पाकिस्तान के कट्टरपंथी इसका लगातार विरोध कर रहे थे। पाकिस्तान में हम इसे इंकलाब के पैरोकारों की बड़ी जीत के तौर पर देख रहे हैं, जिसका श्रेय कुरैशी को जाता है।नौकरशाही ने जब उच्च न्यायालय के आदेश का पालन नहीं किया, तो कुरैशी न्यायालय के आदेश की अवमानना का मुद्दा लेकर फिर अदालत जा पहुंचे। एक मार्च, 2024 को लाहौर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शम्स महमूद मिर्जा ने 'भगत सिंह चौक' न बनाए जाने के मामले पर सुनवाई के बाद पश्चिमी पंजाब की सरकार के मुख्य सचिव जाहिद अख्तर जमान, डिप्टी कमिश्नर व प्रशासक लाहौर राफिया हैदर को अदालत की मानहानि याचिका के मद्देनजर 26 अप्रैल को पेश होने का नोटिस जारी किया है। यह कुरैशी की बड़ी जीत है। संभावना है कि उनकी यह मुहिम उस जगह को भगत सिंह चौक का नाम दे सकेगी, जहां ब्रिटिश साम्राज्यवाद ने लाहौर जेल में बने उस समय के फांसीघर में उनसे जीने का अधिकार छीन लिया था।

कल्पना ने केजरीवाल की पत्नी को किया फोन , कहा-

हेमंत के साथ पूरा झारखंड केजरीवाल के साथ खड़ा है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद शनिवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने उनकी पत्नी से बात की। हेमंत सोरेन के ट्विटर हैंडल पर इसकी जानकारी देते हुए कल्पना सोरेन ने लिखा कि अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से बात कर उन्हें साहस देने का प्रयास किया। कल्पना ने लिखा कि एक साथी के रूप में मैं उनकी परेशानियों को समझ सकती हूं। लोकप्रिय निर्वाचित मुख्यमंत्रियों की गैरकानूनी ढंग से गिरफ्तारी और वह भी तब जब देश में आम चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा हो गई हो, एक लोकतांत्रिक देश के लिए यह सामान्य घटना नहीं है। संकट की इस घड़ी में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में पूरा झारखंड केजरीवाल के साथ खड़ा है। मालूम हो कि हेमंत और केजरीवाल को ईडी अलग-अलग घोटालों के आरोप में लगभग एक ही तरह से गिरफ्तार किया है। गुरुवार को दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के बाद रात नौ बजे गिरफ्तार किया गया। केजरीवाल को बीते दिन कोर्ट में पेश करने के बाद 28 मार्च तक ईडी की रिमांड में भेज दिया गया है।

एक नजर

होलिका दहन आज, 26 को मनायी जायेगी होली

विश्रामपुर। विश्रामपुर स्थित ऐतिहासिक पंचमुखी मंदिर के पुजारी सह राजपुरोहित अच्युतानंद पांडेय ने कहा कि रंगों का त्योहार है होली। कोई भ्रम की स्थिति न बने इसके लिए लोगों को मुहूर्त की जानकारी बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि होलिका दहन का शुभ मुहूर्त 24 मार्च को रात 11:13 से शुरू होकर देर रात 12:27 तक रहेगा। होलिका दहन की अवधि 1 घंटा 14 मिनट तक है, 25 मार्च को उदिया तिथि के कारण पूर्णिमा का महत्व माना जाता है। इसलिए होली 26 मार्च को मनाया जायेगा।

पुलिस ने किया शराब भट्ठी को ध्वस्त

नौडीहा बाजार। प्रखंड अंतर्गत विशुनपुर पंचायत के अन्तर्गत सटे जंगल के सहारे अवैध शराब भट्ठी के कारोबार चलाई जा रही थी। जिसकी गुप्त सूचना नौडीहा थाना प्रभारी को दी गई। गुप्त सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ने अपने दल बल के साथ पूरी जोड़ तोड़ के साथ सघन अभियान शराब भट्ठी के खिलाप चलाया आभियान चलाने के दवरान सक्रिय पाया गया। तत्पश्चात स्थल पर पहुंच कर लगभग 1.5 क्यूंटल जावा महुआ, शराब भट्ठी को एस.आई प्रमोद रॉय, टुनटुन कुमार के द्वारा बनाने वाला उपकरण को ध्वस्त कर शराब माफिया पर करवाई किया गया। वहीं शराब भट्ठी माफिया को पुलिस को बताए जाने की खबर पा कर मौके से फरार भाग निकले।

1960 से बिरजा गांव में था बूथ, 2009 में कुल्ही में किया गया स्थांतरित

बिरजा गांव के लोगों ने मतदान का किया बहिष्कार; कहा- गांव में बूथ नहीं तो वोट नहीं

- 2 किमी दूर है मतदान केन्द्र, मतदाताओं की संख्या है 750

वोट वहिष्कार को लेकर विरोध जताते बिरजा के मतदाता

नवीन मेल संवाददाता

उंटारी रोड। पलामू जिले के उंटारी रोड प्रखंड के जोगा पंचायत के ग्राम बिरजा और कूल्ही में बूथ विवाद पिछले 15 वर्षों से चल रहा है। बिरजा के मतदाताओं का कहना है कि वर्ष 1960 से बिरजा में बूथ था, लेकिन 2009 में एक राजनीतिक साजिश के तहत बूथ को लगभग दो किमी दूर कुल्ही में स्थांतरित कर दिया गया है। जिसे लेकर बिरजा के ग्रामीणों ने शनिवार को वोट बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। ग्रामीण शिवकुमार चौधरी, गोविंद चौधरी, नरेश चौधरी, बिमल चौधरी, विजय कुमार महतो, राजेंद्र चौधरी, रामजी चौधरी, शंकर चौधरी, राजपतिया देवी, शकरी देवी, अनिता देवी, कल्पतिया देवी, कुन्ती देवी, चंद्रिका चौधरी, श्रद्धा देवी, ममता देवी, सबिता देवी, अनिता देवी, सहित कई मतदाताओं ने कहा कि जब तक हमारा बूथ कुल्ही से बिरजा नहीं होता है, तब तक हमलोग वोट का बहिष्कार करेंगे। वोट नहीं करेंगे, ग्रामीणों का कहना है कि बूथ नहीं तो वोट नहीं। अभी दोनो गांवों का बूथ कुल्ही में ही है, ग्राम बिरजा के ग्रामीणों का कहना है की हम लोग कुल्ही वोट डालने नहीं जायेंगे, बूथ स्थानांतरण को लेकर जिले के उच्च अधिकारियों को भी आवदेन देकर ध्यान आकृष्ट कराया गया है। लेकीन केवल आश्वासन ही दिया जाता है। जिसको लेकर ग्रामीणों ने कई बार विरोध प्रदर्शन भी किया है लेकिन अभी तक प्रशासन की ओर से कोई पहल नहीं किया गया।

होल्डिंग टैक्स का 87 प्रतिशत राशि संग्रहित,13 प्रतिशत वसूली के लिए प्रयास जारी

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद नगर पंचायत में चालू वित्तीय वर्ष में होल्डिंग टैक्स मद में निर्धारित लक्ष्य का मात्र 87 प्रतिशत राशि संग्रहित कर सकी है। साथ ही आगामी 31 मार्च के पूर्व तक का समय दिया गया है। जिसमें उन्हें 13 प्रतिशत शेष राशि का कलेक्शन करना बाकी है। हुसैनाबाद नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी विपुल शन्नी ने हुसैनाबाद को इस वित्तीय वर्ष में 50 लाख रुपये से अधिक होल्डिंग टैक्स कलेक्शन करने का निर्देश दिया है। होल्डिंग टैक्स जमा करने, दुकानों का बकाया राशि शीघ्र जमा करने तथा ट्रेड लाइसेंस बनवाने के लिए एजेंसी द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस संबंध में कार्यपालक पदाधिकारी विपुल शन्नी ने आवश्यक दिशा निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि होल्डिंग टैक्स के लिए जिन लोगों ने सेफ फॉर्म तो भरा लेकिन अभी तक टैक्स नहीं जमा किए है, वे भी जल्द से जल्द टैक्स जमा करें। वर्ना उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक टैक्स जमा हो सकें। इस मौके पर सिटी मैनेजर हिमानी बाड़ा, राकेश कुमार, विकास कुमार, उमेन्द्र ठाकुर समेत कई कर्मी मौजूद थे।

मजदूर किसान महाविद्यालय में होली मिलन समारोह का आयोजन

सेवानिवृत्ति क्लर्क को महाविद्यालय परिसर में दी गई विदाई

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। पांकी प्रखंड के मजदूर किसान महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव सह होली मिलन समारोह मनाया गया। इस होली मिलन समारोह में महाविद्यालय के सचिव डॉ. बिंदेश्वर सिंह, प्राचार्य डॉ. दिलीप राम सहित सभी कर्मचारी और सैकड़ो की संख्या में छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए। डॉ. बिंदेश्वर सिंह ने होली पर्व को प्रकृति का पर्व बताते हुए समाज में आपसी भाईचारा को कायम रखते हुए मनाने और कृत्रिम रंगों के प्रयोग से हर संभव बचने का प्रयास करने पर बल दिया। छात्र-छात्राओं ने स्थापना दिवस के अन्य कार्यक्रमों के अलावा होली गायन कर होली मिलन का आनंद लिया। इस वार्षिकोत्सव में परीक्षा विभाग के सेवानिवृत क्लर्क गणेश सिंह को महाविद्यालय की ओर से सेवानिवृत्ति के पश्चात (दो लख सैतीस हजार आठ सौ चालीस रुपए) का चेक सचिव और प्राचार्य के द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान कर भावभीनी विदाई दी गई। उनके द्वारा सेवा कार्य में महाविद्यालय के प्रति किए गए कार्य को अभूतपूर्व एवं सराहनीय कार्य बताया। सेवानिवृत्ति एक सतत प्रक्रिया है। परंतु शिक्षण संस्थान में सेवारत व्यक्ति कभी भी इससे अलहदा नहीं रह सकता, उसका दायित्व समाज के प्रति और बढ़ जाता है। इसके साथ ही नव वर्ष की मंगल कामनाओं के साथ राजीव रंजन के द्वारा सचिव की अनुमति से कार्यक्रम संपन्न होने की घोषणा की गई।

अवैध कोयला लदा हाइवा जब्त

पांकी। पांकी थाना अंतर्गत बालूमाथ -पांकी मार्ग में अवैध कोयला लदा एक हाइवा वाहन आने की गुप्त सूचना मिलने पर ग्राम मंगलपुर में एक हाइवा वाहन को करीब 25 टन अवैध कोयला के साथ जब्त किया गया। उक्त संबंध में वाहन के मालिक व चालक के विरुद्ध पांकी थाना कांड संख्या -31/24 दिनांक -22/03/24 धारा - 414/34 भा.द.वि., 30(२) कोल माइंस एक्ट एवं 33 भारतीय वन अधिनियम दर्ज कर चालक एलेक्सिस डोडराय पो. - स्टेनिश डोडराय, सा. - तोरपा, थाना -तोरपा, खूंटी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

डाक वाहक के निधन पर शोक सभा

हुसैनाबाद। जपला मुख्य डाकघर अंतर्गत उंटारी शाखा डाकघर के डाक वाहक कमलेश कुमार सिंह (62) वर्ष के निधन पर एक शोक सभा का आयोजन कर शोक संवेदना व्यक्त किया गया। वे बिगत एक सप्ताह से जमुहार स्थित नारायणी अस्पताल में इलाजरत थे। इस शोक सभा में मुख्य रूप से डाक निरीक्षक सुमन कुमार समानता, अरविन्द कुमार ओझा, रणजीत राम, पप्पू कुमार, संतोष टुड्डू, भोला प्रसाद अभिषेक प्रभाकर, अमित सिंह, ज्योति प्रसाद, श्रवण कुमार, देवेन्द्र नाथ गुप्ता, संतोष ठाकुर, केलाश मेहता, रविकांत सिंह सहित समस्त डाककर्मी एवं अभिकर्ता शामिल हुए।

कमला एजूकेशन विद्यालय में होलिकोत्सव का आयोजन

आपसी भाईचारा व सद्भाव को बढ़ाता है होली का त्योहार : राजन

नवीन मेल संवादाता

पांकी। पांकी प्रखंड के जरही चौक के समीप कमला एजुकेशन ऑफ रामकृष्ण मिशन के विद्यालय परिसर में शनिवार को होलिकोत्सव का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राजन कुमार व अन्य शिक्षकों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में संगीत के धुन और अबीर, गुलाल व नृत्य के धूम में बच्चें झूमते नजर आए। वहीं इस दिन को रंगीन एवं संगीतमय बनाने के लिए बच्चों ने खूब मेहनत किया। बच्चों के हाथों से उड़ रहे अबीर व गुलाल एवं उनके खिलखिलाते चेहरे पर लगी हुई रंग-बिरंगे गुलाल। वहीं संगीत पर झूमते हुए नन्हे मुन्ने बच्चें वाकई में परिसर के सुंदरता में चार चांद लग रहा था। साथ ही इस विद्यालय के शिक्षक -शिक्षिकाएं एवं समस्त कर्मचारी एक दूसरे को अबीर व गुलाल लगाकर आपसी प्रेम, भाईचारा व सद्भावना का परिचय दिया। मौके पर उपस्थित विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने शिक्षक, शिक्षिकाएं समस्त कर्मचारी समेत सभी बच्चों को रंगोत्सव होली की शुभकामनाएं दिया। मौके पर शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ-साथ सैकड़ो बच्चे मौजूद थे।

अवैध शराब भट्ठी को पुलिस ने किया ध्वस्त, अंग्रेजी शराब भी बरामद

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। पिपरा थाना प्रभारी बिमल कुमार ने शनिवार को अवैध महुआ शराब चुलाई के विरुद्ध सघन छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान पिपरा थाना क्षेत्र के बनाही में दो जगहों तथा बनकटवा गांव समीप पहाड़ी के तलहटी में चल रहे अवैध महुआ शराब के तीन भट्ठीयों को ध्वस्त किया। थाना प्रभारी बिमल कुमार ने बताया कि इस दौरान करीब 6 क्विंटल जावा महुआ, 50 लीटर निर्मित शराब को नष्ट किया। इस दौरान 6 ड्राम सहित शराब बनाने के कई उपकरण को भी नष्ट किया गया। साथ ही बताया कि अवैध महुआ शराब निर्माण में संलिप्त फरार कारोबारी के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। अभियान में आइआरबी पुलिस के कई जवान शामिल थे। वहीं पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बूढ़रोंधा गांव स्थित खेत में बने मकान में छापामारी कर फ्रीजर में अवैध रूप से रखें 36 बोतल किंगफिशर बियर 650 एमएल, 8 केन बियर 500 एमएल, 4 आरएस 375 एमएल अंग्रेजी शराब की बोतल बरामद किया।

व्यापार संघ का होली मिलन समारोह आयोजित

आपसी प्रेम व सौहार्द का प्रतीक है होली का त्योहार : पंकज

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। प्रखंड स्थित शिव छठ घाट पर बाजार सुरक्षा समिति सह व्यापार संघ विश्रामपुर के तत्त्वावधान में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमे स्थानीय गायक शिव कुमार चौधरी व गढ़वा से चलकर आए गायक दया नंदतिवारी की जुगलबंदी और होली गायकी ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। वहीं संघ ने मौजूद सभी कलाकारों, अतिथियों को अंगवस्त्र व माला पहनाकर उनका स्वागत किया। साथ ही भंडारा का भी आयोजन किया गया। संघ के अध्यक्ष पंकज कुमार लाल ने कहा की इस तरह का आयोजन आपसी प्रेम व सौहार्द का प्रतिक है। लोग पुराने वायमंस को भूल कर फिर से दोस्ती के नए रिश्ते में बंध जाते हैं। होली मिलन समारोह में मुख्य रूप से व्यापार संघ के प्रधान संरक्षक रविन्द्र नाथ उपाध्याय, संरक्षक प्रेम शंकर दुबे, संजय पांडे, लक्ष्मण साव, उपाध्यक्ष संजय प्रसाद शाह, उपाध्यक्ष अमितेश्वर दयाल के अलावा संतोष कुमार गुप्ता, पेंटर विजय राम, धर्मराज गुप्ता, मसीर खलीफा, प्रभु गुप्ता, अमित कुमार, उमाशंकर गुप्ता, अजय केशरी, आंनद कुमार, रमेश चौबे, राजेंद्र केशरी, ललन सोनि, विकास पाल, परमोद वर्मा, कुकु चौधरी, अरुण गुप्ता, संतोष केशरी, लालजी राम, राजू केशरी, कमलेश उपाध्याय, शिक्षक देवबंश राम, रंजीत कुमार, संजू ठाकुर, सुदामा यादव सहित बाजार सुरक्षा समिति के अलावा कई ग्रामीण मौजूद थे।

प्रेमी युगल की ग्रामीणों ने करायी शादी

नवीन मेल संवाददाता

पाटन। पलामू जिले के नावाजयपुर थाना अंतर्गत रुदीडीह स्थित नर्सरी में संदेहात्मक स्थिति में घूमते हुये प्रेमी-प्रेमिका को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। वहीं मुखिया के उपस्थिति में दोनों की शादी करा दिया गया। रुडीडीह मुखिया मधुबाला देवी एवं पूर्व मुखिया टीपी मेहता ने बताया कि बिगत शुक्रवार को पूर्वाहन 11 बजे घोरीघाट रुदीडीह पंचायत सचिवालय के पीछे नर्सरी में प्रेमी युगल संदेहात्मक स्थिति में घूमते देखे जाने पर स्थानीय लोगों ने पकड़कर मुझे एवं मुखिया मधुबाला देवी को खबर किया। दोनों को अलग-अलग कर पूछने पर दोनों कुछ दिनों से प्रेम प्रसंग चलने की बात कबूल किया। एकांत जगह नर्सरी में थे। प्रेमी पड़वा थाना अन्तर्गत बुची लामी के छोटू कुमार रवि जबकि प्रेमिका तेतरी कुमारी पाटन थाना के कुन्दरी गांव के है। मोबाइल के द्वारा दोनों के गार्जियन से सम्पर्क कर वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया। प्रारंभ में दोनों के गार्जियन शादी करने से इंकार किया। बाद में परिवारजनों के उपस्थिति एवं सहमति से शादी कराई गई। थाना प्रभारी कमल पांडेय ने बताया कि जानकारी मिला है। जांच में जूटी पुलिस।

अपराधियों ने मुर्गा फार्म में की तोड़फोड़, जांच में जुटी पुलिस

हरिहरगंज। थाना क्षेत्र के सेमरवार गांव समीप स्थित प्रमोद मुर्गा फार्म में शुक्रवार की रात्रि अज्ञात लोगों द्वारा तोड़फोड़ किया है। भुक्तभोगी प्रमोद मेहता ने बताया कि अज्ञात लोगों ने मुर्गा फार्म में लगे एलबेस्टर सहित फार्म में रखे गए कई सामान को तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इस दौरान फार्म में रखे बेंच, पटरी, जाली, टीन आदि कई समान लेकर भाग गए। इस संबंध में भुक्तभोगी प्रमोद मेहता ने घटना कि लिखित शिकायत थाना में की है। वहीं पुलिस मामले की छानबीन में जुट गयी है।

होली मिलन समारोह में एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर दी बधाई

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद प्रखंड अंतर्गत दुर्गा बाड़ी प्रांगण में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा द्वारा होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मधुसुदन पाठक व संचालन प्रखंड महासचिव जय प्रकाश उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश पाठक, प्रदेश कोषाध्यक्ष राज मोहन मिश्रा, गढ़वा जिला अध्यक्ष मनोज तिवारी, प्रखंड प्रभारी नंद किशोर पाठक, मनोज वैध ,अनिल पाठक, अशोक पाठक, कृपानाथ पाठक, सुनील पाठक, नंदा तिवारी, पलीता पाठक, मुकुंद पाठक, पलीता पाठक, अशोक तिवारी, विपुल तिवारी, किशन तिवारी, योगेंद्र तिवारी, जितेंद्र पाठक, छोटू पाठक, आनंद पाठक सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे। अपने संबोधन में प्रदेश अध्यक्ष कमलेश पाठक एवं गढ़वा जिला अध्यक्ष मनोज तिवारी ने सभी ब्राह्मण समाज को एक जुट होकर रहने को कहा और एक दूसरे से ब्राह्मण को कदम से कदम मिलाकर चलने को कहा। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण सभी जातियों को साथ लेकर चलते हैं। प्रतिदिन ब्राह्मण मंदिर में उदघोष करते हैं, विश्व के कल्याण हो और विश्व में शांति के लिए भगवान से प्रार्थना करते है। किसी एक जाति के लिए नहीं। और कार्य क्रम में उपस्थित सभी एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली का अग्रिम बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी। राज मोहन मिश्रा के द्वारा संबंधित कर कार्यक्रम का समाप्ति किया गया।

मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक का चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

हुसैनाबाद। प्रखंड अंतर्गत सभी सरकारी विद्यालयों के शिक्षक व सहायक अध्यापकों को मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान का चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस शिविर में 160 शिक्षकों ने भाग लिया। यह प्रशिक्षण शिविर शहर शहर के राजकीय कन्या मध्य विद्यालय में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक प्रेम प्रकाश सिंह, सतेंद्र विश्वकर्मा, कुश कुमार सिंह, वीरेंद्र कुमार चौधरी ने शिक्षकों को मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक विषय समेत पर कई महत्वपूर्ण जानकारी दी। बच्चों को खेल-खेल में सिखना, कहानी से सीखना, खिलौने से सीखना के विषय मे विस्तार पूर्वक बताया। समापन के मौके पर बीपीएम जयराम मेहता, लेखापाल रंजन कुमार सिंह, सहायक अध्यापक अभिषेक शर्मा, अनिल कुमार, सुरेंद्र कुमार सिंह, अनिल कुमार सिंह, बैद्यनाथ पासवान, पप्पू पासवान, रजनीश कुमार, संजय पासवान, सुनील पासवान, रौनक बेगम, शमीम बेगम, अनिता कुमारी, राजकुमार राम, दुर्गा देवी, मतीन अहमद, प्रमोद राम, बिंदु कुमारी, सलेहा खातून आदि मौजूद थे।

होली त्योहार को लेकर पुलिस अलर्ट मोड में

पाटन। पलामू पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार पलामू लोकसभा चुनाव व होली त्योहार के मध्यनजर देखते हुए पाटन पुलिस व नावा जयपुर पुलिस अलर्ट मोड में। आपसी भाई चारगी का त्यौहार होली में कही हरदंग ना हो इसको देखते हुए थाना प्रभारी लाल जी के निर्देशानुसार एस आई दिलीप कुमार सिंह के नेतृत्व में पाटन के मेन रोड सगुना, कुंदरी रोड में पुलिस ने एंटी क्राइम के तहत सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। मोटरसाइकिल और फोर व्हीलर वाहनों की डिकी जांच की गई। बिना हेलमेट के मोटरसाइकिल चलाने वाले को हितायत देकर छोड़ दिया गया कि हेलमेट लगा कर चले। पलामू पुलिस की अपील है कि सोशल मीडिया पर भ्रामक खबर फैलाने वाले पर पैनी नजर रखी गई है। होली का त्योहार शांति पूर्ण तरीके से मनाएंगे।

शहीद ए आजम वीर सपूत भगत सिंह की 93 वीं शहादत दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। शनिवार को जपला देवरी रोड स्थित यादव कांप्लेक्स में शहीद ए आजम वीर सपूत भगत सिंह जी की 93 वीं शहादत दिवस एवं विचार अभिव्यक्ति का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्रांतिकारी नेता भोला सिंह ने की। जबकि संचालन हुसैनाबाद व्यापार मंडल अध्यक्ष सह राष्ट्रीय सामाजिक जनकल्याण संगठन के अध्यक्ष कृष्णा बैठा ने किया। इसमें सर्व प्रथम भगत सिंह जी के तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर हरी यादव, सुभाष सिंह, विजय प्रसाद यादव, सुरेश प्रसाद यादव, विगन प्रजापति, प्रमोद कुमार रजक, बुटन यादव, श्रवण यादव, बैजनाथ प्रसाद, अरविंद कुमार सिंह, रामकेश्वर मेहता, अभिमयु सिंह, राजेंद्र पासवान, अनूप कुमार सिंह ने बारी बारी से शहीद ए आजम भगत सिंह की जीवनी पर प्रकाश डाला। इस मौके पर मुख्य रूप से राजेश यादव, शशि रंजन, गुड्डू , प्रदीप कुमार, छोटू , अशोक कुमार ठाकुर आदि ने राष्ट्रीयता एवं इंसानियत का संकल्प लिया। वहीं यह कार्यकर्म राष्ट्रीय सामाजिक जनकल्याण संगठन, क्रांतिकारी किसान यूनियन, जन संग्राम मोर्चा और बुद्धिजीवी विचार मंच के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

सीएसपी सहित कई दुकानों में लाखों की चोरी, मामला दर्ज

मोहम्मदगंज। थाना क्षेत्र के कादल कुर्मी गांव में बीती रात्रि अज्ञात चोरों ने एक सीएसपी व कई दुकान में चोरों द्वारा लाखों की चोरी किए जाने से संबंधित मोहम्मद थाना में आवेदन दिया गया है। इस संबंध में सीएसपी संचालक नंदकिशोर कुमार पिता जय गोपाल मेहता ने आवेदन में कहा है कि सीएसपी दुकान बंद कर बीते शाम अपने घर गया था। जब सुबह दुकान पर गया तो देखा कि पीछे से दुकान का दरवाजा का ताला खुला हुआ है। जब अपना सामान मिलाया तो जिसमें डेल कंपनी का लैपटॉप एसबीआई का सॉफ्टवेयर लोड, एसबीआई का चेक बुक का 12 पीस गायब है। काउंटर से 40 हजार रुपए भी गायब हैं। साथ ही बिजली के कई सामान भी गायब मिले। जिसमें लगभग 50 हजार रुपये का का नुकसान हुआ है। वहीं सीसीटीवी कैमरा के फुटेज में चोर मुंह बांध कर सामान की चोरी कर रहा है। दूसरी ओर कादल गांव निवासी अयोध्या मेहता के घर से सैमसंग मोबाइल भी गायब हुआ है। वहीं प्रसिद्ध चंद्रवंशी के गुमटी का भी ताला तोड़कर 3 हजार रुपये व कई सामान गायब है। मोहम्मदगंज रविवारीय बाजार स्थित शंकर शाह के दुकान से भी चापानल बोर करने वाला कई पाइप की भी चोरी हुई है। जो पुलिस प्रशासन के लिए एक चुनौती बन गया है। उन्होंने स्थानीय प्रशासन से मांग करते हुए कहा है कि सीसीटीवी कैमरा के सहारे चोरों तक पुलिस ही पहुंच सकती है। जिससे हम सभी को उचित न्याय मिल सके। इधर इस मामले को लेकर मोहम्मदगंज थाना प्रभारी पंकज कुमार तिवारी सीसीटीवी कैमरा को खंगालते हुए चोरों के खिलाफ गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण परीक्षा प्रतियोगिता में तीन विद्यार्थी पुरस्कृत

पाटन। राजकीय कृति स्नानोनत्तर उच्च विद्यालय सिक्की कला में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम चलाया गया। जिसमें कक्षा 6 और 7 एवं 8 के कुल 40 विद्यार्थियों के बीच एक प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण विभाग झारखंड सरकार द्वारा 40 विद्यार्थियों के लिए 40 प्रश्न पत्र उपलब्ध कराया गया था। जिसमे कक्षा 7 के सत्यम पांडे द्वितीय स्थान पर जितेश मेहता, एवं कक्षा 8 के तृतीय स्थान पर राजकुमार साव रहे। सफल विद्यार्थी के बीच पंचायत समिति सदस्य मंजू देवी व विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य राम सुंदर कुजूर, प्रबंधन समिति अध्यक्ष रामस्वरूप सिंह के द्वारा पुरस्कार देखकर सम्मानित किया गया। मौके पर विद्यालय लेकर सहायक अध्यापक संघ के उपाध्यक्ष विजय विश्वकर्मा, शिक्षिका राजकुमारी ने इस कार्यक्रम का सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

सुप्रभात पलामू

पलामू वासियों को नमस्कार।

रंगों के त्योहार होली में लोग एसिड युक्त अबीर-गुलाल का प्रयोग ना करें। शांति के साथ सदभावना और भाईचारा का पर्व मनायें।

सिविल सर्जन अनिल कुमार सिंह मेदिनीनगर।

एसपी के निर्देश पर चलाया गया चेकिंग अभियान

मेदिनीनगर। पलामू पुलिस कप्तान के निर्देशन अनुसार पड़वा मोड़ पर नावा बाजार थाना सीमा क्षेत्र पर एंटी क्राइम के तहत थाना प्रभारी चिंटू कुमार के नेतृत्व में वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस बल द्वारा छोटे-बड़े वाहनों की तलाशी के साथ कई निर्देशित बातें भी कही गई ।जिसमें एनएच 98 एवं 75 पर आवागमन सुचारू रूप से संचालित हो सके।मौके पर भुवनेश्वर तुरी विश्वनाथ राणा सहित कई पुलिसकर्मी मौजूद थे।

मॉर्निंग वॉक कर रहे छात्र को कार ने मारी टक्कर, मौत

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर से सटे चैनपुर थाना क्षेत्र के भड़गावां पंचायत के डुमरी निवासी शम्भू राम के 20 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमारकी मौत शनिवार को सुबह करीब 5.30 बजे सड़क दुर्घटना में हो गई। वह घर का एकलौता चिराग व इंटर प्रथम वर्ष का छात्र था। उसकी मौत से परिवार में हाहाकार मच गया है, वहीं पुरे गांव में मातम का माहौल है। मृतक के पिता शम्भू राम ने बताया कि उनका पुत्र प्रिंस पुलिस में भर्ती की तैयारी के लिए प्रतिदिन गांव के ही अपने चार पांच दोस्तों के साथ सुबह दौड़ने जाता था। शनिवार की सुबह भी वह दोस्तों के साथ दौड़ने रामगढ़ मुख्य सड़क की ओर गया था। इसी दौरान रानीताल के पास नावाडीह की तरफ से आ रही तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने पीछे से धक्का मारदिया। बताया जाता है तब प्रिंस के दोस्तों ने कार चालक को पकड़ने की कोशिश की लेकिन वह कार को सड़क पर लहराते भाग निकला। सूचना मिलते आस पास के लोग भी वहां पहुंचे और गंभीरअवस्था में उसे लेकर एमएमसीएच पहुंचे जहां चिकित्सकों नें मृत घोषित कर दिया। सूचना के बाद पुलिस तहकीकात में जुट गई है।

तस्वीर झूठ ना बोले

खिलने लगे पलामू में पलाश के फूल (छाया-भोला)

एक नजर

सड़क दुर्घटना में एक की मौत

मेदिनीनगर। सदर थाना क्षेत्र के पोखरहा में शुक्रवार की शाम वाहन की धक्के से एक अज्ञात व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा इस घटना की जानकारी सदर थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय को दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही सदर थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय घटनास्थल पर पहुंच कर घायल को इलाज के लिए मेदिनीनगर सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के क्रम में उक्त व्यक्ति की मौत हो गई।

आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने मनाया शहादत दिवस

मेदिनीनगर। शहीद चौक पर शहीद भगत सिंह को मल्यार्पण कर शहादत दिवस मनाया गया। मौके पर चंद्रबली चौबे ने कहा कि शहीद भगत सिंह से हम सभी को देश के लिए मर मिटने के लिए प्रेरणा मिलती हैं। कौशल किशोर बच्चन ने कहा कि भगत सिंह हम सभी युवाओं के लिए प्रेरणादाई है। उनके शहादत में देश का प्रेम झलकता है। एक युवा अपने देश के लिए फांसी पर चढ़ कर भी अमर हो गए। डाल्टनगंज विधानसभा क्षेत्र के युवा मुन्ना कुमार ने कहा कि शहीद भगत सिंह हमेशा युवाओं दिलों में राज करेंगे देश कभी उन्हें भूल नहीं सकते हैं। मौके पर युवा नेता मुन्ना कुमार, सुधीर कुमार,अशोक राम , ओम प्रकाश गुप्ता, लव तिवारी ,अरुण वर्मा और अन्य लोगों उपस्थित थे।

राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने की पलामू, गढ़वा, लातेहार एवं चतरा जिलों में चल रही चुनाव तैयारियों की समीक्षा

शांतिपूर्ण चुनाव के लिए आपसी समन्वय से काम करें अधिकारी : के. रवि कुमार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। आसन्न लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण, स्वच्छ, निष्पक्ष एवं भयमुक्त संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन आपसी समन्वय से कार्य-योजना तैयार कर समयबद्धता के साथ काम करे।भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा सभी स्तरों पर जिम्मेवारियां तय की गईं हैं,जिनका शत प्रतिशत अनुपालन करना है। आपसी समन्यवय के साथ कार्य किये जाने से निश्चय ही बेहतर परिणाम सामने आएंगे।उक्त बातें राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कही। वे शनिवार को पलामू के प्रमंडलीय मुख्यालय स्थित समाहरणालय सभागार में पलामू लोकसभा क्षेत्र के पलामू, गढ़वा, लातेहार एवं चतरा जिले के जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह- उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक सहित अन्य वरीय पदाधिकारियों के साथ लोकसभा निर्वाचन -2024 की तैयारी, एवं चुनाव प्रबंधन की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान सीईओ श्री कुमार ने चतरा जिले के पुलिस अधीक्षक को जिले के नामजद आरोपितों को अभियान चलाकर गिरफ्तार करने, प्रतिबंधित नशीले पदार्थों एवं अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई कर हजारीबाग में आयोजित अगली समीक्षा बैठक में प्रतिवेदन समर्पित करने का निदेश दिया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने 27 मार्च तक सभी मतदान केन्द्रों पर सभी न्यूनतम सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निदेश दिये। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पोस्टों पर गहनता से ध्यान रखे जाने की जरूरत है।सोशल मीडिया सेल, कंट्रोल रूम, यातायात प्रबंधन, संसाधन प्रबंधन, पोस्टल बैलेट, प्रशिक्षण, एमसीएमसी सहित अन्य कोषांगों को हमेशा सक्रिय रखना है।

अंतराज्यीय चेक पोस्ट पर पुलिस बलों की तैनाती कर सख्ती से करें जांच

जिलों के सभी चेक पोस्ट को सक्रिय करते हुए सख्ती बरतने के साथ पर्याप्त बल एवं दंडाधिकारी की नियुक्ति कर सघन जांच अभियान चलाकर अवैध शराब एवं शस्त्र की आवाजाही पर पूर्णतया रोक लगाने तथा सभी चेकपोस्टों पर औचक निरीक्षण करने और उनके कार्यान्वयन पर निगरानी रखने का निदेश दिया।

संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर कड़ी निगरानी प्राथमिकता : ए.वी होमकर

राज्य पुलिस नोडल पदाधिकारी ए.वी.होमकर ने जिलों के चिन्हित संवेदनशील एवं अति संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर कड़ी निगरानी रखते हुए जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निदेश दिया। संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर पर्याप्त संख्या में सीआरपीएफ एवं पुलिस बलों की तैनाती का आकलन करते हुए शून्य रिस्क प्रिंसिपल पर कार्य करने के निदेश दिये । कहा कि मतदान कराने के साथ-साथ ईवीएम, मतदाता एवं पोलिंग पार्टी की सुरक्षा हम सबों की पहली प्राथमिकता है। दुरूह क्षेत्र के मतदान केन्द्रों एवं कलस्टर पर पोलिंग पार्टी एवं आवश्यक सेवाओं के लिए आवागमन की व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए। उन्होंने डिस्पैच सेंटर से कलस्टर एवं स्ट्रांग रूम से मतदान केन्द्र तक की व्यवस्था का बिंदुवार विश्लेषण करने सहित निर्वाचन कार्य में विधि व्यवस्था संधारण से संबंधित सभी दिशा निदेशों का सख्ती से अनुपालन करने का निदेश दिया।

मतदान केन्द्रों पर हो शुद्ध पेयजल की व्यवस्था

बैठक में मतदान दिवस के दिन मतदान केन्द्रों पर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के निदेश दिए गये। जिन मतदान केन्द्रों पर पेयजल की समस्या है, वहां टैंकर से एवं स्टोरेज कर पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निदेश दिया, ताकि मतदाताओं को सहुलियत हो। साथ ही शौचालय को क्रियाशील बनाने के निदेश दिए गये। मतदान कर्मियों के लिए मेडिकल किट की सुविधा प्रदान करने के संबेध में चिकित्सा पदाधिकारी को निर्देश दिया। उन्होंने निर्वाचन कार्य के आलोक में स्थाई और अस्थाई हैलीपैड की व्यवस्था दुरुस्त करने को लेकर निर्देश दिये। उन्होंने कहा इससे पोलिंग पार्टी एवं इमरजेंसी सेवाओं में इनका इस्तेमाल किया जा सकेगा। इसके लिए अभी से ही संयुक्त प्रयास करने की आवश्यकता है। समीक्षा बैठक में , सीआरपीएफ के आईजी राकेश अग्रवाल, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड नेहा अरोड़ा, पलामू के प्रमंडलीय आयुक्त बाल किशुन मुंडा, पलामू प्रक्षेत्र के आईजी नरेन्द्र कुमार सिंह, डीआईजी सीआरपीएफ पंकज कुमार सहित पलामू लोकसभा क्षेत्र के पलामू, गढ़वा, लातेहार एवं चतरा जिले के जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह- उपायुक्त, आरक्षी अधीक्षक सहित लोकसभा निर्वाचन से संबंधित वरीय पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

होली मिलन समारोह का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। भारत स्काउट और गाइड झारखंड राज्य इकाई द्वारा शहीद दिवस सह होली मिलन समारोह का आयोजन स्काउट भवन, जिला प्रशिक्षण केंद्र, मेदिनी नगर के प्रांगण में किया गया। जिसमें शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के चित्र पर माल्यार्पण किया गया एवं पुष्प अर्पित किया गया। इसके बाद होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया ,इस अवसर पर अमोद कुमार सिंह राज्य संगठन आयुक्त,झारखंड राज्य, अजीत कुमार, जिला संगठन आयुक्त धनबाद, सानू कुमार जिला संगठन आयुक्त पूर्वीसिहभूम ,शाकिर अंसारी जिला संगठन आयुक्त ,हरेंद्र प्रजापति जिला संगठन आयुक्त सरायकेला खरसावां, राहुल कुमार सोनी जिला संगठन आयुक्त सिमडेगा ,जिला प्रशिक्षक सोनू कुमार पांडे ,अमित कुमार झा, प्रिंस कुमार सिंह ,सुनील कुमार यादव, मोहित कुमार झा इत्यादि उपस्थित थे।

कल्पना सोरेन के नेतृत्व में पार्टी के हौसले बुलंद : सिन्हा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झामुमो पलामू के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी की पत्नी श्रीमती कल्पना सोरेन जी से शिष्टाचार मुलाकात की। उन्होंने कल्पना सोरेन जी को बताया कि पलामू के सभी नेता, कार्यकर्ता और पलामू की जनता आपके संघर्ष में आपके साथ खड़ा है। सिर्फ पलामू ही नहीं पूरा झारखंड चाहता है कि इस संकट की घड़ी में आप हम सबों का नेतृत्व करें। राजेंद्र सिन्हा ने बताया कि कल्पना सोरेन जी से मुलाकात बहुत ही सकारात्मक रही। हम सब चाहते हैं की वो हमारा नेतृत्व करें, हम सबों ने उन्हें पलामू आने का न्योता भी दिया है जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार भी किया। कल्पना सोरेन जी बहुत ही पढ़ी लिखी महिला हैं, उनके नेतृत्व से पार्टी के हौसले बहुत बुलंद होंगे। आज समय की मांग भी है की पढ़ा लिखा व्यक्ति राजनीति में ज्यादा से ज्यादा आए। एक नारी शक्ति समाज को बेहतर दिशा दे सकती है।₹ जल्द ही पलामू में कल्पना सोरेन आ सकती हैं, इससे झामुमो कार्यकताओं में भी काफी उत्साह है। ज्ञात हो कल्पना सोरेन जी गांडेय से विधानसभा चुनाव लड़ सकती हैं। वो गिरिडीह का दौरा लगातार कर रही हैं। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी के जेल जाने के बाद कल्पना सोरेन जी मंचों पर भी नजर आ रही और उनके भाषणों को तारीफ सभी मुक्तकंठ से कर रहे हैं। मुलाकात करने वालों में सचिव सन्नू सिद्धिकी, अनिकेत सिन्हा भी मौजूद थे।

लोकसभा चुनाव और होली पर्व को लेकर पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। आगामी लोकसभा चुनाव और होली त्याहार को लेकर पलामू पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई है। अवैध शराब, मादक पदार्थ की तस्करी करने वालों के खिलाफ पुलिस ने सख्ती से चेकिंग अभियान शुरू कर दिया है। इसी क्रम में शुक्रवार की रात शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार के निर्देश पर टीओपी 3 प्रभारी धर्मेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में शहर के बिसफुटा चौक के पास सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। वाहन चेकिंग के दौरान उन्होंने सभी दोपहिया चार पहिया वाहनों को रोककर उनकी गहनता पूर्वक तलाशी ली। मौके पर उपस्थित श्री सिंह ने बताया कि

वाहन जांच का मुख्य उद्देश्य है कि चुनाव के दौरान कोई भी आचार संहिता का उल्लंघन ना कर सके। उनके गाड़ियों पर पार्टी के बोर्ड और बैनर लगे रहने, साथ ही नगदी राशि 50 हजार से ज्यादा ले जाने पर चुनाव आयोग द्वारा रोक लगाई गई है। जिनके पास से 50,000 से ज्यादा की राशि मिलेगी उन्हें जब्त करते हुए कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इधर, पलामू पुलिस कप्तान के निर्देश पर पड़वा मोड़ व नावा बाजार थाना सीमा क्षेत्र पर एंटी क्राइम अभियान के तहत थाना प्रभारी चिंटू कुमार के नेतृत्व में वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस बल द्वारा छोटे-बड़े वाहनों की तलाशी के साथ कई निर्देशित बातें भी कही गई। जिसमें एनएच 98 एवं 75 पर आवागमन सुचारू रूप से संचालित हो सके। मौके पर भुवनेश्वर तुरी व विश्वनाथ राणा सहित कई पुलिसकर्मी मौजूद थे।

मुखिया ने किया होली मिलन समारोह

मेदिनीनगर। होली त्याहर मौके पर सदर प्रखंड रजवाडीह पंचायत के मुखिया अनुज कुमार त्रिपाठी के द्वारा पंचायत भवन में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया।होली मिलन समारोह में मनोरंजन के लिए ढोल, झाल, झांझ, हारमोनियम आदि मनोरंजन के साज-सामान के साथ होली गीतों पर धूम मचायी गयी। वही होली मिलन समारोह के अवसर पर पंचायत भवन में स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी हुई थी। सभी लोगों ने मुखिया के साथ मिलकर होली मिलन समारोह का आनंद उठाया।वही लोगों ने एक दूसरे को रंग,अमीर,गुलाल लगाकर होली पर्व की बधाई दी। वही मौके पर उपस्थित मुख्य अनुरोध त्रिपाठी ने कहा कि होली का त्यौहार पंचायत के लोग आपसी भाईचारगी के साथ मनाएं।शांति और सौहार्द पूर्ण वातावरण में होली का आनंद लें। इस पर विशेष रूप से ध्यान देने की जरूरत है। जिससे होली की स्वस्थ्य परंपरा को आगे बढ़ाया जा सके। लोग घरों से खेलने के लिए निर्भीक होकर बाहर निकलें और एक दूसरे को रंग गुलाल लगाएं।उन्होंने कहा की रंग में भंग डालने वालों पर विशेष रुप से नजर रखी जाएगी।

तैयारी | लोस चुनाव को लेकर पलामू जिले में बनेंगे 55 पर्दानशी मतदान केंद्र

बूथ पर पर्दानशीं महिलाओं की पहचान करेंगी महिला कर्मी

स्वीटी वर्मा

मेदिनीनगर। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए पलामू जिले में 55 पर्दानशीन मतदान केंद्र होंगे। यह जानकारी कार्मिक कोषांग के नोडल पदाधिकारी कुंदन कुमार ने दी। श्री कुंदन कुमार ने बताया कि पर्दानशीन मतदान केंद्र जिले के अंदर पड़ने वाले क्षेत्र में है। इसकी बड़ी विशेषता है वह यह है कि मतदान कर्मियों की टोली में एक महिला कर्मी रहेंगी। पर्दानशीन बूथ बनाने के साथ ही साथ उन पर महिला कर्मचारी तैनात की जायेगी। जहां मुस्लिम आबादी ज्यादा है वहां ऐसे बूथ हैं। क्षेत्र के तमाम बूथ मुस्लिम बाहुल्य मतदाता वाले हैं। चुनाव प्रक्रिया से जुड़े प्रशासन के अधिकारी के मुताबिक मुस्लिम मतदाताओं की बहुलता वाले इलाके में पर्दानशीन बूथ बनाए जा रहे हैं।

63 मतदान केंद्र पर रहेंगी महिला अधिकारी व कर्मी

कुंदन कुमार ने बताया कि पलामू जिले में महिलाओं के द्वारा पूर्ण रूप से संचालित मतदान केंद्रों की संख्या 63 है। इन मतदान केंद्रों पर सभी कर्मी महिला रहेंगी। एक मतदान कर्मी की टोली में चारों के चारों महिला ही रहेगी। इसी तरह से पलामू जिले में 9 ऐसे मतदान केंद्र होंगे, जिनका संचालन दिव्यांगजन करेंगे। यहां भी यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि इन केंद्रों को पूर्ण रूप से दिव्यांगजन संचालित करें। पीठासीन पदाधिकारी से लेकर चौथा मतदान कर्मी भी दिव्यांगजन ही होंगे। इस मतदान केंद्र पर भी सभी तरह के योग मतदाता अपने मत को डालने के जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे। श्री कुंदन कुमार ने यह भी बताया कि 10 ऐसे मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जो सरकारी नौकरी में अभी हाल फिलहाल में ही आए हैं और जिनकी आयु 22 वर्ष से 24 वर्ष की है। उन्होंने बताया कि इसके पीछे का उद्देश्य है कि नौजवान अधिकारी या कर्मी मतदान जैसे महत्वपूर्ण कार्य को करने के लिए सक्षम है। इस तरह से देखा जाए तो इस बार पलामू जिले में 1796 मतदान केंद्र है। इस 1796 में 55 पर्दानशीन मतदान केंद्र होगा, 63 पूर्ण रूप से महिला संचालित मतदान केंद्र, 9 पूर्ण रूप से दिव्यांगजन संचालित मतदान केंद्र और 10 मतदान केंद्र वैसे होंगे जिसका संचालन नौकरी में आए नवयुवक सरकारी कर्मचारी होंगे जिनकी आयु 22 से 24 वर्ष की होगी। 55 पर्दानशीन मतदान केंद्रों में पांकी विधानसभा क्षेत्र में पर्दानशीन मतदान केंद्रों की संख्या 20, डाल्टनगंज विधानसभा में 9, विश्रामपुर विधानसभा में 3, छतरपुर विधानसभा में 11 और हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र में ऐसे मतदान केंद्र की संख्या 11 है।

नाबालिग चला रहे वाहन, पुलिस प्रशासन मौन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर में प्रशासनिक लापरवाही के कारण इन दिनों नाबालिग जोर शोर से वाहन चलाते देखे जा रहे हैं। नाबालिग दो और चार पहिया वाहन चला रहे हैं इस कारण दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ती जा रही है। शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रो में भी नाबालिग फरार्टे से दोपहिया वाहन दौड़ाते देखे जा रहे हैं। देश में 18 वर्ष की उम्र पार कर चुके लोगों के लिए ड्राइविंग लाइसेंस बनाने का कानून है। लेकिन इस कानून की धज्जियां रोज उड़ाई जा रही है। कई विद्यालयों में पढ़ने वाले नाबालिग छात्र-छात्राएं अक्सर दोपहिया वाहन से विद्यालय आते व जाते हैं। लोगों का कहना है कि विद्यालयों के प्रशासन को भी ऐसे छात्र छात्राओं के अभिभावक से उन्हें वाहन न चलाने देने की सलाह देनी चाहिए। शहर व ग्रामीण क्षत्रो के आसपास में बने ईंट भट्ठों से ईंटें तथा बालू, मिट्टी आदि ढोने वाले ट्रैक्टरों को अक्सर नाबालिग चलाते हैं। कई बार ये अनुभवहीन चालक

दुर्घटना का कारण भी बनते हैं। कुछ दिनों पूर्व ट्रैक्टर की चपेट में आने के कारण पलामु जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम गम्हरिया टोली निवाशी राज मुनी कोरवा का पुत्र हरेन्द्र कोरवा उम्र 18 वर्ष की मौत हो गयी थी। वह भी नाबालिक था। ऐसी कई घटना जिले में घट चुकी है, इसके बाद भी परिवहन विभाग लापरवाह बना हुआ है।

एक नजर

मुकुन्दपुर पंचायत सचिवालय में कार्यकारिणी की हुई बैठक

केतार। प्रखंड के मुकुन्दपुर पंचायत सचिवालय में शनिवार को मुखिया मुंगा साह की अध्यक्षता में वित्तिय वर्ष 2024-25 के लिए जीपीडीपी योजना पारित करने को लेकर कार्यकारणी की बैठक की गई। इस बैठक में सर्वसम्मति से पंद्रहवें वित्त योजना मद् से जलमीनार, पीसीसी सड़क, श्मसान शेड, नाली निर्माण, चबुतरा निर्माण सहित अन्य योजनाओं को लिया गया।इस मौके पर पंचायत सचिव आदित्य कुमार, बीपीओ दीपक जयसवाल,वार्ड सदस्य धर्मेन्द्र कुमार सिंह, संतोष पासवान, शम्भू साह, कसमुद्दीन अंसारी,अंजलि भारती,कौशिल्या देवी, पुष्पा देवी, ज्ञांति देवी, चिंता देवी, कुण्डल सिंह ,राजा प्रसाद सहित अन्य लोग मौजूद थे।

रमजान में एक नेकी का शबाब 70 गुना बढ़ा दिया जाता है : फिरदौस

श्री बंशीधर नगर। रमजान का महीना बेहद पाक और रहमतों वाला है रमजान में एक नेकी का शबाब 70 गुना बढ़ा दिया जाता है उक्त बातें नगर उंटारी युवा समाजसेवी फिरदौस आलम ने कही। उन्होंने कहा कि पूरे दिन भूखा रहना ही रोजा नहीं है बल्कि रोजेदारों के लिए कुछ नियम भी होते हैं जो हमें हाथ, पैर, कान, नाक तथा जुबान से भी होने वाले गुनाहों से बचाता है। उन्होंने कहा कि यह महीना माफी का महीना है इस माह में अल्लाह इंसानों के सभी गुनाहों को माफ कर देता है। उन्होंने कहा कि पवित्र माह ए रमजान प्रेम एवं सौहार्द के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बुराइयों से दूर रहकर जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए तथा मुल्क की तरक्की की दुआ भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रोजेदारों के माने तो रमजान पवित्र रहमत एवं बरकतों का महीना है सुबह में शहरी एवं शाम में इफ्तार का आयोजन इसकी अनूठी पहचान है। उन्होंने कहा कि पवित्र रमजान में आपसी प्रेम दूसरे महीने से कहीं ज्यादा सभी मजहब के लोगों में दिखाई पड़ता है।

टेंपो और बोलेरो के भीष्म टक्कर

मेराल। डंडई अंबाखोरया मुख्य मार्ग में भेडियाही के पास शनिवार को टेंपो और बोलेरो के भीष्म टक्कर में लगभग 3:30 बजे सड़क दुर्घटना में लगभग एक दर्जन लोग घायल हुए है जिसमे पांच लोगों की स्थिति काफी गंभीर है डंडई ब्लॉक से वापस लौट रहे मेराल वीडियो जागो महतो सड़क दुर्घटना के घटना स्थल पर पहुंचे और तुरंत एम्बुलेंस और थाना प्रभारी को सूचना दिए सभी लोग घटनास्थल पर पहुंचे और सभी घायलों को एंबुलेंस से बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल गढ़वा भेज दिए घायलों में एक व्यक्ति की पहचान टेंपू चालक लावही गांव निवासी अकलू प्रजापति के रूप में हुई है बाकी अन्य की पहचान नहीं हो पाया है। क्षतिग्रस्त बोलोरो जिसका गाड़ी नंबर यूपी 58जेड 1211है जो तातापानी से लौटने की जानकारी लोगो द्वारा मिला है।

आटो व बोलेरो की टक्कर में तीन घायल, रेफर

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। मेराल-डंडई रोड में मेराल थाना क्षेत्र अंतर्गत उरिया नदी के समीप शनिवार को बोलेरो एवं आटो की आमने सामने की टक्कर में तीन महिलाएं समेत सात लोग घायल हो गए। घायलों में ऑटो पर सवार डंडई थाना क्षेत्र के लवाही गांव निवासी विकास कुमार वर्मा एवं उसी गांव के अकलू प्रजापति पिता माधो प्रजापति, डंडई निवासी सह भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष अनिता गुप्ता के पुत्र आशुतोष कुमार एवं एक अज्ञात वृद्ध तथा बोलेरो में सवार भवनाथपुर थाना क्षेत्र के दिनेश चौधरी, उनकी पत्नी बिंदा देवी, मेराल थाना क्षेत्र के भेड़ियाही गांव निवासी जगवा देवी पति दुबराज चौधरी एवं काजल देवी पति संजय चौधरी शामिल हैं। सभी घायलों का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार बोलेरो में सवार लोग छत्तीसगढ़ के तातापानी से आ रहे थे। उसमें दिनेश चौधरी एवं उसके रिश्तेदार समेत 10 लोग सवार थे। जबकि आटो में सवार लोग गढ़वा से डंडई जा रहे थे। इस दौरान उरिया नदी के समीप यह घटना घटित हो गई। बताया गया कि तेज रफ्तार बोलेरो ने आटो में टक्कर मार दिया। इससे आटो पलट गया। जबकि आटो का बाडी भी चेसिस से अलग हो गया। इस घटना में घायल हुए लोगों को घटनास्थल के आसपास के लोगों की मदद से अस्पताल भेजवाया गया। इनमें एक अज्ञात वृद्ध की हालत स्थिर बनी हुई है। समाचार भेजे जाने तक शाम छह बजे तक घायल वृद्ध की पहचान नहीं हो सकी है। इस घटना में गर्भवती महिला काजल देवी को भी गंभीर चोट लगी है।

बोलेरो में सवार लोग छत्तीसगढ़ के तातापानी से आ रहे थे। उसमें दिनेश चौधरी एवं उसके रिश्तेदार समेत 10 लोग सवार थे

मजदूरी करने गये युवक की मौत

नवीन मेल संवाददाता

केतार। प्रखंड क्षेत्र के सिंहपुर गांव निवासी मुसुकन डोम का पुत्र गोबिंद डोम (20) का मौत शुक्रवार को रांची रिम्स अस्पताल में हो गई। मृतक का पिता मुसुकन डोम ने बताया की गोबिंद दो माह पुर्व मजदुरी करने महाराष्ट्र के औरंगाबाद में गया था। वहां 15 फरवरी को काम करने के दौरान दो फ्लोर उपर से गिरकर घायल हो गया था। ठिकदार द्वारा इलाज कराने के लिए कोई पहल नहीं किया गया। इसके बाद हमलोग रांची के रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान गोबिंद का मौत हो गई। घटना की जानकारी के पश्चात मुकुन्दपुर मुखिया मुंगा साह ने मृतक के घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त किया,और सहयोग राशि, और 50 किलो चावल दिया। इस मौके पर सुनील सिंह, संतोष पासवान, भुटु राम, सहित अन्य लोग मौजूद थे।

डॉ. राम मनोहर लोहिया के 114वीं जयंती व जननायक कपूर्री ठाकुर का जन्म शताब्दी वर्ष समारोह का आयोजन

क्षेत्र में पूर्व मंत्री केशरी समाजवाद का अलख जगाये हैं : अभिषेक रंजन सिंह

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। धुरकी डॉ राम मनोहर लोहिया चेतना मंच नगर उंटारी एवं जननायक कपूर्री ठाकुर लोक चेतना मंच धुरकी के संयुक्त तत्वाधान में डॉ राम मनोहर लोहिया के 114वी जयंती व जननायक कपूर्री ठाकुर का जन्म शताब्दी वर्ष समारोह का आयोजन धुरकी प्रखंड मुख्यालय में जन नायक कपूर्री ठाकुर प्रतिमा स्थल के निकट स्थित कपूर्री चौपाल में किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ जननायक कपूर्री ठाकुर की प्रतिमा माल्यार्पण कर किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए डॉ राममनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष अभिषेक रंजन सिंह ने कहा कि आज शहीद ए आजम भगत सिंह का शहादत दिवस है ,वहीं डॉ राम मनोहर लोहिया के 114 वीं जयंती है साथ ही जननायक कपूर्री ठाकुर के शताब्दी वर्ष समारोह का आयोजन किया गया है। यह अत्यंत खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में पूर्व मंत्री रामचंद्र केशरी समाजवाद का अलख जगाये हुए हैं उन्होंने कहा कि हम सब केशरी जी में डॉक्टर लोहिया जी की छवि देख सकते हैं ।उन्होंने कहा कि डॉ लोहिया हमेशा से समानता की लड़ाई लड़ते थे .उनका मानना था कि दिया वहां जलाना चाहिये जहां सदियों से अंधेरा हो उन्होंने कहा कि तब की और आज की राजनीति में बहुत अंतर है .आज की राजनीति गंदे नाले के समान हो गयी है ।राजनेताओं में राजनीतिक विचार शून्य हो गया है । उन्होंने जननायक कपूर्री ठाकुर के विचारों को विस्तार से रखा ।राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद कमाल खां ने कहा कि डॉ लोहिया व्यक्ति नहीं बल्कि विचार थे हम सब को उनके बताए रास्ते का अनुशरण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत रत्न से सम्मानित जननायक कपूर्री ठाकुर एक महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षक, राजनीतिज्ञ तथा बिहार राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके हैउनकी लोकप्रियता के कारण उन्हें जननायक कहा जाता है वे भारत छोड़ो आंदोलन के समय 26 महीने जेल में बिताये थे .22 दिसंबर 1970 से 2 जून 1971 तथा 24 जून 1977 से 21 अप्रैल 1979 के दौरान वे दो बार बिहार के मुख्यमंत्री पद पर रहे उन्होंने कहा कि कपूर्री ठाकुर दूरदर्शी होने के साथ-साथ एक ओजस्वी वक्ता भी थे। पूर्व मंत्री रामचंद्र केशरी ने दोनों नेताओं के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम जब तक जीवित हैं तब तक लोहिया और जननायक कपूर्री ठाकुर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करते रहेंगे ।जननायक कपूर्री ठाकुर लोक चेतना मंच धुरकी तथा डॉ राम मनोहर लोहिया चेतना मंच के द्वारा पूर्व मंत्री रामचंद्र केशरी को शॉल और बुके देकर सम्मानित किया गया वहीं मंच के सभी पदाधिकारी को भी सम्मानित किया गया .मौके पर नीतू सिंह, सीता राम जायसवाल, सलीम अंसारी, भृगुण ठाकुर ,अधिवक्ता परवेज आलम ,सुनील प्रसाद, दीपक कुमार ठाकुर, कमलेश बिहारी,राकेश ठाकुर ,कामेश्वर जायसवाल, नंदकिशोर रामाशंकर जायसवाल, यादव, कृष्ण कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ राम मनोहर लोहिया चेतना मंच के अध्यक्ष कृष्णा विश्वकर्मा ने किया जबकि कार्यक्रम का संचालन जननायक कपूर्री ठाकुर लोक चेतना मंच धुरकी के अध्यक्ष राकेश कुमार ठाकुर तथा विजय कुमार केशरी ने किया।

अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष ने मनायी डॉ राममनोहर लोहिया की जयंती

श्री बंशीधर नगर। डॉ राममनोहर लोहिया की 114 वी जयंती के अवसर पर शनिवार को डॉ राममनोहर लोहिया चेतना मंच के तत्वाधान में भवनाथपुर मोड़ स्थित डॉ राममनोहर लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ राममनोहर लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने वालों में राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष मो कमाल खां,वरिष्ठ पत्रकार सह डॉ राममनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष अभिषेक रंजन सिंह,नीतू सिंह,पूर्वमंत्री सह भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य व डॉ राममनोहर लोहिया चेतना मंच के संरक्षक रामचन्द्र केशरी,चेतना मंच के अध्यक्ष कृष्णा विश्वकर्मा, सचिव दीपक कुमार ठाकुर,सीताराम जायसवाल,विश्वनाथ भंडारी,अरुण कुमार,सुनील प्रसाद,अखिलेश प्रसाद,भृगुण ठाकुर,परवेज आलम,रामचरित्र मेहता सहित अन्य के नाम शामिल हैं।

आरजीएसएम पब्लिक स्कूल में मना होली मिलन समारोह

नवीन मेल संवाददाता

डंडाई । प्रखंड मुख्यालय के आरजीएसएम पब्लिक स्कूल में शनिवार को होली मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया । आयोजित कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने एक से बढ़कर एक होली गीत गाकर उसका लुत्फ उठाया । साथ ही एक दूसरे को कबीर गुलाल वह रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दिया । कार्यक्रम में खासकर बच्चों के बीच काफी उत्साह और उमंग भी देखा गया । बच्चे जहां यथा अपने साथियों संग होली खेले वहीं विद्यालय के शिक्षक व शिक्षिकाओं को भी अबीर व गुलाल लगा उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया । मौके पर प्राचार्य सुमंत लाल ने कहा कि सनातन धर्म का होली एक महान पर्व है । इस पर्व में खासकर बच्चे काफी आनंदित रहते हैं । पर्व के आगमन से पहले ही उनकी खुशी सड़कों के साथ-साथ विद्यालय में भी देखा जाता है । उनकी खुशी को देखते हुए विद्यालय परिसर में होली मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया था । उन्होंने कहा कि विद्यालय के बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद व अन्य शैक्षणिक कार्यों में भी शिरकत करते रहते हैं ।

बीडीओ ने एक दर्जन मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

केतार। केतार प्रखंड विकास पदाधिकारी सावित्री कुमारी ने प्रखंड क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। इस क्रम में उन्होंने मध्य विद्यालय मुकुन्दपुर के मतदान केंद्र संख्या 78,79, उत्क्रमित 10+2 उच्च विद्यालय परसोडीह के मतदान केंद्र संख्या 87,88, मध्य विद्यालय हुरका के मतदान केंद्र संख्या 94,95, उत्क्रमित उच्च विद्यालय मेरौनी के मतदान केंद्र संख्या 96, प्राथमिक विद्यालय गुरुड़ के मतदान केंद्र संख्या 98, प्राथमिक विद्यालय लोहरगाडा. के मतदान केंद्र संख्या 99,100 , मध्य विद्यालय कधवन के मतदान केंद्र संख्या 93, मध्य विद्यालय खैरवा के मतदान केंद्र संख्या 60, मध्य विद्यालय बीजडीह के मतदान केंद्र संख्या 61,62 और प्राथमिक विद्यालय सोनवर्षा के मतदान केंद्र संख्या 63 का निरीक्षण की।इस दौरान बीडीओ ने मतदान केन्द्रों पर शौचालय,रैंप, पेयजल, बिजली व अन्य बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया।इस क्रम में मतदान केंद्र पर उक्त बुनियादी सुविधाएं अधुरी रहने पर दो दिन के भीतर ठीक करने के लिए विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं प्रबंधन समिति के अध्यक्ष को निर्देशित किया।इस मौके पर बीपीआरओ सुरेश राम सहित अन्य लोग मौजूद थे।

न्यूज बॉक्स

चिनिया पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च, कहा- शांति से मनाएं होली का त्योहार

चिनिया। थाना क्षेत्र में शांतिपूर्ण तरीके से रंगों का त्यौहार होली संपन्न करवाने को लेकर पुलिस ने अब कमर कस ली है। वही होली पर्व की पूर्व संध्या पर चिनीया थाना प्रभारी अमित कुमार अपने दल बल के साथ शनिवार की देर शाम चिनीया थाना मोड़ से लेकर रंका मोड सहित विभिन्न स्थानों पर फ्लैग मार्च निकालते हुए क्षेत्र वासियों से शांतिपूर्ण तरीके से होली पर्व मनाने को लेकर अपील किया है। साथ ही थाना प्रभारी ने कहा की पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे इसके लिए पेट्रोलिंग के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। इसलिए चिनिया पुलिस की ओर से होली के एक दिन पहले फ्लैग मार्च कर अपनी तैयारियों का प्रदर्शन भी किया गया है। ताकि आसामाजिक तत्व के लोग पुलिस की तैयारी को देखें और होली में हुड़दंग न करें। साथ ही उन्होंने कहा की थाना क्षेत्र में शांति भंग करने वालों को किसी भी हालत में बक्सा नहीं जाएगा,इसके अलावा शराब पीकर वाहन चलाने वालों, तीन सवारी वाहन चलाने वालों तथा लापरवाही पूर्ण ढंग से वाहन चलाने वालों के वाहन भी होली पर्व के दौरान जब्त किए जाएंगे। इस दौरान थाना प्रभारी अमित कुमार ने लोगों को भाई चारे के साथ होली पर्व मनाने के अपील की व कहां की थाना क्षेत्र में कहीं भी कोई अनहोनी की शंका हो तो तुरंत इसकी सूचना चिनीया पुलिस को दे ताकि समय रहते उस होने वाली अनहोनी को टाला जा सके, साथ ही उन्होंने कहां की सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर भी पुलिस की पैनी नजर है। और अफवाहों पर लोग ध्यान बिल्कुल भी ना दे । मौके पर असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर सहित भारी संख्या में पुलिस बल के जवान मौजूद थे ।

बाइक से गिरकर एक घायल, चल रहा इलाज

गढ़वा। धुरकी थाना क्षेत्र के खुटिया गांव निवासी अखिलेश कुमार गोंड पिता मान सिंह गोंड मोटरसाइकिल से गिरकर घायल हो गया। सदर अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। बताया गया कि अखिलेश कुमार गोंड मोटरसाइकिल से अपने गांव में ही खेत की ओर जा रहा था। इस दौरान अनियंत्रित होकर उसकी मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस घटना में अखिलेश के बायां पैर फ्रैक्चर हो गया। इसकी जानकारी मिलने पर स्वजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया।

होली मिलन का आयोजन

केतार। थाना परिसर में शनिवार की शाम होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी सहित शांति समिति के सदस्यों ने एक- दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली पर्व की बधाई दी। लोगों से हर्षोल्लास पूर्वक होली पर्व मनाने का अपील किया गया। इस मौके पर पीएसआई विजय कुमार, रोशन तिग्गा, एसआई कन्हैया बैठा, पंकज सिंह,राजू सिंह,प्रमुख प्रतिनिधि सुरेन्द्र प्रसाद,उप प्रमुख शम्भू सिंह, बींस सूत्री अध्यक्ष संजय सिंह, उपाध्यक्ष शुशील पाठक, अजय वर्मा , राम बिचार साहू सहित अन्य लोग मौजूद थे।

विकास सोसाइटी ने मनाया होली सह सम्मान समारोह

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। कन्या विवाह एंड विकास सोशॉयटी द्वारा शनिवार को प्रखंड परिसर में होली सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कन्या विवाह एंड विकास सोसाईटी के सचिव विकास माली, बीडीओ नंदजी राम, मेराल प्रमुख दीपमाला कुमारी, भवनाथपुर मुखिया बेबी देवी व सोसाईटी के भवनाथपुर को ऑर्डिनेटर अंजू गुप्ता ने संयुक्त रूप फीता काटकर किया। मौके पर सोसाईटी के सचिव विकास माली ने कहा कि कन्या विवाह एंड विकास सोसाईटी बाल विवाह व दहेज प्रथा को रोकने के साथ ही किसी भी जिले और राज्य के असहाय, गरीब तबके के लोगो के बच्चियों का सोसाईटी के कर्मियों द्वारा घर घर जाकर उन बच्चियों को पंजीकृत कर 18 वर्ष के बाद बच्चियों का विवाह कराने का दायित्व को निभाती है। कहा कि कन्या विवाह एंड विकास सोसाईटी पुर भारत में बाल विवाह, दहेज प्रथा व भ्रूण हत्या रोकने के लिए जागरूकता अभियान चला रही है, जो इस कुप्रथा के खिलाफ निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने लोगो से अपनी बेटियों को 18 वर्ष के बाद ही उनका विवाह करने की अपील किया। कार्यक्रम का संचालन सोसाईटी के विभूति पांडेय ने की। इस मौके पर सोसाईटी के विकास तिवारी, जिला प्रबंधक आयुब खाँ, रंजीत, टिंकू तिवारी, दीनानाथ पांडेय, आकाश भारती, पूर्व मुखिया अब्दुला अंसारी, वरुण बिहारी यादव, शमशेर अंसारी, ज्योति देवी, सरस्वती देवी, सोनी देवी, रेनू वैद्य, कौशल्या देवी, फुला देवी, गीता देवी, प्रभा देवी, प्रमिला देवी, रूपवंती देवी, रामदुलारी देवी, अनीता देवी, लालती, आरती, साधना कुमारी, रिंकू देवी, रानी देवी, संगीता देवी सहित बड़ी संख्या महिला पुरुष सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में महिलाओं को किया गया सम्मानित कन्या विवाह एंड विकास सोसाईटी द्वारा आयोजित होली मिलन सह सम्मान समारोह में संस्था के सचिव विकास माली द्वारा पंजीकृत बच्चियों, सोसाईटी के सक्रिय सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों को गमछा से सम्मानित किया। इसके बाद एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर एक दूसरे को होली की बधाई दी।

शांति समिति की बैठक में डीजे साउंड बजाने पर लगा प्रतिबंध

नवीन मेल संवाददाता

केतार। होली पर्व हर्षोल्लास व शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर थाना परिसर में शनिवार को बीडीओ सावित्री कुमारी की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में शांति समिति के सदस्यों ने शांति और सौहार्दपूर्ण तरीके से रंगों का त्योहार होली मनाने का निर्णय लिया। इस अवसर पर थाना प्रभारी रौशन कुमार वर्णवाल ने कहा की होली पर्व को लेकर अफवाहों पर ध्यान नहीं दें, सोशल मीडिया पर अफवाह फैलने वालें लोगों और हुड़दंगीयों पर पुलिस कड़ी नजर रखेगी। उन्होंने कहा की होली के दिन पुलिस क्षेत्र में गस्ती करेंगी। थाना प्रभारी ने कहा की होली के दिन शराब बंदी और डीजे साउण्ड बजाने पर पुर्ण रूप से प्रतिबंधित किया गया है। डीजे साउण्ड बजाते पकड़े जाने पर साउंड जब्त कर संचालक पर कार्रवाई की जायेगी।बीडीओ सावित्री कुमारी ने कहा की होली का त्योहार सारे द्वेष को भुलकर भाइचारे के साथ मनायें। वाट्सऐप ग्रुप में किसी भी प्रकार का आपत्तिजनक मैसेज को फारवर्ड नहीं करें। यदि कोई अनहोनी की सुचना मिले तो इसकी जानकारी प्रशासन को दें। वहीं शांति समिति सदस्यों को बताया गया की लोकसभा चुनाव के मध्येनजर प्रखंड स्तर पर एफएसटी टीम गठित किया गया है।

परेशानी

पीसीसी पथ निर्माण कार्य में अनियमितता का आरोप

ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य रोका, आक्रोश

नवीन मेल संवाददाता

केतार। केतार प्रखंड के परसोडीह गांव में जिला अनाबद्ध योजना मद् की राशि 58 लाख रुपए की लागत से ब्रह्म बाबा स्थान से पंडा नदी पुल तक पीसीसी पथ निर्माण कार्य में अनियमितता का आरोप लगाकर ग्रामीणों ने निर्माण कार्य को दूसरे दिन ही रोक दिया। ग्रामीण सतेन्द्र गुप्ता, नागेन्द्र ठाकुर, उमेश गुप्ता, हरिहर बैठा, रविन्द्र राम, अखिलेश पासवान, प्रदीप गुप्ता, अखिलेश पासवान,अनुज गुप्ता, प्रमोद गुप्ता ने कहा की संवेदक प्राकलन को ताक पर रखकर मनमानी तरीके से सड़क निर्माण कार्य को पुरा कराने की फि राक में है।पीसीसी सड़क को डालमिया सड़क के बजाय कोणार्क सीमेंट से ढ़लाई किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है की पुरानी पीसीसी सड़क को तोड़कर सड़क निर्माण नहीं किया जायेगा तो बरसात के दिनों में सड़क का पानी घरों में घुसने लगेगा। इसके पश्चात जिला परिषद सदस्य ज्वाला प्रसाद, पुर्व मुखिया अनील पासवान, समाजसेवी अजय वर्मा की उपस्थिति में ग्रामीणों ने बैठक की।बैठक में निर्णय लिया गया की जब तक कनीय अभियंता साइड पर नहीं आयेगे तब तक निर्माण कार्य बंद रहेंगा।इस पर संवेदक ने भी सहमति जताई। इस सम्बन्ध में समाजसेवी अजय वर्मा ने कहा की संवेदक मनमानी तरीके से घटिया सीमेंट, अवैध बालू और गिट्टी का इस्तेमाल कर जैसे तैसे सड़क निर्माण को पुरा करने के फि राक में है, ग्रामीणों ने एकजुट होकर कार्य रोक दिया। इधर जिला परिषद सदस्य ज्वाला प्रसाद ने कहा की जब तक पुरानी पीसीसी सड़क को तोड़कर हटाया नहीं जायेंगे तब तक नये सड़क का निर्माण पर रोक लगा दी गई है।जेई आकर अपनी निगरानी में गुणवत्तापूर्ण सड़क का निर्माण कराये।

मस्जिद में रात से ही चल रही नमाजे ए तरावीह

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। अनुमंडल मुख्यालय स्थित नगर उंटारी जामिया इस्लामिया जब्बारिया मस्जिद में चांद रात से ही चल रही नमाजे ए तरावीह शुक्रवार की रात में हाफिज अशरफ रजा साहब ने संपन्न कराई। इस दौरान रोजदारों ने नमाजे-ए- तरावीह अदा करने के बाद लोगों ने फातिहा खानी किया। नमाजे -ए- तरावीह समापन के बाद देश दुनिया में अमन चैन खुशहाली के लिए सामूहिक रूप से दुआएं मांगी गई। हाफिज अशरफ रजा साहब ने कहा कि अपने रब को राजी करने के लिए ईशा की नमाज के बाद तरावीह की नमाज लोग घंटे खड़े होकर पढ़ते हैं साथ ही कुराअन भी सुनते हैं। उन्होंने बताया कि तमाम महीना में रमजान का महीना सबसे अफजल है। अल्लाह इस महीने में अपने बंदों के लिए अज्र बढ़ा देता है एक नेक काम करने पर 70 नेकिया का सवाब अल्लाह ताला अपने बंदों को नवाजता है। उपस्थित अंजुमन कमेटी के पदाधिकारी ने कहा कि पवित्र माह -ए- रमजान बरकतों एवं रहमतों से भरा महीना हैं। रमजान में अल्लाह तआला ने खास तौर से गरीब का ख्याल रखने का हुक्म दिया है ।उन्होंने कहा कि रमजान में नमाजे -ए-तरावीह के दौरान कुराअन की कई आयत पढ़ी जाती है। नमाज ए तरावीह समापन के बाद अंजुमन कमेटी के पदाधिकारी के द्वारा हाफिज अशरफ रजा साहब को54786 रुपए व मुअज्जिम साहब को 12501 रुपए के साथ फूल माला पहनकर सम्मानित किया गया। मौके पर हाजी डॉ कुतबुद्दीन अंसारी, हाजी अतिकुल्लाह खलीफा,अंजुमन कमेटी के सदर तौहिद खान, सरपरस्त शमीम खान, तस्लीम खान,तौकीर आलम, आजाद खान,मजमुदिन अंसारी, मौलाना एजाज अंजुम, हैदर खान, मौलाना अब्दुल कादिर, शकील अहमद, बबलू खान, सुहैल आलम पप्पू, गब्बर, इकबाल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

एक नजर

बाइक की टक्कर से घायल वृद्ध की इलाज के दौरान मौत

गिद्धौर(चतरा)। गिद्धौर थाना क्षेत्र के पांडेय महुआ में धनेश्वर दांगी के घर के समीप अनियंत्रित बाइक चालक ने वृद्ध को जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में ग्रामीण व परिजनों के सहयोग से इलाज के लिए सदर अस्पताल चतरा ले जाया गया। जहां से बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया गया। हजारीबाग में इलाज के दौरान वृद्ध की मौत हो गई। मृतक पांडेयमहुआ के महादेव पासवान 60 वर्ष बताया जा रहा है। इधर टक्कर मारने वाला बाइक चालक का भी पहचान ग्रामीणों ने कर लिया है।

विद्यार्थी परिषद ने शहादत दिवस मनाया

बरवाडीह। विद्यार्थी परिषद नगर इकाई बरवाडीह द्वारा भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु की पुण्यतिथि पर शनिवार को भगत सिंह के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। वही विद्यार्थी परिषद के झारखंड प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सागर कुमार वर्मा ने कहा कि देश के लिए अपनी जान को न्यौछावर करने वाले वीर शहीद भगत सिंह राजगुरू सुखदेव जी के त्याग हमेशा के लिए अमर रहेगा। इस त्याग का हम सभी देशवासी हमेशा के लिए ऋणी हैं। प्रदेश कार्यकारणी सदस्य अतुल कुमार सिंह,सागर कुमार , जितेंद्र सिन्हा, नगर अध्यक्ष फिरोज अहमद, नगर सह मंत्री सोनू कुमार सिंह, अशोक कुमार, प्रदिप कुमार आदि दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रेलवे कर्मी के निधन पर चंद्रवंशी समाज ने शोकसभा की

बरवाडीह। रेलवे के कैरेज एंड बैगन डीपू में कार्यरत संजीव कुमार चंद्रवंशी के बीते दिनों ड्यूटी के दौरान रेलवे यार्ड के लाइन नंबर 9 में मालगाड़ी के चपेट में आने से आकस्मिक निधन के उपरांत बाबा चौक के समीप बरवाडीह चंद्रवंशी समाज के लोगो ने एक शोक सभा का आयोजन कर दिवंगत स्वङ्ग संजीव कुमार चंद्रवंशी की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन धारण कर प्रार्थना किया। वही समाज के लोगों द्वारा उसकी तस्वीर के सामने कैंडल जलाकर एवं पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा को नमन किया। इस दुःख के घड़ी में उनके परिवार के साथ बरवाडीह चंद्रवंशी समाज सदा खड़े रहेंगे। मौके पर रणजीत कुमार राजू चंद्रवंशी, बैजनाथ चंद्रवंशी, शत्रुघ्न चंद्रवंशी ,बबलू चंद्रवंशी, संतोष चंद्रा, आदि चंद्रवंशी समाज के लोग उपस्थित थे।

प्रखंड कर्मियों ने किया होली मिलन का आयोजन

बरवाडीह। प्रखंड कार्यालय परिसर में प्रखंड कर्मियों द्वारा शनिवार को होली मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मनरेगा कर्मियों के द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह कार्यक्रम में जिप सदस्य संतोषी शेखर, प्रखंड विकास पदाधिकारी रेशमा रेखा मिंज समेत प्रखंड के अन्य अधिकारी व कर्मियों भी शामिल हुए। सभी कर्मियों ने बीडीओ व जिप सदस्य को अबीर गुलाल लगाकर होली की अग्रिम बधाई दी। वही सभी कर्मियों ने भी एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर बधाई दी। बीडीओ ने कहा कि होली का पर्व रंगों के साथ आपसी भाईचारा का महान पर्व है। जिसे सभी मिलजुल कर एकता के साथ मनाते है। उन्होंने कहा कि प्रखंड के सभी क्षेत्र में भी इस पर्व को आपसी एकता और भाईचारे के साथ सभी प्रखंडवासी मनाएंगे। यही कामना है। वही मौके पर बीपीओ त्रिवेणी राम, प्रभारी आपूर्ति पदाधिकारी अरविन्द कुमार, रविकांत रवि, ज्वाला प्रसाद, समेंत काफी संख्या में प्रखंड कर्मी डीलर मौजूद थे।

विभिन्न स्थानों पर होली मिलन समारोह का आयोजन

गिद्धौर(चतरा)। रंगों के त्योहार होली की उमंग गिद्धौर प्रखंड में परवान चढ़ने लगी है। शनिवार को प्रखंड के विभिन्न स्थानों पर होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में जमकर गुलाल व अबीर उड़ाए गए। वही एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की अग्रिम बधाई दिया। दूसरी तरफ विद्यालय व कोचिंग संस्थान के बच्चों ने भी शनिवार को जमकर होली खेली। होली मिलन समारोह में लोगों ने जमकर फाग गाए। वही डीजे के धुन पर ठुमके भी लगाए। बताया गया कि रविवार देर रात होलिका दहन किया जाएगा। जिसकी तैयारी में ग्रामीण जुट गए हैं।

होली मनाने की प्राचीन परंपरा हो रही विलुप्त

फूहड़ता के कारण लोग त्योहार से हो रहे दूर

नवीन मेल संवाददाता

गिद्धौर (चतरा)। आधुनिक युग में गुजरे जमाने की होली मनाने की पुरानी परंपरा विलुप्त होती दिख रही है। दो दशक पूर्व फागुन माह प्रवेश करते ही लोग होली त्योहार की तैयारी में लोग जुट जाते थे। लोगों में त्योहार को लेकर काफी उत्साह रहता था। लेकिन आज के दौर में गुजरे जमाने की होली मनाने की परंपरा लगभग समाप्त हो चुकी है। बुजुर्गों ने बताया कि आज से करीब दो दशक पूर्व फागुन माह प्रवेश करते ही होली की तैयारी शुरू हो जाती थी। लोगों में होली को लेकर काफी उत्साह दिखता था। पुरानी संस्कृति के अनुसार शाम ढलते ही होली गीत गाने वालों की टोली जुटती थी। देर रात तक गीत गाने का दौर चलता रहता था। देवी-देवताओं पर आधारित होली गीत गाए जाते थे। होली की गीतों से पूरा गांव गुंजायमान रहता था। इसमें बुजुर्ग, युवा व बच्चे एक साथ बैठते थे। यहां तक कि एक परिवार के लोग साथ में होली गीत गाते थे। इस दौरान महिलाएं भी गीत सुनने के लिए पहुंचती थीं। अभी भी ग्रामीण इलाकों में कुछ जगहों पर परंपरागत गीत की धुन सुनाई पड़ती है। आज के दौर में ज्यादातर ध्वनि विस्तारक यंत्र से होली गीत सुनाई पड़ती है। गीत के बोल में अश्लीलता झलकती है। यहां तक की अभी की होली गीत अपने परिवार के सदस्यों के साथ सुना नहीं जा सकता है। खासकर महिलाओं को अभी की होली गीतों से शर्मसार होना पड़ रहा है। इससे होली की पुरानी परंपरा समाप्त होने के कगार पर है।

एक माह पूर्व से होलिका दहन की होती थी तैयारी

बुजुर्गों ने बताया कि होलिका दहन के बाद हिदू रीति-रिवाज के अनुसार नये साल का आगाज होता था। गुजरे जमाने में गांव के एक स्थान पर होलिका दहन किया जाता था। इसके लिए करीब एक माह पूर्व से तैयारी की जाती थी। शाम होते ही ढोल-बाजे के साथ युवाओं की टोली निकलती थी। और लोगों के घर पहुंचकर होली गीत गाते थे। इसके साथ ही लकड़ी का संग्रह किया जाता था।होलिका दहन के दिन बुजुर्ग, युवा, बच्चे व महिलाओं की भीड़ जुटती थी।और देवी-देवताओं का सुमिरन कर ब्राह्मणों द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ होलिका दहन किया जाता था। सुबह होने के बाद लोग होलिका दहन स्थल पर पहुंचकर राख की टिका लगाते थे। इसके साथ ही होली खेलने का दौर शुरू होता था। लेकिन आज एक ही गांव में दर्जनों जगह होलिका दहन किया जाता है।

शाम ढलते ही निकलती थी युवाओं की टोली

दो दशक पूर्व फागुन माह प्रवेश करते ही होली की पारंपरिक गीतों का दौर शुरू हो जाता था। शाम ढलते ही बुजुर्ग, युवा व बच्चों की टोली जुट जाती थी। और लोग ढोल, नगाड़ा, झाल के साथ होली की पारंपरिक गीत गाते थे। यह सिलसिला एक महीने तक चलता रहता था। जिसमें परिवार के सभी सदस्य शामिल होते थे। लेकिन आज अश्लील गीतों का दौर शुरू हो गया है। और पारंपरिक गीत समाप्त हो चुका है। पहले की अपेक्षा अब लोग अपने परिवार में सिमट चुके हैं। करीब दो दशक पूर्व फागुन माह में मोहल्लों में पारंपरिक होली गीत की शोर होने लगती थी। लेकिन आज ध्वनि विस्तारक यंत्र पर होली गीत बजाये जाते हैं। इन गीतों की धुन में अश्लीलता भरा रहता है। खासकर समाज की महिलाओं को शर्मसार होना पड़ता है। पहले होली पर्व पर लोग एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर बधाई देते थे।

आपसी भाईचारे के साथ मनाई जाती थी होली

बुजुर्गों ने बताया कि दो दशक पूर्व होली के अवसर पर बाहर रहने वाले लोग अपने घर पहुंच जाते थे। और अपने परिवार के साथ मिलकर होली पर्व मनाते थे। इसके साथ ही पुआ, पूड़ी, खीर समेत विभिन्न व्यंजन बनाया जाता था। पूरे परिवार एक जगह बैठकर खाते थे। साथ ही लोग एक दूसरे के घर पहुंचते थे। बुजुर्गों के पैर पर अबीर लगाकर आशीर्वाद लेते थे। एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर पर्व की बधाई भी देते थे। उस वक्त लोगों के बीच आपसी भाईचारा दिखता था। आज के दौर में होली पर्व पर लोग आपसी दुश्मनी का बदला लेने में जुटे हैं। जिसके कारण सभ्य लोग घर से बाहर भी निकलना नहीं चाहते हैं। और लोगों के बीच आपसी भाईचारा समाप्त होता दिख रहा है।

आज सुरक्षा के बीच मनाई जाती है होली

बुजुर्गों ने बताया कि दो दशक पूर्व होली पर्व आपसी भाईचारे के साथ मनाई जाती थी। लोग एक-दूसरे के घर पहुंचकर अबीर-गुलाल लगाकर पर्व की बधाई देते थे। और आपस में कोई मारपीट व झगड़ा नहीं होता था। इसके लिए कोई बैठक तक नहीं होती थी। आज के दौर में होली पर्व पर पंद्रह दिनों से पूर्व से शांति समिति की बैठक होती है। और प्रशासनिक पदाधिकारी द्वारा पर्व को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए आदेश जारी किया जाता है।

सामाजिक सद्भावना हो रही खत्म

होली ने केवल रंगों का त्योहार है। बल्कि सामाजिक सद्भावना का पर्व है।पहले की होली काफी मनमोहक होती थी। फागुन महीना शुरू होते ही होली गीतों के माध्यम से देवी-देवताओं का सुमिरन किया जाता था। लेकिन अब होली ने अश्लीलता का रूप ले लिया है। पुरानी परंपरा व उन दिनों की बात ही समाप्त हो गई है। इसके साथ ही आपसी भाईचारा भी समाप्त हो चुका है। बदलते परिवेश में पुरानी संस्कृति विलुप्त होती जा रही है। आज फूहड़ गीत लोगों के सामने परोसे जा रहे हैं। इससे मारपीट की घटनाएं बढ़ गई है। सभ्य परिवार के लोग होली खेलने से परहेज करने लगे हैं। अब होली पर्व का महत्व ही समाप्त हो चुका है। आज के दौर में पर्व को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए पुलिस जवानों को तैनात किया जाता है।

राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने विभिन्न मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। लोकसभा चुनाव को लेकर शनिवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड के रवि कुमार ने चतरा जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने चतरा लोकसभा क्षेत्र के सिमरिया में अवस्थित विभिन्न मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण कर बीएलओ द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। साथ ही मतदान केन्द्र जागरूकता समूह के सदस्यों की सूची एवं मतदाता सूची का अवलोकन करते हुए मतदान केन्द्र जागरूकता समूह एवं स्वयंसेवकों की सूची अलग-अलग तैयार रखने, मतदाता सूची में नये मतदाता का नाम जोड़ने से संबंधित प्रपत्र

6 संग्रह कर नाम जोड़ने की प्रक्रिया के ससमय निष्पादन, मतदाता सूची को अंतिम रूप दिए जाने के बाद अनुपस्थित, विस्थापित एवं मृत(एएसडी) का नाम मतदाता सूची से हटवाने संबंधित प्रक्रिया ससमय करने का निदेश दिया। उन्होंने दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं के निबंधन, मतदान केंद्रों पर रैंप को दुरुस्त करने, व्हील चेयर की व्यवस्था रखने, स्वच्छ शौचालय एवं उसमें रनिंग वाटर की व्यवस्था करने, शौचालय के दीवार पर पुरूष एवं महिला अंकित करने, शौचालय के रास्तों में साइनेज लगवाने के अलावा शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का निदेश दिया। वहीं मतदान कक्ष में मतदान अधिकारी, पीठासीन पदाधिकारी एवं अन्य को बैठने एवं वीवीएस एवं वीवीपैट रखने की व्यवस्था की भी जानकारी ली। उन्होंने मतदान केंद्रों पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं की कमियों को 27 मार्च तक दूर करते हुए मतदाताओं के लिए मतदान प्रक्रिया सुगम बनाने का निदेश दिया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, इचाकगढ़ (उर्दू) के मतदान केन्द्र संख्या 63, राजकीयकृत बालिका मध्य विद्यालय, सिमरिया के मतदान केन्द्र संख्या 70, राजकीय बुनियादी विद्यालय, सिमरिया के मतदान केन्द्र संख्या 72 एवं 73 का निरीक्षण किया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा मतदान केंद्रों का निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रमेश घोलप, एसडीओ सिमरिया सन्नी राज सहित अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

शौचालय निर्माण कार्य में अनियमितता को लेकर बीडीओ को सौंपा आवेदन

नवीन मेल संवाददाता

बारियातू। प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रोजेक्ट प्लस टू उच्च विद्यालय में सीसीएल द्वारा प्रदत्त शौचालय निर्माण में घोर अनियमितता को लेकर विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों ने रविवार को सीओ सह बीडीओ को आवेदन सौंपा। आवेदन के माध्यम से विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों ने बताया कि सीसीएल द्वारा प्रदत्त शौचालय निर्माण में संवेदक द्वारा सारे नियम को ताक पर रखकर घटिया किस्म का सीमेंट ईंट,बालू, छड़ व अन्य सामग्री का उपयोग कर शौचालय का निर्माण कराया जा रहा है। कार्य स्थल पर किसी प्रकार का कोई सुचना पट्ट भी नहीं लगा हुआ है। कार्य करा रहे मुंशी विनोद लोहरा से कार्य के संबंध में प्राकलन मांगे जाने पर दिखाने से इनकार करते हैं। जिसके बाद प्रबंधन समिति के सदस्यों द्वारा काम करने के लिए मना कर दिया। परंतु समाचार लिखे जाने तक पुनः काम जारी था। प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सत्येंद्र प्रसाद,पदेन सचिव श्रवण

कुमार मिश्रा, प्रखंड प्रमुख उर्मिला देवी, सदस्य योगेन्द्र पासवान, शांति देवी, सोनी देवी, शहनाज खातून, निर्मला देवी सहीत कई सदस्यों ने उपायुक्त के नाम प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी नंद कुमार राम को आवेदन सौंप कर कार्रवाई कर गुणवत्तापूर्ण कार्य कराने की मांग किया है। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी नन्द कुमार राम ने कहा कि आवेदन प्राप्त हुआ है। जांच कर संवेदक पर कार्रवाई की जाएगी। प्रबंध समिति के सदस्यों ने उपायुक्त गरिमा सिंह से शौचालय निर्माण कार्य का जांच कर संवेदक पर कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

पुराने भाजपाई और जनसंघ काल के नेताओं से मिले पूर्व विधायक, होली की दी बधाई

चंदवा। लातेहार विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक सह भाजपा नेता प्रकाश राम होली त्योहार को लेकर इन दिनों पुराने और जनसंघ काल के भाजपा नेताओं से मिलने उनके निवास स्थान जा रहे है। इसी कड़ी में शनिवार को प्रकाश राम भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित गुप्ता और राजकुमार पाठक समेत भाजपा मंडल के कार्यकर्ताओं के संग सुदूरवर्ती क्षेत्र बनहरदी,सांसग,बारी और चंदवा पश्चिमी क्षेत्र में निवास करने वाले जनसंघ काल के भाजपाइयों से मिलकर उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन लिया। प्रकाश राम ने कहा कि आप लोगों ने जो पार्टी रूपी बीच को बोया था आज वह पार्टी वटवृक्ष का रूप धारण कर लिया है। इसके पीछे आप लोगों की निष्ठा, तपस्या और त्याग है,इस दौरान जनसंघ काल के नेता काफी भावुक दिखे,उन्होंने कहा कि हमारी सोच को आप जैसे लोग साकार कर रहे है। हमलोगो का परिश्रम व्यर्थ नही गया। बनहरदी गांव के नंदकिशोर यादव ने उस समय की बात बतायी कि पार्टी के लिए काम करने के दंड स्वरूप नक्सलियों ने उनकी पिटाई तक की थी। आज भाजपाइयों का पूरा दल मेरे घर मे आया मेरा पुराना घाव भर गया। इस दौरे में पूर्व विधायक प्रकाश राम के साथ दीपक निषाद, शिवकेश्वर यादव, आशीष सिंह, बिनय कुमार रिक्की, आशीष गुप्ता, कृष्णा कुमार, रंजीत प्रसाद समेत कई लोग शामिल थे। जनसंघ काल के इन नेताओं से मिले प्रकाश राम, बनहरदी के बनेश्वर यादव, नंदकिशोर यादव, सुखदेव मिस्त्री, नागेश्वर यादव, बारी पंचायत के योगेंद्र सिंह, बालेश्वर सिंह, नंदकिशोर महतो, बिहारी साव, नरेश प्रसाद गुप्ता आदि से मिले।

वैश्य समाज का होली मिलन समारोह आयोजित

बालूमाथ। प्रखंड अंतर्गत चमातू ग्राम में शुक्रवार को झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा समाज का होली मिलन समारोह का आयोजन दामोदर साहू के अध्यक्षता में की गई । जिसमें बतौर मुख्य अतिथि समाज के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहू विशिष्ट अतिथि राजीव कुमार अनामिका गुप्ता, विनोद बिहारी गुप्ता, प्रेम प्रसाद गुप्ता सहित कई गणमान्य लोगों को फूल माला पहना कर भव्य स्वागत किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि समाज का उत्थान के लिए समाज को एक मंच पर एकजुट होना होगा।

संत जेवियर्स महाविद्यालय के भौतिकी शास्त्र की व्याख्याता सिस्टर जॉली को दी गई विदाई

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। संत जेवियर्स महाविद्यालय के सभागार में हर्षपूर्वक तथा नम आंखों के साथ भौतिक विज्ञान के व्याख्याता सिस्टर जॉली को विदाई दी गई। विदाई समारोह का प्रारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. फादर एम. के. जोश ने सिस्टर को गुलदस्ता देकर किया। महाविद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा विदाई गीत की प्रस्तुति की गई।असिस्टेंट प्रोफेसर रोजी सुष्मिता तिर्की ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। विद्याथीयों ने उनको गुलाब व बुके देकर सम्मानित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. फादर एम. के. जोस ने कहा कि सिस्टर एक अच्छी प्राध्यापिका के साथ साथ महाविद्यालय के लिए एक अच्छा सलाहकार के रूप में कार्य किया है, वह हमेशा से ही एक सुधारात्मक प्रवृत्ति की रहीं, इन्होंने महाविद्यालय के मैगजीन संबंधित कार्य, एसएसआर संबंधित कार्य में अपना अतुलनीय योगदान दिया। फादर जोश ने उनकी प्रशंसा में कहा कि वह एक निष्पक्ष न्यायवेता के रूप में भी हमेशा कार्य की हैं तथा महाविद्यालय के यूथ के लिए वह हमेशा एक प्रेरणा बनकर रहीं।

उप प्राचार्य सिस्टर कैसलिन ने कहा कि सिस्टर जॉली हमेशा अपने कार्य के प्रति निष्ठा के लिए जानी गईं। उन्होंने महाविद्यालय में अपने जीवन के अमूल्य समय दिया। महाविद्यालय के एसएसआर संबंधित कार्यों में जो असाधारण भूमिका निभाने के लिए सिस्टर कैसलीन ने उनका तहे दिल से धन्यवाद ज्ञापन किया।

असिस्टेंट प्रोफेसर जफर इकबाल ने कहा कि सिस्टर जॉली ने महाविद्यालय में न सिर्फ व्याख्याता के रूप में कार्य किया है बल्कि वह अपने अतुलनीय और अमूल्य कार्यों व अपने सकारात्मक व्यवहार, सरल स्वभाव के कारण महाविद्यालय के विद्यार्थी, सहायक प्रोफेसर्स और अन्य सहकर्मी के लिए भी हमेशा प्रेरणास्त्रोत बनकर रही। असिस्टेंट प्रोफेसर अजय साव ने सिस्टर के प्रति अपने भावनाओं को उजागर करते हुए कहा कि सिस्टर हमेशा से ही एक केयरिंग नेचर की रहीं। वह हर कार्य में सभी को सहयोग देती रहीं हैं। अपने सरल स्वभाव व सादगी के कारण वह हमेशा सबके हृदय में रहीं। अंत में कॉमर्स डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर रोज एलिस बारला ने इस कार्यक्रम के आयोजन हेतु सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। तथा सिस्टर कि प्रशंसा में कहा कि जिस तरह समुद्र हमेशा शांत रहकर निरंतर आगे बढ़ते जाता है ठीक उसी प्रकार सिस्टर जॉली ने निरंतर शांत रहकर सिर्फ अपने कार्य पर ध्यान दिया है। इस अवसर में महाविद्यालय के सभी प्रोफेसर्स और अन्य सहकर्मी मौजूद थे और सभी ने नम आंखों से सिस्टर के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

समाहरणालय, लातेहार
(कार्मिक कोषांग)

प्रेस विज्ञप्ति

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि अगामी लोक सभा चुनाव 2024 में निर्वाचन कार्य में प्रतिनियुक्त पदाधिकारी/कर्मी जो अपने गंभीर/असाध्य/जटिल बिमारियों के कारण कार्य करने में असमर्थ हैं। वैसे पदाधिकारी/कर्मी का जिला स्तर पर गठित मेडिकल बोर्ड के द्वारा दिनांक 11.03.2024 को समाहरणालय, लातेहार में स्वास्थ्य संबंधित जांच किया गया।

वैसे पदाधिकारी/कर्मी जो उक्त तिथि को अपना वास्थ्य संबंधित जॉच नहीं कराये हैं उनके लिए दिनांक 02.04.2024 को अंतिम रूप से स्वास्थ्य संबंधित जॉच हेतु तिथि निर्धारित किया जाता है। संबंधित सभी कर्मी निर्धारित तिथि को स्वयं उपस्थित हो कर जांच कराना सुनिश्चित करेंगे।

मेडिकल बोर्ड द्वारा जांच के क्रम में यदि उनके दावे गलत/ असत्य पाये जाते हैं तो जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की सुसंगत धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

जिला निर्वाचन
पदाधिकारी–सह–उपायुक्त,लातेहार

PR 323353 Latehar(23-24).D

जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–उपायुक्त का कार्यालय, लोहरदगा
(कार्मिक कोषांग)

प्रेस विज्ञप्ति

लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 के निमित चुनाव कार्य में प्रतिनियुक्त कतिपय मतदान कर्मियों द्वारा अपनी शारीरिक अस्वस्थता/बीमारी/विकलांगता के कारणों से निर्वाचन कार्य से विमुक्ति हेतु अभ्यावेदन समर्पित किया जा रहा है।

इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से वैसे सभी प्रतिनियुक्त मतदान कर्मियों जिन्होंने अपनी शारीरिक अस्वस्थता/बीमारी/विकलांगता के कारणों से निर्वाचन कार्य से विमुक्ति हेतु अभ्यावेदन कार्मिक कोषांग में समर्पित किये हैं, उनका दिनांक 28.03.2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से इस निमित्त गठित मेडिकल बोर्ड के द्वारा चिकित्सीय परीक्षण झारनेट सभागार, लोहरदगा में किया जायेगा।

अतएव सभी संबंधित मतदान कर्मियों को निदेशित किया जाता है कि निर्धारित तिथि एवं समय पर मेडिकल बोर्ड के समक्ष अपने चिकित्सा संबंधी समस्त प्रमाण पत्रों के साथ चिकित्सीय परीक्षण हेतु उपस्थित होकर चिकित्सीय परीक्षण कराना सुनिश्चित करेंगे, ताकि उनके द्वारा समर्पित अभ्यावेदन पर प्राप्त मेडिकल बोर्ड के अनुशंसा एवं प्रतिवेदन के आलोक पर उन्हें निर्वाचन कार्य से मुक्त करने संबंधी निर्णय लिया जा सके। उक्त तिथि के बाद उनके किसी आवेदन/दावे पर विचार नहीं किया जायेगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–
उपायुक्त, लोहरदगा।

PR 323343 Lohardaga(23-24)D

संकल्प सभा में फायरिंग रेंज का अंतिम सांस तक विरोध करने का लिया संकल्प

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड। नेतरहाट फिल्ड फायरिंग रेंज के संकल्प सभा में नेतरहाट के टूटवापानी में दूसरे दिन उमड़े जनसैलाब ने एक स्वर में फायरिंग रेंज का अंतिम सांस तक विरोध करने का संकल्प लिया। ज्ञात हो कि पूर्व मंन सरकार द्वारा अधिसूचानुसार 11 मई 2022 को प्रस्तावित नेतरहाट फिल्ड फायरिंग रेंज की अवधि समाप्त किया। वक्ताओं ने कहा कि यह इलाका संविधान की 5 वी अनुसूची के अधिसूचित है। 5 वी अनुसूची इलाके में केन्द्र सरकार व राज्य सरकार की एक ईच जमीन नहीं है। यहाँ के प्राकृतिक संसाधन जल जगंल जमीन पर वहाँ के समुदाय

का सामुदायिक अधिकार है पेसा कानून के अन्तर्गत स्पष्ट है कि ग्राम सभाओं की सहमति के बगैर कोई भी गाँव का सामुदायिक संसाधन किसी को भी हस्तान्तरित नहीं की जा सकती है।आज केन्द्र और राज्य सरकार को परियोजना को स्थागित करने पर मजबूर होना पड़ा। आज जनसंघर्ष ही एकमात्र रास्ता है। जिसके बदौलत तानाशाही सरकारों को झुकाया जा सकता है। केन्द्रीय जनसंघर्ष समिति के वरिष्ठ साथी अनिल मनोहर ने कहा कि हम जिस मजबूती से विगत 30 वर्षो से इस विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक आन्दोलन को जारी रखे हुए हैं। इसे आने वाले पीढ़ी और धार देगी हमारी संघर्ष की जीत पक्की है। सभा की समाप्ति जान देगें जमीन नहीं नारों, सपथग्रहण के साथ किया गया । सभा में 21 अप्रैल से 25 अप्रैल 2021 में पांच दिवसीय पदयात्रा में शामिल सबसे बुजुर्ग हेलारियुस बेक को केन्द्रीय जनसंघर्ष समिति ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में विभिन्न गांवों से आये एंव रांची आईकप संस्था द्वारा संस्कृतिक नाच गान प्रस्तुत किए। इस सभा में जेरोम जेराल्ड कुजूर, राम उरांव, प्लादीयूस पन्ना, रोश खाखा के अलावे समिति के जया,कुलदीप मिंज, अब्राहम, आंचल, सुभाष अगाथा, जय प्रकाश, मकदली टोप्पो सहित कई वक्ताओं ने संबोधित किया।

एक नजर

चुनाव कार्य में प्रतिनियुक्त कर्मियों का मेडिकल टेस्ट 28 को

लोहरदगा। लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 के निमित चुनाव कार्य में प्रतिनियुक्त कतिपय मतदान कर्मियों द्वारा अपनी शारीरिक अस्वस्थता / बीमारी / विकलांगता के कारणों से निर्वाचन कार्य से विमुक्ति हेतु अभ्यावेदन समर्पित किया जा रहा है। वैसे सभी प्रतिनियुक्त मतदान कर्मियों जिन्होंने अपनी शारीरिक अस्वस्थता/बीमारी/ विकलांगता के कारणों से निर्वाचन कार्य से विमुक्ति हेतु अभ्यावेदन कार्मिक कोषांग में समर्पित किये हैं। उनका 28 मार्च को पूर्वाह्न 11 बजे से इस निमित्त गठित मेडिकल बोर्ड के द्वारा चिकित्सीय परीक्षण झारनेट सभागार, लोहरदगा में किया जायेगा। सभी संबंधित मतदान कर्मियों को निर्देशित किया जाता है कि निर्धारित तिथि एवं समय पर मेडिकल बोर्ड के समक्ष अपने चिकित्सा संबंधी समस्त प्रमाण पत्रों के साथ चिकित्सीय परीक्षण हेतु उपस्थित होकर चिकित्सीय परीक्षण कराना सुनिश्चित करेंगे, ताकि उनके द्वारा समर्पित अभ्यावेदन पर प्राप्त मेडिकल बोर्ड के अनुशंसा एवं प्रतिवेदन के आलोक पर उन्हें निर्वाचन कार्य से मुक्त करने संबंधी निर्णय लिया जा सके। उक्त तिथि के बाद उनके किसी आवेदन दावे पर विचार नहीं किया जायेगा।

बीएलओ का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

चैनपुर। प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर स्थित सभागार में शनिवार को बीएलओ का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखण्ड विकाश पदाधिकारी यादव बैठा ने की। बीडीओ ने प्रत्येक बूथ पर 80 प्रतिशत से अधिक मतदान कराने तथा स्वीप कार्यक्रम के तहत आयोजित होने वाली गतिविधियों को बढ़ाने को लेकर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। साथ ही बुथ अवेरनेश ग्रुप का पुनर्गठन करने का निर्देश दिया गया, प्रति दिन मतदाता जागरूक कार्यक्रम करते हुए फोटो वॉट्सएप के माध्यम से प्रतिदिन डालने का निर्देश दिया गया। चुनाव पाठशाला के गतिविधियों का आयोजन करने का निर्देश प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित सभी बीएलओ को दिया। प्रशिक्षण नमें बारी-बारी से सभी बीएलओ को घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर मतदान के प्रति जागरूक करने को लेकर विशेष टिप्स दिए। मौके पर बीडीओ यादव बैठा, सभी पंचायत के पंचायत सचिव, बीपीआरओ संदीप टेटे, सभी बीएलओ, निर्वाचन आयोग के ऑपरेटर पुरुषोतम कुमार, उपस्थित थे।

हाइवा व बस की टक्कर में तीन बच्चे समेत पांच की मौत, कई घायल

बस व हाइवा ट्रक के चालक की मौत

नवीन मेल संवाददाता

कुडू/लोहरदगा। रांची के बोडया से बारातियों को लेकर घाघरा के बनारी लौट रही महालक्ष्मी नामक यात्री बस की कुडू लोहारदगा मुख्य पथ एनएच 43 ए कुडू थाना क्षेत्र के टाटी मोड़ के पास शुक्रवार की रात लगभग 8:30 बजे हाइवा से हुई आमने सामने की हुई सीधी भिड़ंत में 6 माह के बच्चे सहित कुल तीन अन्य बच्चो की मौत हो गयी जबकी बस के चालक सतपाल उरांव और हाइवा के चालक मो इलताफ की रिम्स में इलाज के दौरान मौत हो गयी। वहीं बस में सवार दर्जन भर से ज्यादा यात्री और हाइवा का चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि इस हादसे में बस के परखच्चे उड़ गए और चीख पुकार मच गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को बस से बाहर निकाला और कूडू अस्पताल भेजवाया। जहां से गंभीर रूप से घायलों को रांची रिम्स रेफर किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार महालक्ष्मी नामक यात्री बस संख्या जेएच 01ईए - 8810 से घाघरा के बनारी से बारात लेकर रांची के कांके थाना क्षेत्र के बोडया गयी थी। तीन दर्जन से अधिक पुरुष, महिलाओं, बच्चों से भरी बस की वहां से लौटने के क्रम में टाटी मोड़ के समीप विपरीत दिशा से आरहे हाइवा जेएच 01 एफए - 2496 से सीधी भिड़ंत हो गयी जिससे यह हादसा हुआ। घटना में मृत बच्चों में बिसनपुर थाना क्षेत्र के घाघरा निवासी फुलसुरा 6 माह पिता घुरामन उरांव, सुमित खेरवार 6 वर्ष पिता घुरामन खेरवार और प्रियांशू कुजूर 5 वर्ष पिता ललित कुजूर है। वहीं घायलों में कलसमुनि पति बरिया उरांव, सुनील उरांव पिता जगदीश उरांव, हिरामन उरांव पिता स्व फगुवा उरांव, विनोद उरांव पिता रोपना उरांव, छत्रपाल पिता धर्मदेव उरांव, बरिया देवी पति बन्धु उरांव सभी बिसनपुर थाना क्षेत्र के बनालात के रहने वाले हैं। जबकी बिसनपुर के हरिया गांव निवासी झारखंड पुलिस का होमगार्ड संख्या जेएच 16109 बलराम उरांव शामिल हैं।

ऐतिहासिक पर्यटक स्थल का पीडीजे ने किया भ्रमण, शिवलिंग का पूजा अर्चना कर मांगी मन्नत

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा/लोहरदगा। प्रखंड क्षेत्र के मनमोहक वादियों का शनिवार को जिला के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश राजेन्द्र बहादुर पाल, एसडीजेएम राज कल्याण, डालसा सचिव राजेश कुमार, कुटुम न्यायधीश सुभाष कुमार, सीजेएम डॉक्टर चन्दन कुमार, सीनियर डिवीजन अर्चना कुमारी, डायट सूचित तिग्गा, सपरिवार के साथ भ्रमण कर ग्रामीण क्षेत्र के मनमोहक वादियों का दीदार किया। इसके अलावे 12 सौ फीट ऊपर पहाड़ी के गुफा में स्थित शिविलिंग का दर्शन कर सभी लोगों ने परिवार संग पूजा अर्चना किया। विदित हो कि पहाड़ी क्षेत्र के हसीन वादियां आकर्षित आम खास सभी पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। भ्रमण के दौरान आपसी बातचीत में पीडीजे राजेन्द्र बहादुर पाल ने कहा कि जिला के मनोरम स्थल में यह पहला स्थान है। जो अपनी ओर पर्यटकों को आकर्षित कर रही है। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि इसकी जानकारी अखबार के माध्यम से हमलोगों को पता चला तभी से इस वादियों का दीदार के लिए मन बना हुआ था। यह आकर्षित वादियों का ऐतिहासिक रूप दिया गया है। जहां प्राचीन काल से भगवान महादेव शंकर स्थापित है। जिसकी जानकारी ग्रामीणों द्वारा दिया जाता है। इस स्थान पर बाबा का समाधि भी बना हुआ है। जो भगवान शिव की पूजा में अपना तनमन न्यौच्छावर कर दिए थे। उनकी गथाएं पूर्वजो से प्राप्त हुआ और पूर्वजो के बताए मार्ग पर चल कर आज ग्रामीणों द्वारा पूजा अर्चना किया जाने लगा उसके बाद धीरे धीरे यह पर्यटक स्थल के रूप में जाना जाने लगा है। जहां दूर दूर से भक्तजन श्रद्धा भाव से शिविलिंग का पूजा करने व वादियों का दीदार के लिए लोग पहुंचते है। इस अवसर पर प्रशिक्षु डीएसपी अमित कुमार सिंह, पुलिस बल के अलावे त्रिलोकी सिंह, गोपाल ठाकुर सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

आजसू पार्टी का होली मिलन समारोह का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। आजसू पार्टी के द्वारा शनिवार को आजसू प्रधान कार्यालय ब्लॉक मोड़ में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस मौके पर ढोल मंजीरा और वाद्य यंत्रों के द्वारा होली की गीतों पर लोग झुमते नजर आए। कार्यक्रम की शुरूआत कार्यकर्ताओं को अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं देकर किया गया। मौके पर आजसू नेत्री नीरू शांति भगत ने आजसू कार्यकर्ताओं को होली कि बधाई व शुभकामनाएं दी। महिला नेत्री को अबीर गुलाल लगाकर बधाई दी। उन्होंने कहा कि रंगों का त्योहार होली असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। कहा कि त्योहार में लोग अपने अंदर की छिपी बुराइयों को दूर करते हैं। उन्होंने आगामी लोहरदगा लोक सभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को चुनाव में कमर कस कर तैयार रहने को कहा है। कार्यकर्ताओं ने रंग - गुलाल लगाकर नीरू शांति भगत को होली की बधाई दी। होली मिलन समारोह में लोहरदगा जिला के सभी प्रखंड अध्यक्ष, सचिव, जिला एवं केंद्रीय सभी पदाधिकारी गण, केंद्रीय बुद्धिजीवी मंच के लोग समेत नगर एवं वार्ड के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

होली को लेकर जिलास्तरीय शांति समिति की हुई बैठक

सौहार्द्रपूर्ण तरीके से मनायें होली का त्योहार : डीसी

शांतिपूर्ण ढंग से होली मनाने का निर्णय

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। होली-2024 को लेकर उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में शनिवार को जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक जिला परिषद स्थित सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में प्रखण्डों से आये शांति समिति के सदस्यों की ओर से प्रखण्डों में आयोजित शांति समिति की बैठक और अपने-अपने क्षेत्र में होली के अवसर पर आयोजित होनेवाले कार्यक्रमों की जानकारी दी गई।

उपायुक्त डॉ. वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने कहा कि आप सभी होली का त्योहार सौहार्द्रपूर्ण तरीके से मनायें। अगर बच्चे व युवा किसी पर रंग फेंक देते हैं तो उन्हें एक अभिभावक की तरह समझायें। किसी प्रकार का लड़ाई-झगड़ा की स्थिति उत्पन्न नहीं होने दें। निर्वाचन की घोषणा के उपरांत आदर्श आचार संहिता लागू है जिसका पालन किया जाना आवश्यक है। होली का त्योहार सौहार्द्रपूर्ण तरीके से मनाया जा सके इसके लिए दण्डाधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है। बारीकी से असमाजिक तत्वों पर नजर रखी जा रही है। भारत में होली के त्योहार काफी उत्साहपूर्ण तरीके से मनाया जाता है। आप भी अपने-अपने क्षेत्र में होली खेलें और एक दूसरे से सौहार्द्रपूर्ण संबंध को मजबूत करें। उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि भारत देश में विभिन्न धर्मों के लोग आपसी सद्भाव से रहते आये हैं और यही इस देश की खूबसूरती भी है। आप सभी एक दूसरे के साथ मिलजुल कर रहें और त्यौहार मनायें। बैठक में प्रशिक्षु आईपीएस वेदांत शंकर, अपर समाहर्ता जीतेंद्र मुण्डा, आईटीडीए परियोजना निदेशक, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी श्रद्धा केरकेट्टा, सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, सभी थाना प्रभारी, शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे।

होली में धर्म की मूल भावना का ख्याल रखा जाना चाहिए : एसपी

पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां ने कहा कि होली में धर्म की मूल भावना का ख्याल रखा जाना चाहिए। किसी को भी आहत ना करें। भारत देश में होली काफी उत्साह तरीके से मनाया जाता रहा है। इस देश में आनेवाले यात्रियों व शासन करनेवालों ने होली के त्योहार की अपने-अपने तरीके से व्याख्या की है। आप जब भी होली खेलें तो आर्गेनिक रंगों का इस्तेमाल करें। रसायनिक रंग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। आर्गेनिक रंगों के इस्तेमाल से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है। पुलिस प्रशासन और उत्पाद विभाग के द्वारा लगातार अवैध तरीके से शराब बनाने वालों के विरूद्ध छापेमारी कर कार्रवाई की जा रही है। जिला में त्योहार व निर्वाचन के लिए पर्याप्त पुलिस बल की उपलब्धता है।

भंडरा मुखिया संघ ने होली मिलन समारोह का किया आयोजन

भंडरा। मुखिया संघ के तत्वावधान में शनिवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। प्रखंड के सभी मुखिया ने एक- दूसरे को अबीर लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। प्रखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष परमेश्वर महली की अध्यक्षता में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर मुखिया संघ के अध्यक्ष परमेश्वर महली ने कहा कि होली मिलन समारोह का मुख्य उद्देश्य सामाजिक समरसता एक जुटता और समाज में अपनापन का भाव पैदा करना था। प्रखंड क्षेत्र के पंचायतों में इस वर्ष होली के दिन लोग शांति और सौहार्द पूर्ण वातावरण में होली का आनंद लें। इस पर विशेष रूप से ध्यान देने की जरूरत है। जिससे होली की स्वस्थ्य परंपरा को आगे बढ़ाया जा सके। लोग घरों से खेलने के लिए निर्भीक होकर निकलें और एक दूसरे को रंग गुलाल लगाएं। इस मौके पर परमेश्वर महली, कइली उरांव,धनेश्वरी उरांव, टेले उरांव,सुमित उरांव,बबलू उरांव,दिलीप साहू,पंकज मिश्रा,बासुदेव उरांव सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

होली पर्व को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न

आदर्श आचार संहिता का पालन करते हुए मनायें होली : डीसी

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी एवं जिला पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में आगामी होली पर्व को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में उपायुक्त द्वारा शांति समिति के सदस्यों से जिले के मुख्य समस्याओं की जानकारी ली गई। जिसमें सदस्यों ने होली के त्योहार के दिन बिजली एवं स्वच्छ पानी की उपलब्धता पर विशेष ध्यान रखने के लिए आग्रह किया। वहीं सदस्यों ने नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत खुले नाली की समस्या से भी उपायुक्त को अवगत कराया। सदस्यों द्वारा खुले एवं अधीक नीचे झूल रहे बिजली के तारों को सुरक्षा के दृष्टिकोण से ठीक करने, साफ सफाई पर ध्यान देने आदि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर उपायुक्त का ध्यान इंगित किया। सदस्यों द्वारा नशीले पदार्थो / ड्रग्स आदि की अवैध बिक्री की समस्या को भी उपायुक्त के समक्ष रखा एवं इसपर विशेष ध्यान देने की बात कही। सभी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त ने कहा कि उक्त सभी समस्याओं को ध्यान में रखा जाएगा एवं उन्होंने प्रत्येक समस्याओं के निराकरण किए जाने के प्रति सभी को आश्वस्त किया। उपायुक्त ने शांति समिति के सदस्यों से एकता एवं आपसी सहयोग से आगामी त्योहारों को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन सभी समस्याओं के निराकरण एवं आम नागरिकों के सहयोग के प्रति कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछले त्योहारों में भी शांति समिति के सदस्यों के सहयोग एवं बेहतर ताल मेल ने राज्य स्तर पर नाम किया इस बार भी सभी सदस्यों से यही अपेक्षा रहेगी। उन्होंने नगर क्षेत्र के समस्याओं जैसे पानी, बिजली, साफ सफाई को लेकर नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी को विशेष दिशा निर्देश दिए। उपायुक्त ने अवैध रूप से शराब एवं अन्य ड्रग्स की बिक्री को लेकर संबंधित अधिकारियों को कड़ाई बरतने एवं विशेष तंत्र का उपयोग करते हुए औचक छापामारी करने हेतु निर्देशित किया साथ ही उन्होंने सभी से अपील कि की यदि अवैध रूप से ड्रग्स/गांजा/ नशीले पदार्थों के बिक्री करने आदि से संबंधित यदि किसी को भी कोई भी जानकारी मिले तो वे भयमुक्त होकर पुलिस प्रशासन को इसकी जानकारी दे सकते हैं। ट्रैफिक को लेकर कहा कि जल्द ही ट्रैफिक से संबंधित समस्याओं का भी निवारण किया जाएगा जिसपर कार्रवाई की जा रही है।

जय श्री राम समिति ने रक्तदान किया

लोहरदगा। जय श्रीराम समिति ने शनिवार को सदर अस्पताल में इलाजरत मरीज को ब्लड देकर इलाज में मदद की। मिली जानकारी के अनुसार कुम्हरिया भंडरा निवासी शंकर उरांव की पत्नी कल्याणी कुमारी प्रसव पीड़ा से जूझ रही थी। जिसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टर ने ऑपरेशन करने को कहा व खून की कमी बताई। परिवार के लोग काफी परेशान जय श्री राम समिति से संपर्क किया। समिति के पदाधिकारी दयाशंकर सिंह ने एक यूनिट ब्लड देकर पीड़ित की जान बचाई।

शपथ पत्र

मैं संदीप कुमार तिवारी, पिता-मोहन तिवारी, ग्राम+पो.- बारालोटा, थाना- मेदिनीनगर, जिला-पलामू, झारखंड का निवासी हूं। मैं यह घोषणा करता हूं कि रौशन तिवारी मेरा पुत्र है जिसका आधार कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र में जन्मतिथि 02/02/2013 है। जबकि उसके विद्यालय (संत जेवियर स्कूल) के पुस्तिका पंजी में भूलवश जन्म तिथि 02/02/2012 ई. दर्ज है, जो कि गलत है। रौशन तिवारी का सही जन्म तिथि 02/02/2013 है।

शपथ पत्र संख्या : 49/8411/ दिनांक : 23/03/2024

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गढ़वा
(जिला सामान्य शाखा)

–: आदेश :–

लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त तरीके से सम्पन्न कराने हेतु जिला स्क्रीनिंग समिति की बैठक में लिये गए निर्णय के आलोक में शस्त्र नियमावली 1962 के नियम 63 एवं शस्त्र अनुज्ञप्ति की शर्त्त संख्या–9 एवं 14 के अंतर्गत गढ़वा जिले के सभी शस्त्रों को जमा किया जाना है। सभी अनुज्ञप्तिधारी दिनांक 27.03.2024 से 02.04.2024 तक निश्चित रूप से अपने शस्त्रों को संबंधित थाना में जमा करना सुनिश्चित करेंगे। उक्त निर्धारित तिथि तक शस्त्र जमा नहीं करने वाले अनुज्ञप्तिधारियों के अनुज्ञप्ति को शस्त्र नियमावली के सुसंगत धाराओं के तहत् अनुज्ञप्ति निलंबन/रद्द की कार्रवाई की जायेगी।

संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी अपने–अपने थाना/ओ0पी0 के सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों को अपने स्तर से भी सूचित करते हुए सभी शस्त्रों को जमा कराना सुनिश्चित करेंगे।

इसे अतिआवश्यक समझा जाय।

उपायुक्त–सह–
जिला दण्डाधिकारी, गढ़वा

PR 323341 (District)23-24*D

मथुरा के लठ मार होली की तरह लोहरदगा में प्रसिद्ध है बरही का ढेला मार होली

सेन्हा के बरही में लोग रंगों से नहीं बल्कि ढेला मारकर खेलते हैं होली

राहुल कौशल

लोहरदगा। सेन्हा प्रखंड के बरही चटकपुर गांव में ढेला मार होली पूरे जिले ही नही वरण सम्पूर्ण राज्य भर में प्रसिद्ध है। बुद्धिजीवियों का कहना है कि साल संवत काटने के दूसरे दिन लोग धर्म के प्रति आस्था के साथ खुटा उखाड़ने जाते हैं। इस समय लोगों के द्वारा खूंटा उखाड़ने वाले को ढेला से मारा जाता है। जिसे दूसरे शब्द में कहा जाए तो असत्य पर सत्य का विजय हो ऐसा लोगों का मानना है। जिसे देखने के लिए जिले के अलावा विभिन्नि क्षेत्रों से ग्रामीण पहुंचते हैं। चौकाने की बात यह है कि इस ढेला मार होली में मुस्लिम समुदाय के लोग भी खुटा उखाड़ने के लिये दौड़ते है। ज्ञात हो की जिस तरह मथुरा में लठ मार होली प्रसिद्ध है। राजस्थान के कुछ क्षेत्रों में पत्थर मार होली प्रसिद्ध है उसी तरह लोहरदगा जिला के सेन्हा प्रखण्ड स्थित बरही चटकपुर में ढेला मार होली प्रसिद्ध है। गांव के बुजुर्गों का मानना है कि ढेला मार होली को दूसरे गांव से आए लोग देख सकते है पर इस खेल में हिस्सा नहीं ले सकते है। अगर इस परंपरा में शामिल होते हैं तो उनके साथ अप्रिय घटना होती है। यहां सभी मिलकर भाईचारे के साथ ढेला मार होली को मनाते है। यहां ढेला मार होली खेली जाती है। गांव के लोग वर्षों से इस परंपरा को निभाते आ रहे हैं। इसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। इस वर्ष भी परंपरा का निवर्हन किया गया। यहां परंपरागत रूप से ढेला मार (पत्थर फेंककर) होली का आयोजन किया जाता है। लोग परंपरा निर्वहन करते हुए होली का आनंद लेते हैं। मान्यता है कि पत्थर से लोगों को चोट नहीं लगती। जो पत्थर मारने के बावजूद बिना डरे खंभे को उखाड़ कर देवी मण्डप के पीछे फेंकता है। उसे सुख शांति और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। लोगों के मुताबिक इस परंपरा को निभाने और प्रतियोगिता में शामिल होने को लेकर लोगों में उत्सुकता नजर आते है। हजारो की संख्या में लोग ढेला मार होली में भाग लेते हैं। इसे देखने को लेकर लोग दूर-दूर से आते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार पूर्वजों के समय से यहां ढेला मार होली खेली जाती है। यहां की होली पूरे राज्य में प्रसिद्ध है। ढेला मार होली सभी समुदाय के लोग मानते हैं।

दूसरे गांव के लोग नही हो सकते शामिल

गांव के बुजुर्गों का मानना है कि ढेला मार होली में दूसरे गांव से आए लोग देख सकते हैं। इसमें हिस्सा नहीं ले सकते हैं। अगर ढेला मार होली में दूसरे गांव के लोग शामिल होते हैं तो उनके साथ अप्रिय घटना घट जाती है। इस गांव के दोनों समुदाय के लोगों के ढेला मार होली में शामिल होने पर उनके साथ किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं होती है।

नये दामाद को करते हैं सम्मानित

प्रत्येक वर्ष की भांति इस साल भी ढेला मार होली को और बेहतर तरीके से मनाने के लिए बरही चटकपुर गांव के युवाओं में जोश है, जिसमे नए दामादो का भी स्वागत ढोल नगाड़ों के साथ अंग वस्त्र एवं पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया जाता है। इसके साथ ही पाहन पुजार महतो एवं मुश्लिम समाज के दामादो को भी सम्मानित किया जाता है।

समाहरणालय गढ़वा (जिला आपूर्ति शाखा)

पत्रांक 406/आ0, दिनांक 22.03.2024

निविदा स्थगन सूचना का प्रकाशन

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्रांक 371 दिनांक 14.03.2024 द्वारा मुख्यमंत्री दाल–भात योजना अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए आपूर्तिकर्ता के चयन के निमित दैनिक समाचार पत्र में निविदा आमंत्रण प्रकाशित कराई गई थी, जिसका PR NO. 322690 था, को अपरिहार्य कारणवश अगले आदेश तक स्थगित किया जाता है।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी,
गढ़वा।

PR 323340 Food Public Distribution and Consumer Affairs(23-24)D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, पलामू

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

महिला शहर थाना काण्ड सं0–07/2023, दिनांक– 02.02.2023, धारा–346/506/34 भा0द0वि0 एवं 3/4 दहेज प्रथा प्रतिशेध अधिनियम के प्रा0अभि0 अभियुक्त नयन सिह, पिता राजेन्द्र सिंह, सा0 एकता, थाना लेस्लीगंज, जिला पलामू के संबंध में सूचना/जानकारी प्राप्त होने पर पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में सूचित करें अथवा निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर मेदिनीनगर :– 9431706240

थाना प्रभारी, शहर महिला मेदिनीनगर :– 8210433797

पुलिस अधीक्षक
पलामू

PR 323337 Police (23-24)_D

सुदृढ़ प्रजातंत्र हेतु वृहत्तर सहभागिता"
समाहरणालय, लातेहार (निर्वाचन शाखा)

आम–सूचना

आप अवगत हैं कि 18वीं लोकसभा आम चुनाव के निमित दिनांक 16.03.2024 को भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा घोषणा किया जा चुका है। निर्वाचन की शुचिता सुनिश्चित करने/पारदर्शी एवं स्वच्छ चुनाव सम्पन्न कराने के लिए भारत निर्वाचन आयोग/मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग, झारखण्ड/जिला प्रशासन, लातेहार संकल्पबद्ध है। इस क्रम में लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन तथा कमजोर वर्ग के मतदाताओं को किसी बाहुबली के स्तर से डराना–धमकाना, मतदाताओं को बहकाने के उद्देश्य से अवैध पैसा/शराब बांटना, निजी स्वामित्व वाले जगहों पर स्वामित्वकर्त्ता के बिना आदेश के पोस्टर/बैनर इत्यादि चिपकाना आदि मामलों पर अब भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घर बैठे शिकायत दर्ज कराने की सुविधा प्रदान किया गया है।

इस संदर्भ में भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा ऑन–लाईन शिकायत दर्ज करने हेतु C-VIGIL Android Mobile App पर निम्नप्रकार चरणवार कार्रवाई की जा सकती है :–

1. Play Store से C-VIGIL Mobile App को डाउनलोड करें।
2. अपना मोबाईल नं0 अंकित कर लॉग ईन करें।
3. संदर्भित शिकायत का फोटोग्राफ/विडियोग्राफ खींचकर अपलोड करें।

अतएव लातेहार जिला के सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं आम नागरिकों से अपील है कि निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराने के निमित अपेक्षित सहयोग प्रदान किया जाय एवं आवश्यकतानुसार उक्त दोनों मोबाईल ऐप यथा C-VIGIL & KYC का सदुपयोग किया जाय। साथ ही इसका अपने स्तर से भी व्यापक प्रचार–प्रसार कराना चाहेंगे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी
–सह–उपायुक्त, लातेहार।

PR.NO.323334 Election(23-24):D

लोकसभा चुनाव और गांडेय विधानसभा उप चुनाव को लेकर हुई अहम बैठक

सेक्टर पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों का निर्वाचन कार्य में अहम रोल

नवीन मेल संवाददाता। गिरिडीह

गिरिडीह। आम निर्वाचन एवं 31 गांडेय विधानसभा उप चुनाव 2024 के निमित्त एएमएफ क्रिटिकल/नॉन क्रिटिकल वलनेरेबिलीटि मैपिंग को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान संपन्न कराने में सेक्टर एवं पुलिस पदाधिकारियों का अहम रोल है। उन्होंने सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों को उनके दायित्वों/कार्यों से अवगत कराया। समन्वय के साथ दायित्वों/कार्यों का निष्पादन करने को कहा। उन्होंने कहा कि सेक्टर पदाधिकारी/पुलिस पदाधिकारी संयुक्त रूप से अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत मतदान

केंद्रों का भौतिक निरीक्षण करेंगे।

मतदान केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं का आंकलन करेंगे, केंद्र में एश्योर्ड आफ मिनिमम फैसिलिटी (एएमएफ) का प्रतिवेदन संधारित करेंगे। इस दौरान वनरेबल मतदान केंद्रों को भी चिन्हित कर वीएम टू - थ्री से संबंधित प्रतिवेदन तैयार करने एवं संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी सह सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी को समर्पित करेंगे। इसके अलावा जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा मतदान केन्द्रों पर निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मापदंडों के तहत किये जा रहे कार्यों की अद्यतन स्थिति की सूक्ष्मता से जानकारी ली गई। साथ ही मतदान केन्द्रों पर दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने का निदेश दिया।

इसके साथ ही उपायुक्त ने क्रिटिकल और वर्नरबल बूथों के चिन्हितीकरण कार्य पर गति लाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने बूथों के चिन्हांकन के तय मानको के आधार पर कार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही बूथों पर एएमएफ के बुनियादी सुविधाओं यथा बिजली, पानी, शौचालय, रैंप की सुविधा को सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में उपरोक्त के आलावा पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, सभी कोषांग के नोडल पदाधिकारी, सभी जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारी, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, गिरिडीह जिला, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी समेत निर्वाचन विभाग के अधिकारी/कर्मी उपस्थित थे।

गिरिडीह पुलिस ने दो साइबर अपराधियों को दबोचने में पाई सफलता

गिरिडीह। साइबर अपराधियों के खिलाफ लगातार गिरिडीह पुलिस द्वारा कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में शनिवार को गिरिडीह पुलिस ने दो साइबर अपराधियों को दबोचने में सफलता प्राप्त की है। एसपी दीपक कुमार शर्मा को प्रतिबिम्ब पोर्टल के माध्यम से बेंगाबाद एवं सरिया थाना क्षेत्र में कुछ साइबर अपराधी आम लोगों से ठगी करने की सूचना मिली थी। जिसके बाद साइबर डीएसपी आबिद खान के नेतृत्व में छापामारी टीम गठित कर उक्त इलाके में छापेमारी कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अपराधियों में बेंगाबाद थाना क्षेत्र के जुरपनिया का 22 वर्षीय महेन्द्र मंडल व लोकाय नयनपुर ग्राम लोकाय का 19 वर्षीय आशिष मंडल शामिल है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने 3 मोबाइल और 5 सिम बरामद किया है। दोनों साइबर अपराधी पोशन ट्रेकर के माध्यम से गर्भवती महिलाओं के मोबाइल में कॉल कर और सीएससी का लिंक भेजकर मातृत्व का लाभ राशि दिलवाने का झांसा देकर पैसे की ठगी करते थे।

एक नजर

गिरिडीह में खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने प्रतिष्ठानों का किया निरीक्षण

गिरिडीह। होली के त्योहार पर खाद्य पदार्थों में मिलावट की संभावना के मद्देनजर शनिवार को उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा के निर्देश प खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी डॉ पवन कुमार ने गिरिडीह शहरी क्षेत्र के खाद्य प्रतिष्ठानों में जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थों की दुकानों में जांच की गई। साथ ही पनीर, खोया, दूध से बनी मिठाईयों सहित हल्दी पाउडर का नमूना लेकर जांच के लिए लैब भेजा गया। इसके अलावा एफएसएसआई लाइसेंस लेकर खाद्य कारोबार करने, स्वच्छ वातावरण में खाद्य सामग्री की बिक्री करने एवं पैकेज फूड प्रोडक्ट पर उचित लेबल के साथ खाद्य कारोबार करने का निर्देश दिया गया। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने बताया कि विगत दिनों दूध के नमूना में फैट की मात्रा और सालिड नॉट फैट की मात्रा कम पाए जाने पर दो खाद्य कारोबारियों पर और लड्डू में औद्योगिक रंग पाए जाने पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के कोर्ट में मुकदमा दर्ज कराया गया है। यह अभियान होली तक जारी रहेगा और खाद्य नमूनों के फेल होने पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड मैथिली मंच का होली मिलन समारोह आयोजित

रांची। झारखंड मैथिली मंच के विद्यापति दलान में होली मिलन समारोह का आयोजन शनिवार को किया गया। होली मिलन समारोह मैथिली परंपरा के अनुसार मनाया गया, जिसमें जोगीरा से लेकर भगवान राम सीता के विवाह से संबंधित एवं शिव विवाह से संबंधित होली का गीत गायन किया गया। राजधानी में बसने वाले भारी संख्या में मैथिली प्रेमियों की इसमें सहभागिता रही। कार्यक्रम में रांची के सांसद संजय सेठ एवं हटिया के विधायक नवीन जायसवाल के अलावा रांची भारतीय जनता पार्टी महानगर अध्यक्ष वरुण साहू के साथ-साथ मैथिली मंच के अध्यक्ष विनय कुमार झा शमिल रहे।

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि के पिठोरिया केंद्र में होली मिलन का आयोजन

रांची। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्विद्यालय कांके पिठोरिया में शनिवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्था से जुड़े सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर सभी भाई बहनों ने अपने अंदर छिपी बुराइयों की होलिका जलाने का दृढ़ संकल्प लिया और परमात्मा संग ज्ञान के रंग की होली खेली। इस अवसर पर बीके राजमती ने कहा कि होली का त्योहार उमंग उत्साह तथा स्नेह मिलन के पवित्र उत्सव भी मनाया गया। साथ ही साथ फूलो की होली भी खेली गई। इस अवसर पर पिठोरिया पंचायत की मुखिया मुन्नी मुंडा, आशुतोष द्विवेदी, सुशीला देवी, किरण देवी, अरविंद कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे।

बिरसानगर में गैस सिलेंडर फटा, 20 लाख का नुकसान

जमशेदपुर। जमशेदपुर के बिरसानगर थाना से महज 50 मीटर की दूरी पर स्थित एक वाशिंग सेंटर के पास संदीप कुमार के घर पर शनिवार दोपहर अचानक एक गैस सिलेंडर में आग लग गई। आग धीरे-धीरे भयावह होती गई। जब तक संदीप कुछ समझ पाते तब तक गैस सिलेंडर धमाके के साथ ब्लास्ट हो गया। संदीप ने इसकी सूचना पुलिस और झारखंड अग्निशमन विभाग को दी। इधर, सूचना पाकर एक दमकल मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पाने के प्रयास में जुट गया। आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, पर तब तक घर का सारा सामान जलकर खाक हो गया। संदीप ने बताया कि सुबह 11 बजे उसके घर सिलेंडर डिलीवर हुआ। उन्होंने नया सिलेंडर लगाकर चालू ही किया था कि सिलेंडर में लीकेज की वजह से आग लग गई। उन्होंने आग पर काबू पाने का प्रयास किया पर आग धीरे-धीरे बढ़ती गई। सिलेंडर को कमरे में बंद कर अग्निशमन विभाग को सूचित किया।

बालू उठाव को लेकर शुरू हुआ केस-मुकदमा और आंदोलन का दौर

चांडिल। चांडिल अनुमंडल क्षेत्र बालू के अवैध कारोबार को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहा है। वरीय पदाधिकारियों की जांच में ईचागढ़ में एक साथ तीन दर्जन से अधिक बालू लदे वाहन जब्त किए जा चुके हैं, तो छापामारी के दौरान दस लाख सीएफटी से अधिक बालू का डंप भी जब्त किया जा चुका है। अब क्षेत्र में बालू खनन और परिवहन मामले में केस-मुकदमा और आंदोलन का दौर शुरू हो गया है। ताजा मामला तिरुलडीह थाना क्षेत्र का है। इसके बावजूद बालू का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। निगरानी परिषद के अनुसार तिरुलडीह और ईचागढ़ थाना क्षेत्र से प्रतिदिन सैकड़ों हाइवा बालू का परिवहन किया जाता हैइसका विरोध किए जाने के कारण थाना में झूठा मामला दर्ज कराया जा रहा है। परिषद के सदस्य इस मामले को लेकर चरणबद्ध आंदोलन करने की रणनीति बना रहे हैं। जिला लोक जन प्रतिनिधि निगरानी परिषद् की टीम शनिवार को तिरुलडीह थाना पहुंची।

चिमनी ईंट भट्ठे के मालिक पर मजदूर को कमरे में बंद कर मारपीट करने का आरोप

मामला तिसरी प्रखंड के खोरो का

नवीन मेल संवाददाता। गिरिडीह

तिसरी थाना क्षेत्र के खोरो में संचालित चिमनी ईंट भट्ठे में मालिक द्वारा मजदूर को कमरे में बंद कर मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। मामले में बिहार के सासाराम निवासी मजदूर राजकुमार चौहान ने चिमनी ईंट भट्ठा संचालक चंदौरी निवासी मनोज साव पिता ठाकुर साव पर आरोप लगाते हुए मजदूर संटु राम, रोहित चौहान, ध्रुव चौहान, रजवन्ति देवी, अमभी देवी, विरजमा देवी आदि मजदूर बच्चों समेत तिसरी थाने पहुंचे, जहाँ उन्होंने आवेदन देते हुए पुलिस ने न्याय की गुहार लगाई है। बताया जाता है कि मजदूर राजकुमार चौहान अपनी पत्नी व अन्य लोगों के साथ चिमनी ईंट भट्ठे में काम करता है। इसी बीच उसकी तबियत खराब हो गई थी जिसके बावजूद भट्ठा संचालक द्वारा जबरदस्ती कार्य करने का दबाव बनाया जा रहा था। कार्य करने से मना करने पर भट्ठे स्थिति एक कमरे में उसे बंद कर उसके साथ गाली-गलौज व मारपीट की गई। जबकि बीच बचाव के लिए आई उसकी पत्नी रजवन्ति देवी के साथ भी मारपीट करने का आरोप लगाया है। मजदूर राजकुमार चौहान ने आवेदन में लिखा है कि विनोद नामक बिचौलिये द्वारा उन्हें, उनके परिवार समेत कई लोगों को यहां मजदूरी के लिए लाया गया था, अबतक उनकी मजदूरी का पुरा भुगतान भी नहीं किया गया है।

चिल्ड्रेंस फाउंडेशन के जिला समन्वयक ने भी स्थानीय प्रशासन से कार्रवाई की मांग की

वहीं मजदूरों के शोषण और चाइल्ड लेबर के मामले में कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन के जिला समन्वयक सुरेंद्र पंडित ने भी उक्त मजदूरों और बच्चों से बातचीत की। बच्चों ने बताया कि ईंट भट्ठे में उनसे भी मजदूरी करवाई जाती है। बातचीत के दौरान मजदूरों ने ईंट भट्ठे में उनके साथ हो रहा है शोषण की बात कही। जिसपर जिला समन्वयक सुरेन्द्र पंडित ने कहा कि मजदूरों और बच्चों के साथ हो रहे इस प्रकार के शोषण को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। तिसरी पुलिस और प्रखंड विकास पदाधिकारी मामले को संज्ञान लेते हुए कानूनी कार्यवाही करने की दरकार है।

चिमनी ईंट भट्ठे में बच्चों से भी कार्य करवाने का लगाया आरोप

इन सब के अलावे इस ईंट भट्ठे में काम कर रहे मजदूरों के बच्चों से भी काम करवाने की भी बात सामने आ रही है। इसको लेकर बच्चों के अभिभावकों ने ही भट्ठा संचालक पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उनके बच्चों से भी ईंट भट्ठे में काम करवाया जाता है। साथ ही कहा कि इसके पूर्व में ही एक मजदूर के साथ भट्ठा संचालक द्वारा मारपीट किया जा चूका है, मजदूरों के साथ हमेशा गाली - गलौज की जाती है। वहीं आरोपी मनोज साव के भाई प्रदीप साव पर भी मजदूर अमभी देवी को मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

डीआईजी, आईजी और एसपी ने किया थानों का निरीक्षण, दिए कई दिशा निर्देश

मोटरसाइकिल पर सवार होकर पारसनाथ पर्वत पर बने सीआरपीएफ कैंप का भी किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता। गिरिडीह

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस प्रशासन पूरी तैयारी में जुट गया है। इसी क्रम में शनिवार को जैनियों के विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पारसनाथ पर्वत समेत पीरटांड़ थाना, मधुबन थाना, खुखरा थाना एवं सीआरपीएफ 154 बटालियन के कैंप का निरीक्षण डीआईजी सुनील भास्कर, आईजी माइकल राज, गिरिडीह एसपी दीपक कुमार शर्मा एवं अन्य वरीय अधिकारियों द्वारा किया गया।

चुनाव को देखते हुए एरिया डोमिनेशन करने आए सभी पदाधिकारीयों द्वारा प्रखंड क्षेत्र के सभी थाना एवं सीआरपीएफ कैंप का दौरा किया गया। सभी वरीय अधिकारी मोटरसाइकिल के जरिए पारसनाथ पर्वत पर बने सीआरपीएफ कैंप का निरीक्षण किया। डीआईजी द्वारा वरीय अधिकारियों के साथ मिलकर पारसनाथ पर्वत पर सीआरपीएफ कैम्प में आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए चुनाव की तैयारियों की समीक्षा किए एवं मौके पर उपस्थित जवानों और अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया। इस अवसर पर डीआईजी,आईजी एवं एसपी ने सबसे पहले जवानों से मुलाकात की और जवानों का हालचाल जाना।

बगोदर पुलिस ने 50 हजार रुपये का गांजा किया जब्त

नवीन मेल संवाददाता। गिरिडीह

बगोदर थाना पुलिस ने एसडीपीओ धनंजय राम के नेतृत्व में गुप्त सूचना के आधार पर बगोदर रांची रोड स्थित हरिहर धाम के समीप जेनरल स्टोर के दुकान में छापेमारी कर करीब 50 हजार मूल्य का गांजा जब्त किया गया है। साथ ही चिलम और सिगरेट के स्टॉक को भी जब्त किया गया। इस दौरान एसडीपीओ धनंजय राम के निर्देश पर बगोदर थाना पुलिस ने जेनरल स्टोर के दुकानदार रेवत लाल राणा और अमरजीत कुमार को दबोचने में सफल रहे। गिरफ्तार दोनो

आरोपी बगोदर थाना क्षेत्र के मंझलाडीह गांव के रहने वाले हैं। पूछताछ के दौरान दोनो दुकानदारों ने बताया कि उन्हे गांजे की आपूर्ति तब किया जाता था, जब उनके दुकान में पुराना स्टॉक निकल जाता था।

गिरिडीह के उपायुक्त ने कहा, आपसी सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाएं होली का त्योहार

डीसी की अध्यक्षता में होली में विधि व्यवस्था को लेकर बैठक आयोजित

उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

नवीन मेल संवाददाता। गिरिडीह

होली पर्व के दौरान विधि व्यवस्था संधारण को लेकर आज समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, श्री नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारियों/पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने जिला, प्रखंड व पंचायत स्तर पर विधि व्यवस्था संधारण के साथ आपसी सौहार्दपूर्ण माहौल में होली त्यौहार को लेकर संबंधित अधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ अपने-अपने क्षेत्रों में एक्टिव रहने का निर्देश दिया। साथ ही प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों,

पुलिस पदाधिकारियों को उपायुक्त ने सख्त निर्देशित किया है कि अपने कर्तव्यों के निर्वहन में कोताही बरतने वाले पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावे बैठक के दौरान उपायुक्त ने होली त्योहार को लेकर सभी संबंधित विभाग जैसे पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य, फायर सेफ्टी, नगर निगम को एक्टिव रहने का निर्देश दिया। साथ ही जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्र में विधि व्यवस्था को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी को एक्टिव रखें, ताकि होली का त्योहार शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण तरीके से लोग मना सके और किसी भी प्रकार का व्यवधान ना हो पाए। आगे उपायुक्त ने कहा कि होली पर्व को सभी उत्साह के साथ मनायें। साथ ही उपायुक्त ने बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, थाना प्रभारी को निदेशित किया कि उनके द्वारा अपने-अपने क्षेत्र के संवेदनशील स्थलों की विशेष निगरानी की जाय एवं यह ध्यान रखा जाय कि विधि व्यवस्था संधारण में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। आगे उपायुक्त ने विधि व्यवस्था, यातायात व्यवस्था के अलावा संबंधित अधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में निगरानी के अलावा सुरक्षा व्यवस्था व विधि व्यवस्था को लेकर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों को सख्त निर्देशित किया कि सार्वजनिक स्थानों पर असामाजिक तत्वों द्वारा शराब का सेवन और शराब पीकर तेज गति से वाहन चलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई करे।

होली को लेकर खरीदारी के लिए बाजार में उमड़ी भीड़

चक्रधरपुर। रंगों का त्योहार होली सोमवार को मनाया जाएगा। इसे लेकर चक्रधरपुर बाजार भी सज चुका है। चक्रधरपुर के बाटा रोड, पवन चौक, इतवारी बाजार समेत अन्य स्थानों पर होली को लेकर दुकानें लगायी गई है। जहां खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। शनिवार को बाजार में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से अलावे ग्रामीण क्षेत्र से लोग बाजार में होली की खरीदारी के लिए पहुंचे थे। होली को लेकर लगाये गये दुकानों में बिक्री के लिए रंग, अबीर, गुलाल, तरह-तरह के पिचकारियों के अलावे मुखौटों की भी बिक्री हो रही है। खासकर बच्चों के लिए नए तरीके के पिचकारियां भी बाजार में उपलब्ध है। चक्रधरपुर में होली को लेकर सजे दुकानों में दस रुपये से लेकर पांच सौ रुपये तक के पिचकारी बेचे जा रहे हैं। वहीं कार्टून कैरेकेक्टर वाले मुखौटे बच्चों को खूब लुभा रहे हैं। इस बार बाजार में खासकर हर्बल रंग व गुलाल भी बेचे रहे हैं।

न्यूज बॉक्स

गिरिडीह के बिरनी में होली पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

गिरिडीह। बिरनी थाना परिसर में शनिवार को होली पर्व को लेकर बैठक आयोजित किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी सुनील कुमार, संचालन बिरनी थाना प्रभारी राजीव कुमार ने किया। इस बैठक में बिरनी प्रखंड के विभिन्न पंचायत से जनप्रतिनिधियों ने पहुँचकर अपनी बातो को रखकर अपने क्षेत्र में होली को लेकर विधि व्यवस्था कैसे दुरुस्त रहे, अपनी बातो को रखा। इस अवसर पर आए हुए जनप्रतिनिधियों ने कहा कि बिरनी में होली पर्व में कोई अप्रिय घटना का इतिहास तो नहीं है। लेकिन फिर शांति समिति का बैठक आवश्यक है, यह जरूरी है। बिरनी प्रखंड के कोई भी किसी भी समुदाय का त्यौहार हो किसी भी तरह का अप्रिय घटना नहीं घटेगी। साथ ही साथ समाजसेवी की जिम्मेवारी भी होती है। बताया गया कि शराब पर दो दिनों तक प्रतिबंधित होनी चाहिए। जिसमें प्रमुख रामु बैठा, बीस सूत्री अध्यक्ष इतवारी वर्मा, जिप सदस्य प्रतिनिधि सीताराम पासवान, मध्य भाग जिप सदस्य प्रतिनिधि इकरामुल अंसारी, राजदेव साव, ईश्वर मण्डल, सलीम अंसारी, अली असगर, मुंशी विश्कर्मा, अनवर अन्सारी, विक्रम तर्वे समेत अन्य लोग शामिल हुए। इस अवसर पर बिरनी थाना प्रभारी राजीव कुमार ने कहा कि बिरनी थाना परिसर में शनिवार को होली मिलन समारोह सह शांति समिति का बैठक आयोजित किया है। अभी रमजान के भी महीना चल रहा है। मैं जनप्रतिनिधियों से निवेदन करते हैं कि किसी भी तरह का कही भी शराब बेच रहे हैं तो एक बार उसे समझा दीजिए अगर वे ना माने तो फिर पुलिस है ही। होली पर्व को मिलजुलकर मनाये। पुरानी रंजिश अगर कोई भी है तो अगर होली के दिनों में किसी भी प्रकार का कोई भी घटना हुआ तो फिर उस पर चिन्हित करके कानूनी कार्यवाही किया जाएगा। प्रखंड विकास पदाधिकारी सुनील कुमार ने कहा कि सड़क पर तो रविवार से ही हम और थाना प्रभारी दोनो रहेंगे। अगर कही किसी भी तरह का कमी है वे भी व्हाट्सएप के माध्यम से दे। ताकि उस पर तुरंत कार्यवाही हो सके। आगे भी ये भी बताया कि अगर किसी भी तरह का सड़क पर बिना हेलमेट के कोई भी मोटरसाइकिल पकड़ा गया तो फिर कोई भी किसी भी प्रकार का पैरवी नहीं चलेगी। साथ मे आये हुए अधिकारी पुलिस समेत जनप्रतिनिधियों ने एक दुसरो को रंग गुलाल लगाकर होली की शुभकामना दी।

पश्चिमी सिंहभूम के नोवामुंडी ब्लॉक में ट्रेंच कम बांड तकनीक से लाखों रुपये कमा रहे किसान

नोवामुंडी। पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी ब्लॉक में जेटेया नाम का एक गाँव है। जो जीपी जेटेया के अंतर्गत आता है। जहाँ कृषि आजीविका का प्रमुख स्त्रोत है। इस गांव के एक किसान का नाम है बुधराम तिरिया। उसने वर्ष

2023 में अपनी 2.43 हेक्टेयर भूमि पर ट्रेंच कम बंड (टीसीबी) बनाने पर सहमति व्यक्त की। इस परिवार के पास अधिकांश भूमि बंजर भूमि थी। प्रारंभ में वह इसे अपनाने में अनिच्छुक था। क्योंकि वह इसके लाभों का पता लगाने में असमर्थ थे। बाद में उन्होंने इसे टीएसएफ फील्ड स्टाफ की निगरानी में ले लिया। इसके परिणाम स्वरूप अधिक पानी जमा होता है और अधिक पानी मिट्टी में घुस जाता है और मिट्टी को लंबे समय तक नमी प्रदान करता है और इस प्रकार फसल उत्पादकता बढ़ती है। अपने 2.43 हेक्टेयर टीसीबी क्षेत्र के अलावा, इस किसान के पास लगभग 1 एकड़ कृषि भूमि है। जिसमें उन्होंने लेमन ग्रास के साथ-साथ काली मसूर की खेती की है। टीसीबी के परिणाम स्वरूप मिट्टी में नमी मिलने के कारण पौधों की वानस्पतिक वृद्धि सामान्य से बेहतर हुई. इतना ही नहीं, टीसीबी के गठन के बाद इस वर्ष रबी सीजन की पुलिस लेने में भी वह सफल रहे। पारंपरिक रबी फसलों यानी फूलगोभी, मटर, टमाटर के साथ-साथ उन्होंने पीली, बैंगनी फूलगोभी, ब्रोकोली आदि उगाई थी जो टीएसएफ, नोवामुंडी द्वारा प्रदान की गई थी. परिवार ने लगभग कमाई की है। काली मसूर और लेमन घास से 50,000/- रुपये और रबी सीजन के बाद उन्होंने लगभग 80,000 रुपये कमाए. वह अपने गांव के अन्य किसानों के लिए एक आदर्श बन गए हैं, क्योंकि इस वर्ष उनकी वार्षिक आय लगभग 2 लाख तक पहुंच गई है।

चारों ओर हो रही प्रकृति की पूजा, जीव-जंतुओं की कुशलता की कामना

चांडिल। चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के संथाल आदिवासी बहुल गांवों में इन दिनों बाहा पर्व के उपलक्ष्य पर प्रकृति का पूजन-वंदन किया जा रहा है। गांव-गांव में बाहा बोंगा का आयोजन किया जा रहा है। चारों ओर उल्लास का माहौल है, लोग परंपरागत वेशभूषा में नाचते-गाते नजर आ रहे हैं। इस त्योहार में जाहेर आयो, लिटा गोडेत, मोड़े क और तुरूय क (आराध्य देव व देवी) की पूजा-अर्चना सारजोम बाहा और मातकम गेले यानि साल का फूल और महुआ का फूल से करने की परंपरा है। दरअसल बाहा बोंगा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता जताने का महापर्व है। मानव और प्रकृति के बीच अटूट संबंध का त्योहार है। जब प्रकृति अपना श्रृंगार अनुपम उपहारों से करती हैं, जब चारों ओर रंग-बिरंगे फूल खिलते हैं, जब पेड़-पौधों में नए पत्ते व फल-फूल लगते हैं, तब हर्षोल्लास के साथ बाहा बोंगा मनाया जाता है। बाहा बोंगा के बाद ही संथाल समाज के लोग पेड़ों में लगे नए पत्ते और नया अन्न का उपयोग करते हैं। बाहा पर्व के दौरान बाहा एनेज यानि बाहा नाच के साथ सिंगराय सांस्कृतिक नृत्य किया जाता है। बाहा बोंगा के अवसर पर गांव के नायके बाबा जाहेरथान में अपने आराध्यदेव की पूजा-अर्चना करते हैं। इष्टदेव को सारजोम बाहा और मातकम गेले यानि साल का फूल और महुआ का फूल अर्पित करने के बाद तीन दोना हंड़िया चढ़ाया जाता है। इसके बाद मुर्गी की बलि देकर लोगों के सुख-समृद्धि, रोग मुक्त समाज, पशु-पक्षियों की आबादी बढ़ने, मौसम के समयानुसार आगमन, किसानों के उपज में वृद्धि, आपसी भाईचारा आदि की कामना करते हें। अपनी मनोकामना पूर्ण होने वाले लोग भी पूजा के दौरान मुर्गा-मुर्गी की बलि देते हैं। पूजा-अर्चना के बाद नायके बाबा उपस्थित लोगों को प्रसाद स्वरूप साल का फूल देते हैं। जिसे महिलाएं अपने जुड़े में और पुरुष अपने कान में लगाते हैं.बलि दिए गए मुर्गा व मुर्गी की खिचड़ी प्रसाद बनाया जाता है। इस प्रसाद को समाज के पुरुष वर्ग ही सामूहिक रूप से ग्रहण करते हैं। इसे महिलाएं नहीं ग्रहण करती हैं। पूजा-अर्चना के पूर्व समाज के लोग नायके बाबा के आंगन में एकत्रित होते हैं।

स्वतंत्रता सेनानी

शहीदों को पाठ्यक्रम में स्थान मिले

राकेश दुबे

> **देश में शायद ही कोई होगा जो नहीं जानता कि 1857 के संग्राम में यह देखा-सुना गया कि अंग्रेजों ने 1857 की क्रांति विफल होने के बाद गांवों में, शहरों में असंख्य लोगों को फांसी पर लटकाया।**

कहने को हमारे देश भारत का इतिहास उन वीर बलिदानी भारत के बेटे-बेटियों से भरा है जिन्होंने स्वतंत्रता पाने के लिए देश हित में बलिदान दिया। इसके साथ ही असंख्य ऐसे हैं जिन्हें कभी न इतिहास में स्थान मिला है, न लोक गाथाओं में, और शिक्षा जगत में तो उनको कभी स्थान मिला ही नहीं। देश में शायद ही कोई होगा जो नहीं जानता कि 1857 के संग्राम में यह देखा-सुना गया कि अंग्रेजों ने 1857 की क्रांति विफल होने के बाद गांवों में, शहरों में असंख्य लोगों को फांसी पर लटकाया। यह भी कहा जाता है कि गांवों में जब वृक्षों पर लटकाकर फांसियां दी गईं तो जितनी बड़ी शाखाएं थीं उसके साथ उतने ही व्यक्तियों को फांसी के लिए लटकाया गया। यह तो कल की बात है, 1857 से लेकर दो वर्ष तक यह दमनचक्र चला। अगर देश उसे ही नहीं जानता,तो क्या आशा रखी जा सकती है कि उससे पहले के इतिहास की सही जानकारी कभी स्वतंत्र भारत की सरकारों ने देशवासियों को दी मिलेगी। इसके पश्चात फिर इस सदी की ताजी घटना है कि अंडेमान की जेल, जिसे काला पानी कहते थे, वहां कितने लोग शहीद हुए, कितने बैलों की तरह कोल्हू में जोते गये। कितने लोगों को फांसी देकर बिना किसी अंतिम संस्कार के सागर में फेंक दिया गया। आज तक देश को इन सारे शहीदों की जानकारी नहीं दी गई। ऐसे में शहीदों की चिताओं पर मेले लगने की बात तो बहुत दूर है, बेमानी है। स्वतंत्रता के पश्चात जब हम लोगों ने स्कूल में शिक्षा प्राप्त की, स्कूलों की दीवारों पर, हर कक्षा में शहीदों के चित्र लगाए जाते थे, यद्यपि उनकी संख्या सीमित थी। शहीदों के दिन मनाए जाते थे और पाठ्यक्रम में भी इन ज्ञात-अज्ञात वीरों की कहानियां पढ़ाई जाती थीं। बंग भंग आंदोलन जो 1905 से लेकर 1911 तक चला और फिर कलकत्ता से चलकर दिल्ली राजधानी बनाई गई, उस बंग भंग आंदोलन में खुदीराम, कन्हाई, नरेंद्र जैसे कितने वीर हाथ में गीता लिए अंग्रेज सरकार से जूझते हुए फांसी पर चढ़ गए। उनके संबंध में भी देशवासी अधिक नहीं जानते। बहुत दूर की बात क्या की जाए, अमृतसर से दो बेटे 1906 से 1909 के बीच श्री मदनलाल ढींगरा और उसके बाद 1940 में शहीद ऊधम सिंह ने भारत में भारतीय स्वाभिमान और देश भक्ति का जो उदाहरण प्रस्तुत किया वह भी विश्व में अतुलनीय है, लेकिन दुखद सत्य यह है कि इन हुतात्माओं की जन्मभूमि, कर्मभूमि अमृतसर और पंजाब के लोग ही इन वीरों के विषय में कुछ नहीं जानते। यह उत्तम बात है कि 1973 में पहले शहीद ऊधम सिंह की और उसके बाद शहीद ढींगरा की अस्थियां लंदन की पैटन विले जेल से भारत लाई गईं। उनको उचित सम्मान भी दिया गया, पर मदनलाल ढींगरा के साथ न्याय नहीं हुआ, क्योंकि किसी भी सरकार ने उसकी अपनी ही जन्मभूमि अमृतसर में उसको कोई स्थान नहीं दिया। उसका स्मारक नहीं बना और लंबे संघर्ष के बाद जो अब बनाया जा रहा है, वहां भी भवन तो बन गया, लेकिन उसकी आत्मा ढींगरा से संबद्ध साहित्य इंग्लैंड में उसके बलिदान के चिन्ह आज तक भारत नहीं लाये गये, यद्यपि सरकारों को बार-बार आग्रह किया, जगाने का प्रयास किया, पर त्रेता में एक कुंभकरण था, आज हर सरकार में, हर विभाग में कुंभकरण से भी बड़े कुंभकरण विद्यमान हैं। कई अन्य शहीद भी सम्मान से वंचित हैं। कल 23 मार्च को भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु का शहीदी दिवस मनाने जा रहे हैं। शहीदों को पाठ्यक्रम में स्थान मिले, यह उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

खुशहाल समाजों की रैंकिंग से भारत भ्रमित न हो

143 देशों के विश्व खुशहाली रैंकिंग में भारत 126वें स्थान पर रहा है जिसमें फिनलैंड ने लगातार छठीं बार सर्वोच्च स्थान पाया है। यह बात भी गौर करने की है कि भारत में दस अंकों का सुधार हुआ है, फिर भी भारत के लिये आश्चर्यकारी एवं विचारणीय है। फिनलैंड को दुनिया का सबसे खुशहाल देश करार दिया गया है, पर गौर कीजिए, वहां आबादी सिर्फ 56 लाख है। मतलब, इस देश की चुनौतियां बहुत कम हैं। धार्मिक वातावरण ऐसा है कि विद्वेष की ज्यादा गुंजाइश नहीं है। छोटा राष्ट्र होने की वजह से सरकारों के सामने समस्याएं कम है। अतः फिनलैंड की स्थिति अच्छी है, पर उसकी तुलना भारत जैसे 140 करोड़ आबादी वाले देश से कैसे हो सकती है? यह बहस का विषय है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रायोजित इस वार्षिक रिपोर्ट में नॉर्डिक देशों ने 10 सबसे खुशहाल देशों में अपना स्थान बनाए रखा है। फिनलैंड के बाद डेनमार्क, आइसलैंड, स्वीडन ने शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। इन सभी देशों में समाज समस्यामुक्त एवं काफी सुलझा हुआ है और विविधता वहां ज्यादा समस्याएं पैदा नहीं करती है। देखने की बात है कि खुशहाली की रिपोर्ट विगत एक दशक से भी ज्यादा समय से जारी हो रही है और पहली बार अमेरिका और जर्मनी जैसे विकसित देशों को शीर्ष 20 देशों में स्थान नहीं मिला है। पाकिस्तान पिछली बार 108वें स्थान पर था, इस बार 122वें पर आ गया है, पर तब भी भारत से चार पायदान ऊपर है। जिस देश में खूब महंगाई है, जहां की जनता त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रही है, जहां धार्मिक उन्माद व्यापक है, जो आतंकवाद को प्रोत्साहन देता है, वह देश भी अगर हमसे खुशहाल है, तो ऐसी खुशहाली मापने के तरीकों पर विचार होना चाहिए। ऐसा प्रतीत होता है कि खुशहाली को तय करने के पैमानों में अवश्य ही कोई पूर्वाग्रह या आग्रह है। क्योंकि ऋण की गुहार लगाता एवं त्राहिमाम करता पाकिस्तान को 122वें स्थान की रैंकिंग देना विडंबनापूर्ण एवं विसंगतिमय हैं, जो इस सूचकांक के महत्व को घटा देती हैं। जो दुनिया के खुश देशों के आकलन में त्रुटि की पूरी संभावनाएं होने को दर्शाता है। अनेक सवाल खड़े करती है यह खुशहाल देशों की रैंकिंग। यह विडंबना ही है कि धार्मिक पाबंदियों वाला कुवैत दुनिया का 13वां सबसे खुशहाल देश है। ऐसी अतार्किक सूची देखकर अफसोस एवं आश्चर्य भी होता है और चिंता भी होती है। क्या खुशहाली को धार्मिक और सामाजिक स्वतंत्रता के आधार पर ज्यादा नहीं देखा जाना चाहिए? खुशहाली को केवल आर्थिक समृद्धि और संसाधनों की अधिकता में घटाकर देखना सही नहीं है। खुशहाली की रैंकिंग को देखकर भारत को कतई भ्रमित नहीं होना चाहिए। एक और विडंबना देखिए, निर्मम युद्ध लड़ रहा इजरायल पांचवां सबसे खुशहाल देश है! पीड़ित

ललित गर्ग

> **भारत में खुशहाली को बढ़ावा देने में यहां की जनसंख्या सबसे बड़ी बाधा है। भारत के अल्पसंख्यक समुदायों की कट्टरता एवं संकीर्णता भी खुशहाल समाज निर्माण की बड़ी बाधा है। भारत जैसे विशाल और असमान विकास वाले देश के लिए 126वां स्थान कितना मायने रखता है? भारत में कई तरह का भारत है, एक अमीर व खुशहाल भारत है, तो उसमें एक गरीब भारत भी है।**

फलस्तीन 103वें स्थान पर है, तो रूस 72वें स्थान पर और यूक्रेन 105वें स्थान पर। ये देश युद्ध के बावजूद भारत से ज्यादा खुशहाल हैं। पता नहीं, इस रैंकिंग पर कितना भरोसा किया जाए? जहां तक भारत का सवाल है, खुशहाली के सभी पैमानों पर हमें अपने प्रयास बढ़ाने की जरूरत है। एक बड़ा सवाल यह भी है कि हम प्रसन्न समाजों की सूची में क्यों नहीं अव्वल आ पा रहे हैं? यह सवाल सत्ता के शीर्ष नेतृत्व को आत्ममंथन करने का अवसर दे रहा है, वहीं नीति-निर्माताओं को भी सोचना होगा कि कहां समाज निर्माण में त्रुटि हो रही है कि हम लगातार खुशहाल देशों की सूची में सम्मानजनक स्थान नहीं बना पा रहे हैं। भारत सरकार इस रिपोर्ट को कितनी गंभीरता से लेती है, यह देखने वाली बात है। भारत में खुशहाली को बढ़ावा देने में यहां की जनसंख्या सबसे बड़ी बाधा है। भारत के अल्पसंख्यक समुदायों की कट्टरता एवं संकीर्णता भी खुशहाल समाज निर्माण की बड़ी बाधा है। भारत जैसे विशाल और असमान विकास वाले देश के लिए 126वां स्थान कितना मायने रखता है? भारत में कई तरह का भारत है, एक अमीर व खुशहाल भारत है, तो उसमें एक गरीब भारत भी है। गरीब भारत भी विकास कर रहा है, लेकिन आबादी इतनी ज्यादा है कि अभी देश को समग्रता में खुशहाल देशों में अव्वल स्थान बनाने में वक्त लगेगा। सबसे खुशहाल देश फिनलैंड की आबादी महज 56 लाख है, उसके लिए विकास आसान है। भारत के मुम्बई, दिल्ली, कोलकता शहर में इसमें कहीं ज्यादा लोग रहते हैं। वैसे भी खुशी महसूस करना व्यक्ति के खुद की सोच पर निर्भर करता है। इसलिये प्रश्न है कि हमारी खुशी का पैमाना क्या हो? अधिकतर लोग छोटी-छोटी जरूरतें पूरी होने को ही खुशी मान लेते हैं। इससे उन्हें उस पल तो संतुष्टि मिल जाती है, उनका मन खिल जाता है। लेकिन यह खुशी ज्यादा देर नहीं टिकती, स्थायी नहीं होती। इच्छा पूरी होने के साथ ही उनकी खुशी भी कमजोर होने लगती है। खुशी एवं प्रसन्नता हम सबकी जरूरत है, लेकिन प्रश्न है कि क्या हमारी यह जरूरत पूरी हो पा रही है, ताजा आकलन से तो यही सिद्ध हो रहा है कि हम खुशी एवं प्रसन्नता के मामले में लगातार पिछड़ रहे हैं। विडम्बनापूर्ण स्थिति तो यह है कि हमारा भारतीय समाज एवं यहां के लोग अपने ज्यादातर पड़ोसी समाजों से कम खुश है। खुशहाली की रिसर्च में खुशहाली को राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध भौतिक सुविधाओं से मापा जाता है। लेकिन खुशियां का दायरा इतना छोटा तो नहीं होता। विकास की सार्थकता इस बात में है कि देश का आम नागरिक खुद को संतुष्ट और आशावान महसूस करे। स्वयं आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ बने, कम-से-कम कानूनी एवं प्रशासनिक औपचारिकताओं का सामना करना पड़े, तभी वह खुशहाल हो सकेगा। डिजिलीकरण, आर्थिक नवाचार जैसी घटनाओं ने आम आदमी को अधिक परेशानी एवं समस्याएं दी है। समस्याओं के घनघोर अंधेरों के बीच उनका चेहरा बुझा-बुझा है। न कुछ उनमें जोश है न होश। अपने ही विचारों में खोए-खोए, निष्क्रिय और खाली-खाली से, निराश और नकारात्मक तथा ऊर्जा विहीन। हाँ सचमुच ऐसे लोग पूरी नींद लेने के बावजूद सुबह उठने पर खुद को थका महसूस करते हैं, कार्य के प्रति उनमें उत्साह नहीं होता। ऊर्जा का स्तर उनमें गिरावट पर होता है। क्यों होता है ऐसा? कभी महसूस किया आपने? यह स्थितियां एक असंतुलित एवं अराजक समाज व्यवस्था की निष्पत्ति है। ऐसे माहौल में व्यक्ति एवं समाज खुशहाल नहीं हो सकता। खुशहाली सूचकांक के लिए अर्थशास्त्रियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की एक टीम व्यापक स्तर पर शोध करती है, यह टीम समाज में सुशासन, प्रति व्यक्ति आय, स्वास्थ्य, जीवित रहने की उम्र, भरोसा, सामाजिक सहयोग, परोपकार, दान भावना, स्वतंत्रता और उदारता आदि को आधार बनाती है।

होली सबकी प्रीति राष्ट्र की रीति

हृदयनारायण दीक्षित

प्रकृति नित्य नूतन है। चिरन्तन और आनंदरस से परिपूर्ण। इसके अन्तःपुर में आनंदरस का महास्रोत है। भारतीय चिन्तन में इस स्रोत का नाम है-उत्स। उत्सव इसी आनंद रस का आपूरण है। यूरोप और अमेरिकी समाजों के उत्सव बाजार तय करता है और भारत के उत्सव तय करता है देश-काल। प्रकृति दर्शनीय है। नदियां हंसती नृत्य करती गति करती हैं। नदियों के तट पर उत्सव और नृत्य। काल सबका नियंता है। भारतीय उत्सवों में प्रकृति और मुहूर्त की जुगुलबन्दी है। होली भारत के मन का सामूहिक उल्लास है। द्यावा-अंतरिक्ष मदनरस, आनंदरस और प्रीतिरस का वातायन। होली वसंतोत्सवों का चरम है और वसन्त है प्रकृति का अपनी परिपूर्णता में खिलना। प्रकृति सदाबहार नायिका है। प्रकृति में नियमबद्धता है। वैदिक ऋषियों ने सृष्टि के इस संविधान को ऋत कहा, ग्रीष्म, वर्षा, शिशिर, हेमंत, पतझड़ और बसंत इसी ऋत के ऋतु-रूप हैं। वसंत परिपूर्ण प्राकृतिक तरुणाई है। भारतीय उत्सवों का अन्तः प्रेरण यह भरी पूरी प्रकृति है। प्रकृति की अंग-अंग उमंग का नाम है वसंत। वसंत ऋतु राज है। पृथ्वी सगंधा है। सो फूलों से सुगंध उड़ती है, मरूद्गण इस सुगंध को दशों दिशाओं तक पहुंचाते हैं। धरती आकाश गंध आपूरित होते हैं। तिक्त नीम अशोक हो जाती है और बेहया हो जाती है मौलश्री। तब गुलाब रातरानी जैसी सुगंध देने लगता है और रातरानी कमलगंध में हहराती प्रीति। प्रकृति के सभी रूप रसवन्त हो जाते हैं। नदियां नर्तन करती हैं, झीले गीत गाती हैं, वनस्पतियां झूम उठती हैं। शरद् और ग्रीष्म गलमिलौवल करते हैं। पक्षी गीत गाते हैं। वे नियम बंधन में रहते हैं। लेकिन वसंत और होली में शास्त्रीयता का कोई बंधन नहीं। होली आनंद का अतिरेक है। अतिरेक प्रायः शास्त्रीय नहीं होता। होली में लोक अपने छन्द स्वयं गढ़ता है। ऊर्जा का अतिरेक उत्सव बनता है। मनुष्य की तरह समाज का भी मूल-उत्स होता है। भारतीय समाज का मूल-उत्स संस्कृति है। होली भारत का मधुरस है, मधुछन्द है, सामगान है, लोकनृत्य है और लोक संस्कृति का चरम है। भारतीय उत्सव है प्रकृति का प्रसाद। होली महाप्रसाद है। होली पूरे बरस भर की मधुऊर्जा है। परिपूर्ण उत्सव है। होली संपूर्ण मानव समाज को अंगांगी भाव से अंगीकृत करने का नेह निमंत्रण है। आधुनिक मानस विदेशी पर मोहित है, परदेशी रंग के कारण रंग में भंग है। नेह निमंत्रण है कि आओ चढ़ा ले रंग देशी कि रंग परदेशी उतर जाये। चहुदिश, दिक्काल, लाल गुलाल, सबके गाल। एक मुट्ठी गुलाल आपके भी गाल। होली मधु विद्या का मधु प्रसाद है। यह लोक-महोत्सव है। भारत की भू-सांस्कृतिक आस्था का नर्तन, दर्शन दिग्दर्शन है। यहां लोक अभिव्यक्ति है, राष्ट्रीय एकत्व है और सांस्कृतिक समरसता है। लोक आनंद की अनुभूति है। होली सबकी प्रीति है, राष्ट्र की रीति है। भारत की उमंग और भारत के मन की रंग तरंग है। देश के उत्तर, दक्षिण और पूरब, पश्चिम होली सबकी प्यारी है। होली विश्ववारा हिन्दू संस्कृति का मनआनंद है। होली गीता गाता नृत्य मगन अध्यात्म है। धरती, आकाश, वन और सम्पूर्ण उपवन, का गीत, संगीत है। होली जाति, पंथ उम्र से परे जीवन्त महाउल्लास है। होली की तमाम कथाएं हैं। महाभारत में भविष्य पुराण का उल्लेख है। कथा के अनुसार कृष्ण ने युधिष्ठिर को बताया कि राजा रघु के पास ढोण्ढा राक्षसी की शिकायत हुई, यह बच्चों को तंग करती थी। रघु को ज्योतिषियों ने बताया कि शिव वरदान के अनुसार उसे खेलते बच्चों से डरना चाहिए। फाल्गुन पूर्णिमा को लोग-बच्चे हंसे, ताली बजाएं तीन बार अग्नि के चक्कर लगाएं, पूजा करें। गीत गायें। ऐसा ही किया गया, वह मर गयी। प्रहलाद की कथा दूसरी है। हिन्दुस्थान के उत्तर पूर्व में दैत्यों दानवों का क्षेत्र पूर्व ईरान, एशियाई, रूस का दक्षिणी पश्चिमी हिस्सा और गिलगिट तब इलावर्त था। बेबीलोनिया की प्राचीन गुफाओं के भित्ति चित्रों में विष्णु हिरण्याक्ष से युद्धरत हैं। हिरण्याक्ष हिरण्याकश्यप का भाई था। प्रहलाद हिरण्याकश्यप का पुत्र था। वह पिता की दैत्य परमपरा का विरोधी था। तब उसे आग में झोंका गया, कथा के अनुसार वह बच गया। प्रहलाद भारतीय सत्याग्रही चेतना का प्रतिनिधि था। ढेर सारी कथाएं हैं। ऐसी कथाओं के सत्य सांस्कृतिक स्रोत होते हैं। होली भारत का अपना सांस्कृतिक आयोजन है। यह सम्पूर्ण भारतीय जन का उल्लास है लेकिन कुछ स्वयंभू भौतिकवादी विद्वानों ने इसे मिस्र या यूनान से आयातित बताया है। होली जैसा उत्सव बेशक मिस्र में था, यूनान में भी था। ऐसे क्षेत्रों से भारत के व्यापारिक सम्बंध थे। सत्यकेतु विद्यालंकार ने 'वैदिक युग' (पृष्ठ 232) में बताया कि वर्तमान ईराक और तुर्की राज्य क्षेत्रों से प्राप्त भग्नावशेषों व प्राचीन सभ्यताओं से ज्ञात होता है कि उनका भारत के साथ घनिष्ठ व्यापारिक सम्बंध था। ऋग्वेद (1.25.4) में पक्षियों के उड़ने वाले आकाश मार्ग और समुद्री नौका मार्ग के उल्लेख हैं। जैमिनि ने होलाका पर्व का उल्लेख (400-200 ईसा पूर्व) किया और लिखा कि होलाका सभी आर्यों का उत्सव था। आचार्य हेमाद्रि (1260-70 ई.) ने पुराण उद्धरणों से होली की प्राचीनता दर्शाई है। वात्स्यायन के कामसूत्र (1.4.42) में यह एक वसंतोल्लास क्रीड़ा पर्व है। ऋग्वेद में अग्नि को अन्न समर्पित करने और तमाम वाद्य यंत्रों के साथ गीत गाने के उल्लेख हैं। हजारों बरस पुरानी होली की परम्परा उत्सवधर्मा भरतभूमि में ही उगी। बहुत संभव है कि मिस्र और यूनान ने भी भरतभूमि से ही ऐसी प्रेरणा ली हो। वैदिक पूर्वजों का चित्त उत्सवधर्मा था। होली हजारों बरस प्राचीन राष्ट्र के सांस्कृतिक विकास का परिणाम है। इसके उत्सव ऋग्वेद में हैं। ऋग्वैदिक पूर्वज सृजनशील है। सृजनशीलता ही वैदिक ऋचाएं कविताएं हैं। यहां मंत्रों के साथ संगीत और नृत्य भी है। रूप, रस, गंध, स्पर्श की अनुभूति से आनंद रस का अतिरेक छलकता है।

राजनीति

केजरीवाल अब अपने आप को करें निर्दोष साबित

आरके सिन्हा

अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली की शराब नीति के जिन आरोपों के आधार पर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया है, उन्हें साबित होना भर ही बाकी है। हां, पर इतना तो कहना ही होगा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में अरविंद केजरीवाल अपने को बार-बार अराजक मुख्यमंत्री के रूप में साबित करने में सफल रहे। वे लगातार केन्द्र सरकार और सरकारी अफसरों से लड़ने-झगड़ने के मूड में ही रहे। उन्होंने एक तरह से मान लिया कि देशभर में वह ही अकेले ईमानदार है। बाकी दुनिया भ्रष्ट है। उनसे उम्मीद थी कि वह देश में साफ-सुथरी और वैकल्पिक राजनीति का रास्ता साफ करेंगे। पर उन्होंने अपने खोखले दावों-वादों और कारनामों से देश को निराश ही किया। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल से पहले भी सरकारें और मुख्यमंत्री रहे,पर कभी कोई ऐसा मसला नहीं आया। दिल्ली की चुनी हुई सरकारों और केन्द्र सरकारों के बीच मजे-मजे में विकास के सब काम होते रहे। पर सन 2015 में दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनते ही हंगामा शुरू हो गया और होने लगा रोज का क्लेश, तकरार और आरोप-प्रत्यारोप का दौर।

> **1951-52 में पहली बार विधानसभा के चुनाव हुए। दिल्ली के पहले मुख्यमंत्री कांग्रेस के चौधरी ब्रह्म प्रकाश बने। चौधरी साहब 1952 से 1955 तक मुख्यमंत्री रहे।**

दिल्ली में 1951-52 में पहली बार विधानसभा के चुनाव हुए। दिल्ली के पहले मुख्यमंत्री कांग्रेस के चौधरी ब्रह्म प्रकाश बने। चौधरी साहब 1952 से 1955 तक मुख्यमंत्री रहे। उन्हें कांग्रेस ने हटाया और यहां का दूसरा मुख्यमंत्री बनाया सरदार गुरुमुख निहाल सिंह मुसाफिर को। गुस्ताखी माफ, कम ही दिल्लीवालों को पता है कि दिल्ली के दूसरे मुख्यमंत्री एक सिख सज्जन थे। वे पहली दिल्ली विधानसभा के स्पीकर थे। वे 13 फरवरी, 1955 से 31 अक्टूबर, 1956 तक दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे। उसके बाद विधानसभा का अस्तित्व समाप्त कर दिया गया। मुसाफिर जी ने मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए दिल्ली में शराब की दुकानें खोलने नहीं दीं। अजीब इत्तेफाक है कि अरविंद केजरीवाल दिल्ली में शराब की दुकानें खोलने में सदैव अति उत्साह दिखाते रहे। उन्हें दिल्ली की शराब नीति में कथित घोटाले के कारण ही गिरफ्तार किया गया है। मुसाफिर जी के पुत्र एस. निहाल सिंह प्रख्यात पत्रकार थे। वे इंडियन एक्सप्रेस अखबार के संपादक भी रहे। बहरहाल, 1966 में दिल्ली को एक महानगर परिषद मिली। यह विधानसभा के समकक्ष थी। महानगर परिषद का मुखिया कार्यकारी पार्षद होता था। इस पद पर विजय कुमार मल्होत्रा और जगप्रवेश चंद्र जैसे नेता भी रहे। दिल्ली को 1991 में फिर से संविधान में संशोधन करके राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र घोषित किया गया। नये परिसीमन के तहत विधानसभा का 1993 में चुनाव हुआ। उसके बाद मदनलाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा, सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित जैसे दिग्गज नेता दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे। इस दौरान केन्द्र में कभी कांग्रेस के नेतृत्व वाली और कभी भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारें काम करती रहीं। पर दिल्ली में विकास का पहिया कभी थमा नहीं। जब मदन लाल खुराना मंख्यमंत्री बने तब देश के प्रधानमंत्री पी.वी.नरसिंह राव थे। कहीं कोई दिक्कत नहीं आई। जब शीला दीक्षित मुख्यमंत्री थीं, तब प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी थे। तब भी दिल्ली का भरपूर विकास हो रहा था। कहीं कोई विवाद ही नहीं था। सारे विवाद आपसी बातचीत से हल हो रहे थे। अटल जी और शीला दीक्षित ने दिल्ली में मेट्रो रेल का विस्तार और बिजली की समस्या का स्थायी समाधान किया। यह बात अलग है कि अरविंद केजरीवाल हमेशा कहते रहे कि दिल्ली में बिजली की 24 घंटे सप्लाई उनकी वजह से मुमकिन हुई। हालांकि, उन्होंने कभी यह नहीं बताया कि दिल्ली में पेयजल संकट का वह हल क्यों नहीं कर सके।

उत्तर प्रदेश में लोस चुनावों के सात चरणों का चक्रव्यूह

अजय कुमार

2024 का चुनाव संग्राम भी फिर पश्चिम यूपी से शुरू होगा। शुरूआत में पश्चिमी यूपी की 8 लोकसभा सीटों पर चुनाव होंगे। पिछले लोकसभा चुनाव के बाद से यहां के राजनीतिक हालात में काफी बदलाव आया है, जिसका असर चुनाव में दिख रहा है। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों को लेकर पूरे देश मे कौतुहल दिखाई दे रहा है। लोकसभा सीटों के हिसाब से सबसे बड़े राज्य यूपी में मुकाबला त्रिकोणीय होता नजर आ रहा है। त्रिकोणीय मुकाबले में एक तरफ एनडीए के तले मोदी की 'सेना' जीत की हुंकार भर रही है तो दूसरी ओर राहुल गांधी के अगुवाई में 'इंडी' गठबंधन ताल ठोक रहा है। दोनों गठबंधनों में बस फर्क इतना है कि जहां एनडीए की ओर से मोदी पुनः प्रधानमंत्री पद के दावेदार हैं, वहीं इंडी गठबंधन ने कौन होगा पीएम पर पत्ते नहीं खोले हैं, लेकिन लगता यही है कि यदि इंडी गठबंधन के लिये सत्ता की राह बनी तो राहुल गांधी प्रधानमंत्री पद के सबसे बड़े दावेदार होंगे। खैर, अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचना सही नहीं है। कौन होगा अगल प्रधानमंत्री? यह सात चरणों के मतदान के बाद 04 जून को पता चलेगा, जब वोटों की काउंटिंग होगी। इसी लिये फिलहाल तो सात चरणों के चक्रव्यूह को भेदने के लिये ही सभी पार्टियो मैदान में ताल ठोंक रही हैं। 19 और 26 अप्रैल को प्रथम चरण एवं द्वितीय चरण का मतदान होगा। इन दोनों चरणो में पश्चिमी यूपी की 16 सीटों पर वोटिंग होगी। प्रथम चरण और दूसरे चरण के मतदान में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की क्रमशः आठ-आठ सीटों के उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा। 07 मई को भी तीसरे चरण में दस सीटों पर मतदान होगा इसमें भी दस में से पश्चिमी यूपी की चार सीटें शामिल होंगी। इसके बाद 13 मई को चौथे, 20 मई को पांचवें, 25 मई को छठे और 01 जून को सातवें चरण का मतदान होना होगा। शुरू के तीन चरणों में जो राजनैतिक जंग पश्चिमी यूपी से शुरू होगी वह चौथे और पांचवे चरण में रूहेलखंड, अवध की सीटों पर तो छठे और सातवें चरण में पूर्वांचल में पहुंच कर समाप्त हो जायेगी। चार जून को नतीजे आयेंगे। 2024 लोकसभा चुनावों की शुरूआत पश्चिमी यूपी की आठ लोकसभा सीटों पर से होगा। पहले चरण में चुनाव के लिए आठ सीटों में से, भाजपा ने 2014 के चुनावों में सभी सीटें जीती थीं। 2014 में पार्टी ने अकेले प्रदेश भर में 71 सीटें जीतीं थीं। जबकि एनडीए गठबंधन के पास कुल 73 सीटें थीं। 2019 के चुनाव में इन सीटों पर सपा-रालोद और बसपा गठबंधन के खिलाफ लड़ाई में बीजेपी का प्रदर्शन खराब रहा। उन्होंने 8 में से केवल तीन सीटें जीतीं। ऐसे में सपा और बसपा को पूर्वांचल में कई सीटें मिलीं, जबकि बीजेपी को पूरे प्रदेश में सिर्फ 62 सीटें मिलीं थीं। 2024 का चुनाव संग्राम भी फिर पश्चिम यूपी से शुरू होगा। शुरूआत में पश्चिमी यूपी की 8 लोकसभा सीटों पर चुनाव होंगे। पिछले लोकसभा चुनाव के बाद से यहां के राजनीतिक हालात में काफी बदलाव आया है, जिसका असर चुनाव में दिख रहा है। यह चुनाव क्षेत्र में एक प्रमुख व्यक्ति रालोद नेता जयंत चौधरी की स्थिति भी तय करेगा। केंद्रीय मंत्री संजय बालियान की हैट्रिक कोशिशों की परीक्षा होगी। यह चुनाव तय करेगा कि बीजेपी नेता वरुण गांधी का राजनीतिक भविष्य क्या होगा। यह चुनाव यह भी तय करेगा कि नखतौर विधायक ओम कुमार संसद में जा सकेंगे या नहीं। यह क्षेत्र किसान और जाट नेता अजीत सिंह के प्रभाव वाला माना जाता है। चाहे आप जीतें या हारें, जीतने वाला पक्ष हमेशा सोचता है कि उसका पलड़ा भारी है। अजीत को अपनी बदनामी की भारी राजनीतिक कीमत भी चुकानी पड़ी। यह चुनाव अजीत सिंह के बिना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की ओर से जयंत चौधरी को अजीत का उत्तराधिकारी बनाने की कोशिशें अंत तक जारी रहीं। आखिरकार पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने की सत्ताधारी पार्टी की चाल सफल रही। पिछले चुनाव में जयंत जाट दलित मुस्लिम गठबंधन छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गये थे। यह चुनाव तय करेगा कि जयंत का फैसला कितना सही है। 2019 का लोकसभा चुनाव में जो सपा,बसपा और रालोद एक गठबंधन का हिस्सा थे,वह बिखर चुके हैं। बसपा अकेली चुनाव लड़ रही है तो रालोद ने बीजेपी का दामन थाम लिया है। इस बार पहले चरण की आठ सीटों में से चार पर सपा, तीन पर बसपा और एक पर रालोद को संघर्ष करना पड़ा। बसपा ने अपने हिस्से की तीनों सीटें (सहारनपुर, बिजनौर और नगीना) जीत लीं। सपा ने चार में से दो सीटें (मुरादाबाद और रामपुर) जीतीं। आरएलडी का खाता नहीं खुल सका। बीजेपी ने कैराना, मुजफ्फरनगर और पीलीभीत में सीटें जीती थीं। बात आजम की चर्चा के बिना पूरी नहीं हो सकती है। प्रथम चरण में ही रामपुर की संसदीय सीट के लिये मुकाबला होना है। 2019 और उसके पहले के चुनाव में कभी समाजवादी पार्टी का मुस्लिम चेहरा माने जाने वाले आजम खान की रामपुर समेत कई सीटों पर जीत तय रहती थी। पिछले पांच वर्षों में कई उतार-चढ़ाव से गुजरने के बाद, आजम खान को जेल हुई, दोषी पाया गया और विधायक के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया। उपचुनाव हुआ जिसमें बीजेपी के घनश्याम लोधी सांसद बने। इस बार भी रामपुर में जेल में बंद आजम के कहने पर ही सपा चल रही है, अब नतीजे बतायेंगे क्या आजम अभी भी यहां ताकतवर हैं या फिर आजम को वोटर साइड लाइन कर चुके हैं। पहले चरण में ही बिजनौर में भी चुनाव होगा। एसपी-बीएसपी-आरएलडी गठबंधन में 2019 में बिजनौर की एक सीट बीएसपी के खाते में थी और उसके उम्मीदवार मुल्क नागर ने चुनाव जीता था। इस बार अपने चुनाव प्रचार को तेज करने के लिए रालोद ने चंदन चौहान और सपा ने यशवीर सिंह को मैदान में उतारा है। इस बार 2019 में तीनों मित्र दलों के उम्मीदवार अलग-अलग एक-दूसरे से मुकाबला करेंगे। पश्चिमी यूपी की एक और चर्चित सीट मुजफ्फरनगर भी सुर्खियों में है। यहां भी 19 अप्रैल को मतदान होगा। 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां से केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान और आरएलडी प्रमुख अजीत सिंह एक-दूसरे पर नजरें गड़ाये हुए थे। बालियान लगातार दूसरी बार जीते। अजीत सिंह अब नहीं रहे और बदली हुई परिस्थितियों में आरएलडी और बीजेपी एक साथ हैं। ऐसे में रालोद भी इस बार बलियान में अपनी ताकत लगायेगी। सपा ने पूर्व सांसद हरेंद्र मलिक को अपना उम्मीदवार बनाया है। पिछले चुनाव में बसपा ने महागठबंधन के जरिये सहारनपुर सीट जीती थी। बसपा के हाजी फजलुर्रहमान ने भाजपा के राघव लखनपाल को हराकर चुनाव जीता। इस बार सपा-कांग्रेस गठबंधन में यह सीट कांग्रेस के खाते में चली गई हैं। इसी प्रकार से कैराना की सीट भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। यहां से कभी बीजेपी के दिग्गज नेता हुकुम सिंह चुनाव लड़ा करते थे। उनकी मौत के बाद 2019 के चुनाव में बीजेपी के प्रदीप कुमार चौधरी ने एसपी की तबस्सुम बेगम को हराकर जीत हासिल की। इस चुनाव में सपा ने पूर्व सांसद मनूर हसन की बेटी इकरा हसन और तबसेम बेगम को अपना उम्मीदवार बनाया है। इकरा के छोटे भाई नाहिद हसन विधायक हैं। इसी तरह से नगीना संसदीय सीट पर पिछले चुनाव में बसपा के गिरीश चंद्र ने महागठबंधन से जीत हासिल की और सांसद बने। इस बार एसपी ने रिटायर जज मनोज कुमार को मैदान में उतारा है, जबकि बीजेपी ने नहटूर से विधायक ओम कुमार को मैदान में उतारा है। इस बार दोनों पार्टियों के नये उम्मीदवार एक दूसरे को टक्कर दे रहे हैं। पीतलनगरी मुरादाबाद में सपा के हसन ने बीजेपी के कंवर सोरौश कुमार को हराकर चुनाव जीता। एसपी-कांग्रेस गठबंधन में यह सीट एसपी के हिस्से में है और बीजेपी-आरएलडी गठबंधन में यह सीट बीजेपी के हिस्से में है। यहां समाजवादी पार्टी को हराना बीजेपी के लिये आसान नहीं होगा। प्रथम चरण की एक और पीलीभीत लोकसभा सीट से पिछला चुनाव बीजेपी के वरुण गांधी ने जीता था, लेकिन कुछ दिनों बाद उनका रवैया बदल गया। अक्सर देखा गया कि वे सरकार को खुद को कटघरे में खड़ा करके सवाल उठाते थे।

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. **RNI.** 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-3553943, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : **news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com**
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

बसंतोत्सव और रंगोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

होली जब भी याद आती है

विजय केसरी

होली जब भी याद
आती है,
ढेरों बातें कह जाती
है!

तब की होली याद
आते ही,
आंखें मेरी भर
आती हैं,
दादी संग की होली क्या थी,
आशीषें बरसा जाती थीं,
इस मौसम के सपने में भी,
दादी अक्सर पुआ बनाती,
सपने में तरसा जाती हैं!
होली जब भी याद आती है,
ढेरों बातें कह जाती है!

होली की आहट सुन दादी,
भर उमंग बाबा से कहती,
इस होली में कहिए जी मैं,
नया नया क्या चीज बनाऊं!
और थमाती कागज उनको,
कहती ये सामान वे लाएं,
रोज-रोज इक ही बातों से,
बाबा झल्ला से जाते थे,
इसपर दादी रूठ जो जाती,
हाथों से कागज ले उनके,
झट बाजार की दौड़ लगाते !
होली जब भी याद आती है,
ढेरों बातें कह जाती है!

बाबा के इस उपक्रम पर दादी,
पीछे से थी हांक लगाती,
कहती थी, बच्चों की खातिर,
रंग-पिचकारी भूल न जाएं,
कौन-कौन से रंग हैं लाने,
वह भी लगती थी गिनवाने!
बाबा भीगी बिल्ली से बन,
सुन चुपचाप खिसक लेते थे!
होली जब भी याद आती है,
ढेरों बातें कह जाती है!

बाबा जब बाजार में होते,
बड़ी मां के नजदीक जा दादी,
कुलदेव की पूजा के सब,
विधि-विधान उनको समझाती!
माघ बीतता जैसे ही, तब,
होली याद आती दादी को,
पूरे साल में जाने कितने,
पर्व-त्योहार गुजर जाते थे,
पर दादी के मन में केवल ,
होली के ही दिन बसते थे!
होली जब भी याद आती है,
ढेरों बातें कह जाती है!

बचपन से ही दादी को हम,
ऐसे रूप में ही पाते थे,
पूरे फागुन, दादी का मन,
होली के रंग में पाते थे!
बच्चे जब होली खेलेंगे,
रंग उनके कैसे छूटेंगे,
साबुन-नींबू मंगवाना वह,
भूले से भी भूल न पाती!
होली जब भी याद आती है,
ढेरों बातें कह जाती है!

खेलके रंग नहा-धोकर हम,
बच्चे नए वस्त्र में सज,
लेकर गुलाल सबसे पहले,
दादी के पैरों पर धरते,
हुक्का पीती, दादी तब हंस,
आशीष लुटाती थी हमपर,
चेहरे पर दादी के उस दिन,
इक नव उमंग खिल जाती थी!
होली जब भी याद आती है,
ढेरों बातें कह जाती है!

'भर फागुन बुढ़वा देवर लागे '
गाते हुए छोटे दादा जब,
दादी के गाल पे मलने को,
लेकर गुलाल थे बढ़ते वे,
तब दादी खिल-खिल सी उठती,
चेहरा दप-दप सा चमक उठता,
सिर पर आंचल को डाल के वह,
कुछ ऐसे थी शरमा जाती,
जैसे हो दुल्हन नई-नई!
होली जब भी याद आती है,
ढेरों बातें कह जाती है!

अकस्मात बस कुछ ही पल में,
दादी के दृग भींग से उठते,
दादा की यादों के नश्तर,
दादी-मन घायल कर जाते,
छोटे दादा की भी आंखें,
दादी का थीं साथ निभातीं,
अपने अग्रज की यादों में,
अविरल सी बहने लगे जातीं!
पहले दादा छोड़ गए जग,
दादी को तन्हाई देकर!
और अब दादी भी रुख्सत है,
हम बच्चों को यादें देकर!
पर यादों की कसक हमें,
हर होली पर याद आ जाती है,
दादी की मुस्काती आंखें,
अंतर्मन हुलसा जाती हैं!
होली जब भी याद आती है,
ढेरों बातें कह जाती है!

तुझपर रंग खिलेगा कौन

रतन वर्मा

होली के त्योहार में सुन प्रिय,
सोच रहा, ले सात रंग मैं,
खुद ही तुम हो सप्तरंग की,
तुझपर रंग खिलेगा कौन?

रानी रंग में रंग, आंखों में
छायी रहती हो तुम हरदम,
नील नदी-सी राधामय बन,
उर मेरे बहती तुम छलछल!
हृदय-रंग आकाशी तेरा,
उसमें रंग सजेगा कौन?
खुद ही तुम हो सप्तरंग की,
तुझपर रंग खिलेगा कौन?

देखो, ली अंगड़ाई
तुमने,
फूट रही हरियाली तन से,
पीत चुनरिया में
लिपटी ज्यों,
सरसों-पुष्प
खिलाए तन में,
नारंगी सा सौम्य
रूप तुम,
तुझपर रंग
सजेगा कौन?
खुद ही तुम
हो सप्तरंग की,
तुझपर रंग खिलेगा कौन?

रक्तडोर आच्छादित अंखियां,
मदिरा ज्यों छलकाती अंखियां,
कितनों को हैं कत्ल कर रहीं,
खंजर बन इतराती अंखियां!
ऐसे में, जब इंद्रधनुष ही,
तेरा है श्रृंगार बन गया,
तुम्हीं बताओ, इस फागुन में,
तुझपर रंग जमेगा कौन?
खुद ही तुम हो सप्तरंग की,
तुझपर रंग खिलेगा कौन?

सप्तरंग से इतर प्रिय, पर,
एक रंग अब भी बचता है,
प्रीत रंग दिखता ना, फिर भी,
यही रंग हर दिल पलता है!
इसी रंग में रंग जाएं हम,
कृष्ण-राधिका बन जाएं हम!
रास रचाएं इस होली में ,
आओ, मिलकर तोड़ें मौन!

रंगों के त्योहार में प्रिय सुन,
सोच रहा ले सात रंग मैं,
खुद ही तुम हो सप्तरंग की,
तुझपर रंग खिलेगा कौन?

तो समझो होली है

सुनील बादल

आरपार 70 के भी
मन, जब हुमक उठे,
सेवा देश की करने को
दिल जब मचल उठे,
तो समझो होली है!

अंग नए रंग को
पाने को जब मचल उठे,
पुराने से भर जाए जब मन
तो समझो होली है!

परिवर्तन हृदय का जब
मौसम में ही छा जाए,
जोड़ी नई बनाने को
जब दिल मचल मचल जाए
तो समझो होली है!

न हार की हो चिंता,
न हो पिट जाने का डर,
रास नया रचाने को
जोश जब जाग जाए
तो समझो होली है!

जो थे, अब तक अछूत
प्यार से गले उसे
ही
लगाएं,
रंग
अबीर
गुलाल
खूब उड़ाएं
तो समझो होली है!

उड़ते थे, जो आसमानों में
गांवों को जब तिलक लगाएं,
ढोल गंवारों को जब,
जात अपनी ही बताएं
तो समझो होली है!

होली-हवाश छायी है

मनोज सिन्हा

रंग गुलाबी, नैन शराबी, लो,
फगुवा संग फि र बौराहट आई है
टिकोरे फुनगे, कटहर गदराये,
भिंडी टनके, गन्ने में मोटाई आई है
रंग गुलाबी, नैन शराबी...।

कि चलो महुआ छाने, ताड़ तलाशें,
घोंटा मारे, सूट्टा फूंकें
गपशप बांचे, सुख-दुख बांटे,
हिलाएं गोटी, सोंटा तानें
घूंघट ओढ़े गई बसरिया,
वंश-करीले संग आई है,
रंग गुलाबी, नैन शराबी...।

होली की हुड़दंग है
हंसी-खुशी नवरंग है,
'गूगल बाबा' के पन्नों में
अब ग्रंथालय नजरबंद है,
पता नहीं बच्चे अब क्या क्या
लुका-छिपी पढ़ते
है,
उचक-
उचक कर
उछल-उछल
कर
चैनल-टावर करते हैं,
ना रेडियो, ना चैता फगुवा
फाइव जी पर अब तो
निर्वसनों की लाइव चित्रहारी है,
रंग गुलाबी, नैन शराबी...।

कुछ बातों से बचकर हम
गौरव अतीत भी याद करें,
कुछ पेड़ लगाएं, गांव बनाएं
कुछ नहर बनाएं,
बूढ़े बरगद की छांव तले,
चलो सपनों का शहर बनाएं,
इस होली में देखो फिर से
पलाश की लाली छायी है,
रंग गुलाबी, नैन शराबी, लो,
फगुवा संग फि र बौराहट आई है।

उसे

प्रवीण प्रियदर्शी

मन में आस लिए अकेला,
मैं स्वप्न सजाता सुंदर कल का।
आने से पहले ही उसका,
मैं रंग सजाता हल्का-हल्का।

खड़े अजनबी चौराहे पर,
मैं राह ढूंढता उस मंजिल का।
कल्पना के जीवंत पट पर,
मैं उसे पहचानता हल्का-हल्का।

वर्तमान की बोझिल छांवों में,
मैं आदर्श बुनता नव जीवन का।
कल के सुनहले खाबों में ही,
मैं प्यार जगाता हल्का-हल्का।

मद्धिम आस को विश्वास बनाकर,
मैं कसम दुहराता उसे पाने का।
इस दुनिया की ताज पहना कर,
मैं उसे संवारता हल्का-हल्का।

सर्वस्व का कब हो समर्पण,
मैं बाट जोहता उस एक पल का।
कर जीवन भी तुमको अर्पण,
मैं शरमाता हल्का-हल्का।

आस का यह जोत अकेला,
मैं रोज जलाता अपने मन का।
आने से पहले ही उसका,
मैं रंग सजाता हल्का-हल्का।

रंगों की बहार होली में,

कामेश्वर कुमार
कामेश

मिलना-जुलना चाहिए, सबसे यार होली में,
कभी नहीं, कहीं नहीं, जैसा खुमार होली में।

आज बिछड़े यार से, गुफ्तगू ही हो जाए,
कम-से-कम सबको मिले, ये फुहार होली में।

होली है तो उनकी चर्चा, कैसे भला ना हो,
'सालियां' ही होती हैं, रंगों की बहार होली में।

हाथ में रंग-पिचकारी, कहीं पर अबीर उड़े,
सारे बच्चे, बूढ़े जवां, दिखते यार होली में।

खुशी के रंग से, भर जाएंगे दामन सबके,
जो आप मिलें सबसे, रंजोगम उतार होली में।

होली सबकी प्रीति, राष्ट्र की रीति

हृदयनारायण दीक्षित

प्रकृति नित्य नूतन है। चिरंतन और आनंदरस से परिपूर्ण। इसके अंतःपुर में आनंदरस का महास्रोत है। भारतीय चिंतन में इस स्रोत का नाम है-उत्स। उत्सव इसी आनंद रस का आपूरण है। यूरोप और अमेरिकी समाजों के उत्सव बाजार तय करता है और भारत के उत्सव तय करता है देश-काल। प्रकृति दर्शनीय है। नदियां हंसती नृत्य करती गति करती हैं। नदियों के तट पर उत्सव और नृत्य। काल सबका नियंता है।

भारतीय उत्सवों में प्रकृति और मुहूर्त की जुगुलबंदी है। होली भारत के मन का सामूहिक उल्लास है। द्यावा-अंतरिक्ष मदनरस, आनंदरस और प्रीतिरस का वातायन। होली वसंतोत्सवों का चरम है और वसन्त है प्रकृति का अपनी परिपूर्णता में खिलना। प्रकृति सदाबहार नायिका है। प्रकृति में नियमबद्धता है। वैदिक ऋषियों ने सृष्टि के इस संविधान को ऋत कहा, ग्रीष्म, वर्षा, शिशिर, हेमंत, पतझड़ और बसंत इसी ऋत के ऋतु-रूप हैं। वसंत परिपूर्ण प्राकृतिक तरुणाई है। भारतीय उत्सवों का अन्तः प्रेरण यह भरी पूरी प्रकृति है।

प्रकृति की अंग-अंग उमंग का नाम है वसंत। वसंत ऋतु राज है। पृथ्वी सगंधा है। सो फूलों से सुगंध उड़ती है, मरूद्गण इस सुगंध को दशों दिशाओं तक पहुंचाते हैं। धरती आकाश गंध आपूरित होते हैं। तिक्त नीम अशोक हो जाती है और बेहया हो जाती है मौलश्री। तब गुलाब रातरानी जैसी सुगंध देने लगता है और रातरानी कमलगंध में हहराती प्रीति। प्रकृति के सभी रूप रसवन्त हो जाते हैं। नदियां नर्तन करती हैं, झीले गीत गाती हैं, वनस्पतियां झूम उठती हैं। शरद और ग्रीष्म गलमिलौवल करते हैं। पक्षी गीत गाते हैं। वे नियम बंधन में रहते हैं। लेकिन, वसंत और होली में शास्त्रीयता का कोई बंधन नहीं। होली आनंद का अतिरेक है। अतिरेक प्रायः शास्त्रीय नहीं होता। होली में लोक अपने छंद स्वयं गढ़ता है। ऊर्जा का अतिरेक उत्सव बनता है। मनुष्य की तरह समाज का भी मूल-उत्स होता है। भारतीय समाज का मूल-उत्स संस्कृति है। होली भारत का मधुरस है, मधुछंद है, सामगान है, लोकनृत्य है और लोक संस्कृति का चरम है। भारतीय उत्सव है प्रकृति का प्रसाद। होली महाप्रसाद है। होली पूरे बरस भर की मधुऊर्जा है।

परिपूर्ण उत्सव है। होली संपूर्ण मानव समाज को अंगांगी भाव से अंगीकृत करने का नेह निमंत्रण है। आधुनिक मानस विदेशी पर मोहित है, परदेशी रंग के कारण रंग में भंग है। नेह निमंत्रण है कि आओ चढ़ा ले रंग देशी कि रंग परदेशी उतर जाए। चहुदिश, दिक्काल, लाल गुलाल, सबके गाल। एक मुट्ठी गुलाल आपके भी गाल।

होली मधु विद्या का मधु प्रसाद है। यह लोक-महोत्सव है। भारत की भू-सांस्कृतिक आस्था का नर्तन, दर्शन दिग्दर्शन है। यहां लोक अभिव्यक्ति है, राष्ट्रीय एकत्व है और सांस्कृतिक समरसता है। लोक आनंद की अनुभूति है। होली सबकी प्रीति है, राष्ट्र की रीति है। भारत की उमंग और भारत के मन की रंग तरंग है। देश के उत्तर, दक्षिण और पूरब, पश्चिम होली सबकी प्यारी है। होली विश्ववारा हिन्दू संस्कृति का मनआनंद है। होली गीता गाता नृत्य मगन अध्यात्म है। धरती, आकाश, वन और सम्पूर्ण उपवन, का गीत, संगीत है। होली जाति, पंथ उम्र से परे जीवन्त महाउल्लास है।

होली की तमाम कथाएं हैं। महाभारत में भविष्य पुराण का उल्लेख है। कथा के अनुसार कृष्ण ने युधिष्ठिर को बताया कि राजा रघु के पास ढोण्ढा राक्षसी की शिकायत हुई, यह बच्चों को तंग करती थी। रघु को ज्योतिषियों ने बताया कि शिव वरदान के अनुसार उसे खेलते बच्चों से डरना चाहिए। फाल्गुन पूर्णिमा को लोग-बच्चे हंसे, ताली बजाएं तीन बार अग्नि के चक्कर लगाएं, पूजा करें। गीत गायें। ऐसा ही किया गया, वह मर गयी। प्रहलाद की कथा दूसरी है। हिंदुस्तान के उत्तर पूर्व में दैत्यों दानवों का क्षेत्र पूर्व ईरान, एशियाई, रूस का दक्षिणी पश्चिमी हिस्सा और गिलगिट तब इलावर्त था। बेबीलोनिया की प्राचीन गुफाओं के भित्ति चित्रों में विष्णु हिरण्याक्ष से युद्धरत हैं। हिरण्याक्ष हिरण्याकश्यप का भाई था। प्रहलाद हिरण्याकश्यप का पुत्र था। वह पिता की दैत्य परमपरा का विरोधी था। तब उसे आग में झोंका गया, कथा के अनुसार वह बच गया। प्रहलाद भारतीय सत्याग्रही चेतना का प्रतिनिधि था। ढेर सारी कथाएं हैं। ऐसी कथाओं के सत्य सांस्कृतिक स्रोत होते हैं।

होली भारत का अपना सांस्कृतिक आयोजन है। यह संपूर्ण भारतीय जन का उल्लास है लेकिन कुछ स्वयंभू भौतिकवादी विद्वानों ने इसे मिस्र या यूनान से आयातित बताया है। होली जैसा उत्सव बेशक मिस्र में था, यूनान में भी था। ऐसे क्षेत्रों से भारत के व्यापारिक सम्बंध थे। सत्यकेतु विद्यालंकार ने 'वैदिक युग' में बताया कि वर्तमान ईराक और तुर्की राज्य क्षेत्रों से प्राप्त भग्नावशेषों व प्राचीन सभ्यताओं से ज्ञात होता है कि उनका भारत के साथ घनिष्ठ व्यापारिक सम्बंध था। ऋग्वेद (1.25.4) में पक्षियों के उड़ने वाले आकाश मार्ग और समुद्री नौका मार्ग के उल्लेख हैं। जैमिनि ने होलाका पर्व का उल्लेख (400-200 ईसा पूर्व) किया और लिखा कि होलाका सभी आर्यों का उत्सव था। आचार्य हेमाद्रि (1260-70 ई.) ने पुराण उद्धरणों से होली की प्राचीनता दर्शाई है। वात्स्यायन के कामसूत्र (1.4.42) में यह एक वसंतोल्लास क्रीड़ा पर्व है। ऋग्वेद में अग्नि को अन्न समर्पित करने और तमाम वाद्य यंत्रों के साथ गीत गाने के उल्लेख हैं।

हजारों बरस पुरानी होली की परम्परा उत्सवधर्मा भरतभूमि में ही उगी। बहुत संभव है कि मिस्र और यूनान ने भी भरतभूमि से ही ऐसी प्रेरणा ली हो।

वैदिक पूर्वजों का चित्त उत्सवधर्मा था। होली हजारों बरस प्राचीन राष्ट्र के सांस्कृतिक विकास का परिणाम है। इसके उत्सव ऋग्वेद में हैं। ऋग्वैदिक पूर्वज सृजनशील है। सृजनशीलता ही वैदिक ऋचाएं कविताएं हैं। यहां मंत्रों के साथ संगीत और नृत्य भी है। रूप, रस, गंध, स्पर्श की अनुभूति से आनंद रस का अतिरेक छलकता है। यही आनंद उत्सव बनता है। ऋषि कवि अपने खेल में देवताओं को भी साझीदार बनाते है, वे मरूतों को उत्सव ह्यक्रीडन्तिह्न बताते हैं। सोम को घोड़े के समान खेलने वाला बताते हैं। लेकिन सूर्य और अग्नि बड़े देवता है। सूर्य ऋतुएं विभाजित करता है। अग्नि ऋतु निर्माणकत्रा है। ऋषि अग्नि से कहते (ऋ. 5.19.5) हैं कि वह खेलता हुआ हमारी ओर आये। अग्नि खेलते हुए आने वाले अतिथि हैं। उनके स्वागत का आनंद होली में ही खेलता हुआ ही आता है। तब लोक भी खेलता है, हंसता, गाता नृत्य करता है।

वैदिक परम्परा में अग्नि बड़े देवता हैं। पूर्वजों ने होली उत्सव में अग्नि को प्रधान बनाया। कृषि प्रधान राष्ट्र ने जौ-गेहूं की बालियां अग्नि देव को सौंपी, प्रसाद रूप में स्वयं भी ग्रहण की। सूर्य अग्नि का ही रूप है। उनके प्रकाश में सात रंग है। पूर्वजों ने होली उत्सव को सतरंगी बनाया। ध्वनि में सात सुर-आयाम हैं। पूर्वजों ने रंगों के साथ सात सुर भी जोड़े। यहां रंग, सुर, छंद है, ताल लयसंगीत हैं, नृत्य और थिरकन है। होली में मर्यादित वर्जनाहीनता है। परिपूर्ण उन्मुक्तता है। उपनिषदों में परम सत्ता को रस बताया गया है-रसौ वै सः। होली रसपूर्ण है। प्रीतिरस के साथ रीतिरस। गीत और संगीत रस। मयार्दा रस और उन्मुक्त रस साथ साथ हैं। होली आप सबको आनंदरस रंग से परिपूरित करे।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

होली की धूम

रंगों का त्योहार होली की धूम भारत में ऐसी होती है कि विदेशी पर्यटर भी बड़ी संख्या में मथुरा-वृंदावन की होली खेलने और देखने आते हैं। कैरिबियाई देशों में बड़े धूमधाम और मौज-मस्ती के साथ होली का त्यौहार मनाया जाता है। यहाँ होली को फगुआ के नाम से जाना जाता है और लोग परंपरागत तरीके से इसे मनाते हैं। 19 वीं सदी के आखिरी और 20 वीं सदी के शुरू में भारतीय लोग मजदूरी करने के लिए कैरिबियाई देश गए थे।अमेरिका में इसे 'फेस्टिवल ऑफ कलर्स' के नाम से लोग रंग-बिरंगे पाउडर और एक दूसरे पर रंग फेंकते और जमकर डांस करते हैं और कुछ जगहों पर मड(कीचड़) फेस्टिवल का भी आयोजन किया जाता है। साउथ अफ्रीका में होली जलाई जाती है और एक दूसरे को रंग भी लगाया जाता है। अफ्रीका में रहने वाले भारतीय इस त्योहार को धूमधाम से मनाते हैं। इटली में भी होली की तरह ही पर्व की शुरूआत संतरों को लेकर हुए एक युद्ध के बाद हुई। पुर्तगाल, फ्रांस और स्पेन के बीच ये युद्ध हुआ था। तब से यहां फन फेस्टिवल के रूप में एक दूसरे पर संतरे फेंकते हुए होली खेली जाती है। स्पेन में कई बार होली जैसा माहौल नजर आता है। कभी लोग एक दूसरे पर वाइन फेंकते हैं तो कभी टमाटर से होली खेलते हुए ला टोमाटीना फेस्टिवल का आयोजन किया जाता है। उत्तरी स्पेन में 29 जून को हर साल वाइन फेस्टिवल होता है जहां एक दूसरे पर लोग वाइन फेंकते हैं। वहीं अगस्त के आखिरी शनिवार को ला टोमाटीना फेस्टिवल का आयोज होता है।अप्रैल के महीने में ही थाईलैंड में भी होली जैसा जश्न होता है। यहां 'सोंगक्रान' नाम से फेस्टिवल का आयोजन होता है जिसमें लोग एक दूसरे के ऊपर रंग और ठंडा पानी फेंकते हैं। इसे वार स्प्लैशिंग फेस्टिवल भी कहा जाता है। इसे बौद्ध न्यू ईयर का जश्न मनाने वाला त्योहार कहा जाता है।

आज का राशिफल

मेष : बुद्धि व धन का दुरुपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

वृष : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे।

मिथुन : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी।

कर्क : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ।

सिंह : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी।

कन्या : कन्या : अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी।

तुला : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा।

वृश्चिक : वृश्चिक : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगी। उतावलेपन से बचे।

धनु : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे।

मकर : प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी।

कुंभ : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे।

मीन : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे।

करन-लिविंगस्टोन की आतिशी पारी, पंजाब ने दिल्ली कैपिटल्स को 4 विकेट से हराया

एजेंसी। नई दिल्ली

सैम करेन के अर्धशतक और इंग्लैंड के अपने साथी ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन के साथ उनकी 67 रन की साझेदारी की मदद से पंजाब किंग्स ने शनिवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को चार विकेट से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने अभियान की शानदार शुरूआत की और ऋषभ पंत को 14 महीने बाद मैदान पर वापसी का जश्न जीत से नहीं मनाने दिया। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद ह्यइंपैक्ट प्लेयर' के रूप में नौवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे अभिषेक पोरेल की 10 गेंद पर नाबाद 32 रन की पारी की मदद से नौ विकेट पर 174 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। करेन ने 47 गेंद पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 63 रन बनाए जबकि लिविंगस्टोन ने 21 गेंद पर नाबाद 38 रन बनाए जिसमें दो चौके और तीन छक्के शामिल हैं। इसमें सुमित कुमार पर अंतिम ओवर में जमाया गया विजयी छक्का भी शामिल है जिससे पंजाब ने 19.2 ओवर में 6 विकेट पर 177 रन बना कर जीत दर्ज की।

▶ दिल्ली के ओपनर्स की बड़ी पारी न खेलना

भले ही दिल्ली को डेविड वॉर्नर और मिशेल मार्श ने तेजतर्रार शुरूआत दी लेकिन दोनों 8 ओवर के अंदर ही आऊट हो गए। वार्नर आकर टिके रहते तो दिल्ली को 200 के पास ले जाते जोकि मुल्लांपुर के मैदान पर पंजाब के लिए मुश्किल लक्ष्य होता।

▶ दिल्ली का मध्यक्रम बिखरा : अच्छी शुरूआत को दिल्ली का मध्यक्रम संभाल नहीं पाया। साल बाद लौटे पंत 13 गेंदों पर 18 रन बनाकर आऊट हो गए। वहीं, रिकी भुई 3, ट्रिस्टन स्टब्स 5 रन बनाकर आऊट हो गए। अक्षर पटेल ने 21 रन बनाए लेकिन वह टीम को मजबूत स्कोर तक नहीं ले जा पाए।

पंजाब के कप्तान शिखर धवन और जॉनी बेयरस्टो ने टीम को तेज शुरूआत दी थी। लेकिन ईशांत ने आकर पार्टी खराब कर दी। उनके एक ही ओवर में पंजाब के दो विकेट गिर गए। ईशांत प्रभावी दिख रहे थे लेकिन तभी फील्डिंग के दौरान उन्हें चोट लगी गई। वह अपने कोटे के बाकी दो ओवर फेंक नहीं पाए। उनकी जगह मिशेल मार्श ने 4 ओवर में 52 तो खलील अहमद ने 4 ओवर में 43 रन लुटा दिए जोकि दिल्ली को महंगे पड़े।

खलील अहमद ने 19वें ओवर में लगातार दो गेंदों पर सेम कुरेन और शशांक सिंह को पवेलियन की राह दिखाई। अगली गेंद पर हरप्रीत बराड़ ने ऊंचा शॉट लगाया लेकिन वार्नर इसे पकड़ नहीं पाए। यहां से दिल्ली प्रैशर बनाने में फेल हो गई।

पंजाब को अच्छी शुरूआती मिली थी लेकिन वह एकाएक विकेट गिर गए। ऐसे समय में सैम कुरेन विकेट पर टिके रहे। उन्होंने लिविंगस्टन के साथ मिलकर स्कोर 150 पार पहुंचाया। सैम ने 47 गेंदों पर 6 चौके और एक छक्के की मदद से 63 रन बनाए। अगर दिल्ली सैम का विकेट पहले ले लेती तो उनके लिए जीत आसान हो सकती थी।

▶ पंत की वापसी हुई फीकी

दिसंबर 2022 में सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद अपना पहला मैच खेल रहे पंत ने 13 गेंद पर 18 रन बनाए जिसमें दो आकर्षक चौके शामिल हैं। दिल्ली के कप्तान पंत भी हालांकि अपने अन्य बल्लेबाजों डेविड वार्नर (21 गेंद पर 29 रन), मिशेल मार्श (12 गेंद पर 20), शाई होप (25 गेंद पर 33) और अक्षर पटेल (13 गेंद पर 21) की तरह अच्छी शुरूआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। ऐसे में पोरेल को इंपैक्ट प्लेयर के रूप में उतारा गया और वह टीम प्रबंधन के फैसले पर खरा उतरे। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके और दो छक्के लगाए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने हर्षल पटेल (47 रन देकर दो विकेट) के पारी के अंतिम ओवर में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 25 रन बटोर कर उनका गेंदबाजी विश्लेषण बिगाड़ दिया। पंजाब की तरफ से अर्शदीप सिंह (28 रन देकर दो विकेट) सबसे सफल गेंदबाज रहे। उनके अलावा कागिसो रबाडा, हरप्रीत बराड़ और राहुल चाहर ने एक-एक विकेट लिया।

गिल और पांड्या के बीच मुकाबला होगा सबसे अहम

अहमदाबाद। आईपीएल में रविवार के दूसरे मुकाबले में गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस की टीमें आमने-सामने होंगी। गुजरात ने पिछले दो सीजन से धाकड़ प्रदर्शन किया है, लेकिन वह जिस कप्तान के नेतृत्व में अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे, वह अब मुंबई के कप्तान हैं। हालांकि आंकड़े कहते हैं कि गुजरात की टीम के पास अभी भी मुंबई की मजबूत टीम को टक्कर देने की पर्याप्त क्षमता है। अगर मुम्बई को गुजरात की टीम को हराना है तो पहले उन्हें गुजरात के टॉप तीन बल्लेबाजों से पार पाना होगा क्योंकि आंकड़े कहते हैं कि आईपीएल में गुजरात के टॉप तीन बल्लेबाजों ने 1916 रन बनाए थे। इसमें से शुभमन गिल ने अकेले 890 रन बनाए थे। उनके अलावा साई सुदर्शन ने आठ पारियो में 362 और ऋद्धिमान साहा ने 371 रन बनाए थे।

रुइचांग चाइना मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में हारे आयुष शेट्टी

एजेंसी। रुइचांग

स्पोर्ट्स पार्क जिम में चल रहे रुइचांग चाइना मास्टर्स 2024 के पुरुष एकल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही भारतीय युवा शटलर आयुष शेट्टी का अभियान समाप्त हो गया। शेट्टी को एक घंटे और सात मिनट तक चले मैच में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के शटलर डोंग तियान याओ से 21-9, 18-21, 21-16 से हार का सामना करना पड़ा। वर्तमान में दुनिया के 76वें नंबर के खिलाड़ी शेट्टी ने दुनिया के 369वें नंबर के डोंग के खिलाफ पहले गेम में 4-4 तक बराबरी का मुकाबला खेला। इसके बाद डोंग ने गियर बदला और लगातार सात अंक लेकर स्कोर 11-4 कर दिया। शेट्टी ने डोंग की स्ट्रीक को तोड़ दिया लेकिन चीनी शटलर ने लगातार चार अंक हासिल कर पहला गेम शेट्टी की पहुंच से पूरी तरह बाहर कर दिया। उन्होंने पहला गेम 21-9 से अपने नाम किया।

बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता ने दूसरे गेम में वापसी की और डोंग के खिलाफ शुरूआती 5-1 की बढ़त ले ली। हालाँकि, डोंग ने वापसी की और स्कोर 10-10 के साथ गेम को वापस बराबरी पर ला दिया।

दूसरे गेम में कड़ा मुकाबला हुआ लेकिन शेट्टी डोंग को मात देने में सफल रहे और 21-18 से जीत के साथ दूसरा गेम सुरक्षित कर लिया। मैच के निर्णायक मुकाबले में दोनों शटलरों ने कड़ा संघर्ष किया और एक-दूसरे को एक-एक अंक के लिए कड़ी मेहनत करने पर मजबूर किया। हालांकि अंत में डोंग ने सेट 21-16 से अपने नाम कर अगले दौर में प्रवेश किया। शेट्टी के बाहर होने से रुइचांग चाइना मास्टर्स 2024 में भारत की चुनौती भी समाप्त हो गई।

प्री-क्वार्टर फाइनल में उत्तराखंड

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रही तीसरी सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप के चौथे दिन आदित्य मेहरा, उत्तराखंड के चार अन्य मुक्केबाजों के साथ और आरती कुमार समेत दिल्ली के छह मुक्केबाज क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। लड़कों के वर्ग में उत्तराखंड का दबदबा रहा और पांच में से चार मुक्केबाजों ने आरएससी निर्णय के साथ अपने-अपने मुकाबले जीते।

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध होंगे शाकिब

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने उम्मीद जताई है कि ऑलराउंडर शाकिब अल हसन श्रीलंका के खिलाफ 30 मार्च से होने वाले दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच के लिए उपलब्ध होंगे। इससे पहले, बीसीबी ने कहा था कि शाकिब, जो न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज गंवाने के बाद श्रीलंका के खिलाफ सफेद गेंद की सीरीज से चूक गए थे, टेस्ट श्रृंखला के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। हालाँकि, ऑलराउंडर ने हाल ही में अपना मन बदल लिया और अब बोर्ड को सूचित किया कि वह सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में दूसरा टेस्ट खेलना चाहते हैं। क्रिकबज के अनुसार, बीसीबी के एक शीर्ष अधिकारी ने शुक्रवार को बताया, हम उम्मीद कर रहे हैं कि वह श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान उपलब्ध रहेंगे क्योंकि वह खेलना चाहते हैं। मुझे लगता है कि उनके पास खेल के लिए पूरी तरह तैयार होने के लिए अभी भी समय है। शाकिब की वापसी मेजबान टीम के लिए बहुत बड़ा प्रोत्साहन होगी क्योंकि अंगूठे की चोट के कारण श्रृंखला से बाहर होने के बाद उन्हें मुश्फिकुर रहीम के अनुभव की कमी खल रही है। शाकिब ने आखिरी टेस्ट मैच अप्रैल 2023 में खेला था जब वह मेजबान टीम के लिए आयरलैंड के खिलाफ उन्हीं के मैदान पर खेले थे। शाकिब हाल ही में देश के पारंपरिक लिस्ट ए टूनामेंट ढाका प्रीमियर लीग में खेलने के लिए शेख जमाल धनमंडी क्लब में शामिल हुए हैं, ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी की तैयारी के लिए उन्हें बल्ले के साथ कुछ और समय मिल सके।

पीसीबी के पूर्व अध्यक्ष शहरयार खान का 89 वर्ष की आयु में निधन

एजेंसी। नई दिल्ली

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष शहरयार खान का शनिवार को लाहौर में लंबी बीमारी के कारण 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। पीसीबी ने शहरयार खान के निधन की घोषणा करते हुए एक बयान जारी किया, जिसमें लिखा था, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड, अपने अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स और कर्मचारियों के माध्यम से, आज सुबह लाहौर में पूर्व पीसीबी अध्यक्ष शहरयार खान के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करता है। वह 89 वर्ष के थे। जियो न्यूज उर्दू के अनुसार, शहरयार खान लंबे समय से बीमार थे और उन्हें कराची में दफनाया जाएगा। दिसंबर 2003 में, शहरयार ने जनरल तौकीर ज़िया से पीसीबी अध्यक्ष का पद संभाला। यह वह समय था जब वित्तीय कुप्रबंधन और भाई-भतीजावाद के आरोपों के कारण पीसीबी की प्रतिष्ठा को नुकसान हुआ था। उनके आने के बाद बोर्ड बदल गया और एक मजबूत नेतृत्व के रूप में सामने आया। उनकी नियुक्ति ने पाकिस्तान के क्रिकेट को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 2004 में, उन्होंने पूर्व अंग्रेजी क्रिकेटर बॉब वूल्मर को राष्ट्रीय टीम का कोच नियुक्त किया और वूल्मर को लाने का तुरंत फल मिला क्योंकि टीम अधिक स्थिर दिख रही थी। जब क्रिकेट की दुनिया में भारत का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा था तब उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर चुनौतियों का सामना करना शुरू हुआ। अक्टूबर 2006 में, उनका अनुबंध समाप्त होने से दो महीने पहले ही उनका कार्यकाल समाप्त हो गया। उन पर डेरेल हेयर-ओवल संकट के समय खिलाड़ियों को अधिकार के साथ संभालने में विफलता का आरोप लगाया गया था। 2006 में, अंपायर डेरेल हेयर और बिली डॉक्ट्रोव ने कहा कि पाकिस्तान टीम इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के चौथे दिन गेंद से छेड़छाड़ में शामिल थी। एक शानदार राजनीतिक करियर के बाद उन्हें पीसीबी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। 1957 और 1994 के बीच, उन्होंने पाकिस्तान के विदेश सचिव के साथ-साथ राजदूत और उच्चायुक्त के रूप में भी काम किया। उन्होंने लंदन में तीसरे सचिव, ट्यूनिस में दूसरे सचिव और 1987 में लंदन में तैनात होने से पहले 1976 में जॉर्डन में पाकिस्तान के राजदूत के रूप में भी कार्य किया। शहरयार ने 1999 से 2001 तक फ्रांस में पाकिस्तान के राजदूत के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने 1999 के भारत दौरे और आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2003 के दौरान पाकिस्तान की राष्ट्रीय पुरुष टीम के टीम मैनेजर के रूप में भी काम किया। पीसीबी अध्यक्ष के रूप में उनका दूसरा कार्यकाल 2014 में उस समय शुरू हुआ जब पाकिस्तान क्रिकेट एक बार फिर उथल-पुथल में फंस गया था। नजम सेठी और जका अशरफ के बीच अध्यक्ष की भूमिका में कई बार बदलाव देखा गया। पीसीबी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा निर्विरोध मतदान के बाद आखिरकार शहरयार को अध्यक्ष के रूप में शामिल किया गया। पीसीबी ने शहरयार खान के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

वॉटसन के कोचिंग अनुबंध अस्वीकार करने पर पीसीबी अध्यक्ष ने कहा

मीडिया में कई बातें लीक हुईं

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने स्वीकार किया कि पीसीबी राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के रिक्त पद को भरने के लिए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर शेन वॉटसन के साथ बातचीत कर रहा था और उन कारणों में से एक का खुलासा किया जिसके कारण 42 वर्षीय ने अनुबंध को अस्वीकार कर दिया। पिछले साल विश्व कप की समाप्ति के बाद ग्रांट ब्रैडबर्न के पाकिस्तान से अलग होने के बाद से पीसीबी नए पुरुष राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच की तलाश में है। मोहम्मद हफीज ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड दौरे के दौरान टीम के मुख्य कोच और टीम निदेशक के रूप में कार्य किया। लेकिन पिछले महीने उन्होंने टीम निदेशक का पद छोड़ दिया जिससे यह पद एक बार फिर खाली हो गया। इस पद को भरने के लिए शीर्ष दावेदार के रूप में उभरे वॉटसन इस साल पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) फ्रेंचाइजी क्वेटा ग्लैडिएटर्स के साथ कोच के रूप में अपने कार्यकाल के लिए हाल ही में पाकिस्तान में थे। वॉटसन के कोचिंग में क्वेटा ने पाँच वर्षों में पहली बार प्लेऑफ में जगह बनाई है। इस्लामाबाद यूनाइटेड से 39 रनों की हार के बाद वे प्रतियोगिता से बाहर हो गए। ईएसपीएनक्रिकइंफो के मुताबिक, वॉटसन पाकिस्तान के सीमित ओवरों के कोच की भूमिका निभाने के लिए काफी चर्चा में थे। लेकिन उन्होंने अपनी कोचिंग और कमेंटरी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने का फैसला करते हुए अपना नाम वापस ले लिया। नकवी ने इस पद के लिए दावेदार के रूप में वॉटसन के बारे में बात की और कहा कि मीडिया में कोचिंग से संबंधित खबर लीक होने से उनके करार से इनकार करने में भूमिका निभाई। जियो न्यूज के हवाले से नकवी ने कहा, हम शेन वॉटसन के साथ भी बातचीत कर रहे थे और उनके प्रस्ताव स्वीकार न करने का एक कारण यह था कि मीडिया में बहुत सारी बातें लीक हो गईं, जिनमें से अधिकांश सही नहीं थीं।

सबालेंका और गॉफ मियामी ओपन के तीसरे दौर में

मियामी। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने लचीलेपन और फोकस का प्रदर्शन करते हुए मियामी ओपन में पाउला बडोसा पर 6-4, 6-3 की जीत के साथ तीसरे दौर में अपनी जगह पक्की की। बडोसा में एक दृढ़ प्रतिद्वंद्वी का सामना करते हुए, सबालेंका को शुरूआती सेट में प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। हालाँकि, अपनी ट्रेडमार्क दृढ़ता का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने बडोसा की सर्विस तोड़कर महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली। पहले सेट में, बडोसा ने बहादुरी से संघर्ष किया और सबालेंका के खिलाफ दो ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए उल्लेखनीय ताकत का प्रदर्शन किया और 3-2 की बढ़त बना ली।

खबरें व्यापार जगत की

होली के लिए सजे बाजार, व्यापारियों को ग्राहकों का इंतजार

मंडी। देशवासियों में होली को लेकर अद्भुत उत्साह देखने को मिल रहा है। सभी लोग होली की तैयारियों में जुट हुए हैं। इस बीच, मंडी के व्यापारियों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है, लेकिन कुछ व्यापारी यह भी शिकायत करते नजर आ रहे हैं कि इस बार अन्य वर्षों की तुलना में अच्छी खरीददारी नहीं हो रही है। वहीं, होली से एक दिन पहले हिमाचल प्रदेश में छोटी काशी नाम से मशहूर मंडी का बाजार सज गया है, जिसमें उत्तराखंड के हरिद्वार से क्विंटलों के हिसाब से होली के रंग छोटी काशी पहुंच चुके हैं। इस बार पांच नहीं सात तरह के रंग बाजार में बिक रहे हैं। लाल, हरा, गुलाबी, पीला, हनुमानी और बैंगनी रंग 50 रुपये का 200 ग्राम मिल रहा है। यानी हर प्रकार के रंग 250 रुपये किलो तक बिक रहे हैं, जबकि पिछले साल इनकी कीमत 200 रुपये किलो थी। सेरी मंच पर होली के जश्न को दोगुना करने के लिए रंगों के साथ कई तरह के मुकुट भी दुकानों में सज चुके हैं। इनकी कीमत 50 से 100 रुपये तक है। इस बार पिचकारियों और खिलोनों के रेट भी बढ़े हैं। पानी में घुलने वाले रंगों के साथ रंग बिरंगे फॉग स्प्रे, विभिन्न प्रकार के गुलाल भी लोगों को उत्साहित कर रहे हैं। सेरी मंच पर बैठे दुकानदारों ने बताया कि इस बार रंग हरिद्वार से लाए गए हैं। इस बार काफी रंग बिकने की संभावना थी, लेकिन होली से एक दिन पहले रविवार की वजह से कम लोग रंग खरीद रहे हैं। वहीं राजमाधव राय के राजपुरोहित पुष्प राज शर्मा ने मंडी में एक दिन पहले होली मनाने को लेकर कहा कि होली मंडी में पूर्णमासी व तिथि के अनुसार मनाए जाते हैं।

मारुति सुजुकी ने घरेलू एआई स्टार्टअप अम्लगो लैब्स में हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग (एआई-एमएल) के नेतृत्व वाले स्टार्टअप अम्लगो लैब्स प्राइवेट लिमिटेड में निवेश किया है। कंपनी ने शनिवार को यह जानकारी दी। 1.99 करोड़ से ज्यादा के निवेश के साथ, मारुति सुजुकी के पास स्टार्टअप में 6.44 प्रतिशत से अधिक की इक्विटी होगी। स्टार्टअप डेटा-संचालित निर्णय लेने में कंपनियों की मदद के लिए डेटा एनालिटिक्स, क्लाउड इंजीनियरिंग और एआई-एमएल के क्षेत्र में काम करते हैं। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ हिसाशी टेकुची ने कहा, "सरकार की स्टार्टअप इंडिया पहल के अनुरूप, हम स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने और ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के लिए रिलेवेंट समाधान विकसित करने में इनोवेशन को प्रोत्साहित करने के लिए एक्टिव रूप से काम कर रहे हैं।" यह निवेश मारुति सुजुकी इनोवेशन फंड के जरिए किया जा रहा है। यह कंपनी का दूसरा ऐसा निवेश है। इससे पहले, कंपनी ने जून 2022 में सोशियोग्राफ सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड में निवेश किया था। अम्लगो लैब्स प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक अजय यादव ने कहा, डेटा एनालिटिक्स, एमएल और एआई-आधारित समाधानों में हमारी विशेषज्ञता को मारुति सुजुकी द्वारा पेश किए गए मेंटरशिप और नेटवर्किंग अवसरों के साथ जोड़कर, हम अपनी पेशकश को और बेहतर बनाने में सक्षम होंगे। एमलगो लैब्स के कार्यालय गुरुग्राम, बेंगलुरु और अमेरिका में डेलावेयर में हैं।

केंद्र ने प्याज के निर्यात पर जारी प्रतिबंध अनिश्चितकाल के लिए बढ़ाया

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में केंद्र सरकार ने प्याज की कीमत को काबू में रखने के लिए प्याज के निर्यात पर लागू प्रतिबंध को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया है। प्याज के निर्यात पर दिसंबर में लगाया गया प्रतिबंध 31 मार्च, 2024 को समाप्त होने वाला था। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने देर रात जारी एक अधिसूचना में कहा है कि प्याज के निर्यात पर लागू मौजूदा प्रतिबंध अगली सूचना तक जारी रहेगा। सरकार ने प्याज की कीमतों पर नियंत्रण के लिए दिसंबर में प्रतिबंध लगाया था, जो 31 मार्च, 2024 को समाप्त होने वाला था। लोकसभा चुनाव से भारत सरकार के इस कदम से विदेशी बाजारों में प्याज की कीमतों में इजाफा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि देश के सबसे बड़े प्याज उत्पादक राज्य महाराष्ट्र के कुछ थोक बाजारों में प्याज की कीमतें दिसंबर 2023 के 4,500 रुपये से घटकर 1,200 रुपये (14 यूएस डॉलर) प्रति क्विंटल हो गई हैं। हालांकि, देश के अधिकांश राज्यों में प्याज का मौजूदा खुदरा भाव 30 रुपये प्रति किलोग्राम है।

चीन में इंटरनेट यूजरों की संख्या लगभग 1.1 अरब

बीजिंग। चीन इंटरनेट नेटवर्क सूचना केंद्र (सीएनएनआईसी) ने 22 मार्च को पेइचिंग में 53वींचीन में इंटरनेट विकास पर सांख्यिकीय रिपोर्टजारी की। रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर 2023 तक चीन में इंटरनेट यूजरों की संख्या एक अरब नौ करोड़ 20 लाख तक पहुंच गई है, जो दिसंबर 2022 की तुलना में दो करोड़ 48 लाख अधिक है। देश में इंटरनेट प्रवेश दर 77.5 प्रतिशत तक पहुंच गई है। रिपोर्ट से पता चलता है कि दिसंबर 2023 तक चीन में कुल 33 लाख 77 हजार 5जी बेस स्टेशन बनाए गए हैं, जो देश भर में सभी प्रीफेक्चर स्तर के शहरों और काउंटियों को कवर करते हैं। 5जी और गीगाबाइट ऑप्टिकल नेटवर्क से बने डबल गीगाबाइट नेटवर्क ने बुद्धिमान विनिर्माण, स्मार्ट शहर, ग्रामीण पुनरोद्धार और सांस्कृतिक पर्यटन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में नवीन विकास को व्यापक रूप से बढ़ावा दिया है। रिपोर्ट बताती है कि साल 2023 में चीन में सूचना सेवाओं को लोकप्रिय बनाने और डिजिटल खाई को पाटने में तेजी आई है। सार्वजनिक सेवा अनुप्रयोगों की कवरेज में तेजी आयी है, और ऑनलाइन कार हेलींग और इंटरनेट चिकित्सा यूजरों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। स्मार्ट यात्रा, स्मार्ट चिकित्सा देखभाल आदि के निरंतर विकास ने नेटिजन्स के डिजिटल जीवन को खुशहाल बना दिया है।

सेंटर ऑफ एक्सेलेंस के लिए खिलाड़ियों का चयन ट्रायल संपन्न

बैडमिंटन, कुश्ती और फुटबॉल के लिए हुई थी चयन प्रतियोगिता

नवीन मेल संवाददाता। रांची

पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार एवं जिला प्रशासन रांची के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय चयन ट्रायल के अंतिम दिन शनिवार को सर्वश्रेष्ठ बालक-बालिका खिलाड़ियों का चयन कौशल, एंड्यूरेंस और अंकतालिका के आधार पर किया गया। चयन प्रतियोगिता का आयोजन 21 से 23 मार्च 2024 तक किया गया था। बैडमिंटन एवं कुश्ती के लिए खेल गांव, होटवार और फुटबॉल के लिए बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, मोरहाबादी में चयन ट्रायल हुआ। तीसरे और अंतिम दिन चयनित प्रशिक्षणार्थियों के कागजात की भी जांच की गई।

चयन प्रतियोगिता के पहले दिन सभी निर्धारित स्थानों पर खिलाड़ियों के पंजीयन के उपरांत शारीरिक दक्षता के तहत बैटरी जांच, दूसरे दिन सभी खेलों से संबंधित कौशल जांच की गई। शनिवार को परिणामों के आधार पर अंतिम सूची तैयार कर ली गई है।

बैडमिंटन, कुश्ती एवं फुटबॉल बालक-बालिका मिलाकर लगभग साढ़े तीन सौ प्रतिभागी चयन प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। इस चयन प्रतियोगिता में विभाग के आवासीय एवं डे बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्र के वरिष्ठ प्रशिक्षक अजय झा, भरत कुमार साहू, रवि शंकर केशरी, सौरभ कुमार, करम मुंडा, सुनील महली, काली चरण महतो, जेम्स पूर्ति, जोलेन होरो, अघनू उरांव, शाहिद अंसारी, गोपाल तिर्की, अंगद कुमार हंसराज, प्रेमचंद पूर्ति, विनय क्षेत्री, फरजाना प्रवीण, दुलारी टोप्नो, अख्तर हुसैन, हसन अंसारी, अनमोल टोप्पो, राजीव रंजन , सोना राम चंपिया, बबलू कुमार,बिरसी मुंडू एवं खेल मित्र संजीव कुमार, प्रीतम मिर्धा, अमरजीत मुंडा ने संयुक्त रूप से अहम भूमिका निभाई। तीनों खेलों की देखरेख जिला खेल संयोजक, रांची आशीष कुमार बनर्जी एवं ऑब्जर्वर साई के प्रशिक्षक ने की। चयनित सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी को विभिन्न खेलों के सेंटर ऑफ एक्सेलेंस केंद्र में रखा जाएगा। यह जानकारी जिला खेल पदाधिकारी, रांची शिवेंद्र कुमार ने दी।

कभी कोई दबाव महसूस नहीं हुआ : गायकवाड़

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 सीजन के शुरूआती मैच में जीत के साथ अपनी कप्तानी की शुरूआत करने वाले चेन्नई सुपर किंग्स के नवनियुक्त कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने कहा कि उन्हें टीम का नेतृत्व करते हुए कोई दबाव महसूस नहीं हुआ। रचिन रवींद्र और शिवम दुबे की उम्दा पारियों और मुस्तफिजुर रहमान के चार विकेटों की बदौलत गत चैंपियन सीएसके ने आरसीबी पर छह विकेट से हराकर, गायकवाड़ युग की शानदार शुरूआत की। जीत के साथ, सीएसके ने आरसीबी के खिलाफ अपने शानदार घरेलू रिकॉर्ड को आगे बढ़ाया। अपने घरेलू मैदान पर सीएसके ने आरसीबी से 9 मैच खेले हैं, जिसमें उसने 8 जीत दर्ज की है और उसे एक मैच में हार का सामना करना पड़ा है।

सोरेन परिवार की होली इस बार हर मायने में अलग

नवीन मेल संवाददाता। रांची

सोरेन परिवार और पार्टी से नाता तोड़कर शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन भगवा रंग में रंग चुकी हैं। अब भाजपाई हो चुकी हैं। इनके लिए इस बार की होली बेहद खास हो गई है। उन्होंने उस दहलीज को लांघा है, जिसकी हिमाकत आज तक परिवार का कोई सदस्य नहीं कर पाया। कल तक जिनके आंगन में रंग-गुलाल उड़ाने और सेल्फी लेने वालों का तांता लगा रहता था, वहां सन्नाटा पसरा है। पहली बार कल्पना सोरेन की होली फीकी होगी। पहली बार इस त्योहार में उनके साथ पति हेमंत सोरेन नहीं होंगे। पिछले दिनों अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के दिन बड़ी संख्या में महिलाएं कल्पना सोरेन से मिलने गईं थी। उनके आवास पर सभी ने एक दूसरों को गुलाल लगाया था लेकिन कल्पना सोरेन रंग से दूर रहीं। महिलाओं के साथ मुस्कुराती तस्वीर साझा करते हुए एक्स पर अपने मन की बात लिखी। उनका संदेश था कि नारी तू अबला नहीं, स्वयं को पहचान, अपने हक को लड़ स्वयं, तब होगा उत्थान। अब वह लड़ रही हैं। लैंड स्कैम मामले में हेमंत सोरेन बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में हैं। उनके जीवन की यह पहली होली होगी, जब वह अपनों से दूर होंगे। क्योंकि, जेल मैन्युअल के हिसाब से केंद्रीय कारा में कैदियों के लिए हर त्योहार को मनाने की अलग से व्यवस्था होती है। विशेष भोजन का भी ख्याल रखा जाता है ताकि घर परिवार को कोई मिस ना करे। इसमें कोई शक नहीं कि हेमंत सोरेन की छवि एक मिलनसार नेता के रूप में है। आम लोगों के बीच पिछले साल बजट सत्र के दौरान विधानसभा में आयोजित होली मिलन समारोह की चर्चा है, जब मुख्यमंत्री रहते हेमंत सोरन ने कहा था कि पूरे वातावरण में खुशहाली का एक माहौल खड़ा हो रहा है। संभव है कि इस बार उनका संदेश उनकी पत्नी कल्पना सोरेन के जरिए राज्यवासियों तक पहुंचे।

आंकड़े के लिहाज से कल्पना के लिए गांडेय की राह नहीं है आसान, एनडीए का पलड़ा भी भारी

उपेंद्र गुप्ता

रांची। कोडरमा लोकसभा के गांडेय विधानसभा क्षेत्र से उपचुनाव पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ही लड़ेगी, यह लगभग तय माना जा रहा है,भले ही अभी अधिकृत रूप से इसकी घोषणा नहीं की गई है, लेकिन कल्पना सोरेन जिस तरह गांडेय विधानसभा में सक्रिय हुई है, उससे किन्तु-परन्तु फिलहाल नजर नहीं रहा है। गांडेय विधानसभा में उपचुनाव के लिए 20 मई को मतदान होगा। कल्पना सोरेन के लिए गांडेय सीट से सरफराज अहमद को इस्तीफा दिलाया गया था, और अब उन्हें राज्यसभा भेज कर उपचुनाव की कमान सौंप दी गई है। लेकिन सवाल यह भी उठ रहा है कि खुद सरफराज अहमद बड़ी मुश्किल से 9 हजार वोट से जीते थे, क्या वे इस बार कल्पना को भारी मतों से जीत दर्ज कराने में सफल नहीं होंगे। दरअसल कल्पना के लिए गांडेय की राह जितनी आसान दिख रही है, वह उतनी आसान है नहीं। इसे आंकड़े से समझा जा सकता है।

झामुमो का गढ़ रहा है गांडेय

गांडेय विधानसभा सामान्य सीट होने के बावजूद झामुमो का गढ़ रहा है। इस सीट से झामुमो ने 1985, 1990, 2000, 2005 और 2019 में पांच बार जीत दर्ज की है । इस सीट से डॉ सरफराज अहमद दो बार चुनाव जीत कर विधानसभा पहुंचे हैं। पहली बार 1980 में कांग्रेस के टिकट पर इन्होंने चुनाव जीता है, जबकि वर्ष 2019 में झामुमो से विजयी होकर विधानसभा पहुंचे थे। मुस्लिम और आदिवासी बहुल क्षेत्र होने के कारण झामुमो के लिए यह सीट सबसे सुरक्षित मानी जाती है। सामान्य होने के बावजूद झामुमो के आदिवासी नेता सालखन सोरेन चार बार झामुमो का परचम लहरा चुके हैं, यही कारण है कि कल्पना सोरेन के लिए सरफराज अहमद से यह सीट खाली कराई गई और सरफराज को राज्यसभा भेजा गया। झामुमो किसी भी सूरत में दूसरे सीट से रिस्क नहीं लेना चाहता है।

एकजुटता के कारण पलड़ा भारी है एनडीए का

2019 के विधानसभा चुनाव में एनडीए का कुनबा पूरी विखरा हुआ था, आजसू और तब बाबूलाल मरांडी की पार्टी झारखंड विकास मोर्चा भी चुनाव मैदान में उतरी थी, लेकिन इस बार स्थिति बिल्कुल अलग है, बाबूलाल की पार्टी का विलय भाजपा में हो चुका है और बाबूलाल खुद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं। वहीं आजसू भी एनडीए में फिर से शामिल हो चुका है। ऐसे में गांडेय में एनडीए पिछली बार की तुलना में काफी मजबूत है।

2019 में झामुमो प्रत्याशी सरफराज अहमद को करीब 65 हजार वोट मिले थे, जबकि भाजपा प्रत्याशी को 56 हजार, आजसू को 15 हजार और बाबूलाल मरांडी की पार्टी जेवीएम को करीब 9 हजार वोट हासिल हुआ था। आजसू और जेवीएम वोट को मिला दे, तो करीब 25 वोट हजार होता है, इस आंकड़े के लिहाज से एनडीए इंडिया गठबंधन से मजबूत दिख रही है। पिछली बार वाम दल को 7 हजार और ओवैशी की पार्टी को 6 हजार वोट मिला था। इसे भी जोड़-घटाव कर ले तो भी एनडीए का पलड़ा भारी दिखता है।

सहानुभूति वोट के सहारे कल्पना

पिछली बार 2019 के विधानसभा चुनाव में जहां एकतरफ रघुवर दास सरकार के खिलाफ भारी नाराजगी थी और हेमंत है तो हिम्मत है के नारों से परिस्थिति अलग थी, लेकिन विपक्ष इस बार हेमंत सरकार के भ्रष्टाचार को मुख्य चुनावी मुद्दा बनेगा। कल्पना सोरेन जहां अपने पति हेमंत सोरेन को साजिश के तहत जेल भेजने को मुद्दा बानाकर सहानुभूति वोट बटोरना चाहेगी, वहीं एनडीए हेमंत सरकार के कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार के मुद्दे पर झामुमो को घेरने की कोशिश करेगी । दोनों गठबंधन के नेताओं के अपने-अपने दावे हैं, लेकिन जातीय समीकरण और आंकड़े के हिसाब से कल्पना सोरेन के लिए गांडेय की डगर भी आसान नहीं होने वाली है।

उपायुक्त ने मतदान केंद्रों पर न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध कराने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता। रांची

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने शनिवार को समाहरणालय में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक की। इस दौरान उपायुक्त ने मतदान केंद्रों पर न्यूनतम सुविधाएं (एएमएफ) उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। बैठक में जिले के सभी अंचलाधिकारी, शिक्षा पदाधिकारी, बीआरपी, सीआरपीडीओ और संबंधित चुनाव से जुड़े पदाधिकारियों को आवश्यक तैयारियों को ससमय पूरा करने का निर्देश दिया। डीइओ ने मतदान केंद्रों पर सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाओं (एएमएफ) के संबंध में प्रखंडों को निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि मतदान केंद्रों पर शौचालय और स्नानघर सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी शौचालय साफ हों और उपयोग योग्य स्थिति में हों। नहाने और शौचालय के लिए पानी की

उपलब्धता, हाथ धोने और अन्य उपयोगों के लिए छोटे साबुन उपलब्ध कराएं।

बाल्टी तथा मग अवश्य रखें। यदि भौतिक शौचालय पर्याप्त न हों तो मोबाइल शौचालय की संभावना तलाशें। पीने का पानी स्वच्छ पेयजल के लिए स्टील के गिलास के साथ मिट्टी के बर्तन (2-3), स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति को पुनः जारी रखें। मतदान कर्मियों को बोतलबंद पानी उपलब्ध कराया जाए तो और भी बेहतर होगा। भोजन तीन बारः सुबह 6-7 बजे नाश्ता, दोपहर 12-1 बजे दोपहर का भोजन, 4-5 बजे चाय-नाश्ता। एमडीएम कर्मचारी उपरोक्त वर्णित अनुसार तीन बार बुनियादी भोजन उपलब्ध कराएं (पेमेंट बेसिस पर खाना दिया जाएगा)। इसके अतिरिक्त, उस पंचायत में भोजन और नाश्ते के लिए एक आपूर्तिकर्ता, दुकान को टैग करें। पोलिंग बूथ के अन्दर उसका नाम और संपर्क नंबर चिपकाएं। मतदान के दिन से पहले ही आपूर्तिकर्ता को भोजन की आवश्यकता के बारे में सूचित करें। मतदान दल के जरिये आपूर्तिकर्ता को भुगतान किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि हर मतदान बूथों पर सुरक्षा व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रहेगी। खास करके संवेदनशील बूथों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल मतदान केंद्रों में तैनात रहेंगे।

देश में निष्पक्ष चुनाव के लिए राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट करें हस्तक्षेप : सुप्रीयो भट्टाचार्य

चुनाव आयोग धड़ाधड़ राज्यों के डीजीपी और गृह सचिव को हटा रही है

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झामुमो के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने केंद्र सरकार पर एक बार फिर हमला करते हे कहा कि मोदी सरकार देश में चुनाव को एकतरफा करना चाहती है,इसलिए हेमंत सोरेन को राजभवन से और अरविंद केजरीवाल को सीएम हाउस से गिरफ्तार कर रही है। इस मामले में राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट को खुद संज्ञान लेना चाहिए। जिससे देश में निष्पक्ष चुनाव हो सकें। इसके लिए सभी को बराबर का मौका मिलना चाहिए। झामुमो नेता ने कहा कि पार्टी कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चुनाव आयोग धड़ाधड़ राज्यों के डीजीपी और गृह सचिव को हटा रही है। ईडी और सीबीआई वाले

खुद पुलिसिंग का काम कर रहे हैं। झामुमो नेता ने कहा कि रांची में जिस भुइहरी जमीन के मामले में हेमंत सोरेन को जेल भेजा गया, समें कहीं से मनी ट्रेडिंग नहीं हुई है, सी तरह से दिल्ली में शराब घोटाले में भी मनी ट्रेडिंग का मामला नहीं है, कहीं एक रूपया भी बरामद नहीं हा है, सके बावजूद दोनों मुख्यमंत्री को जेल भेजा गया है, एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि के साथ स तरह कार्रवाई उचित नहीं है। जबकि इलेक्ट्रॉल बॉड में करोड़ों का लेन-देन का मामला सामने रहा हैष स पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की भी मौजूद थे।

जमशेदपुर में ब्राउन शुगर के साथ दो आरोपित गिरफ्तार

जमशेदपुर। जमशेदपुर की टेल्को थाना पुलिस ने शनिवार को मिलेनियम पार्क के नजदीक ब्राउन शुगर के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपितों के पास से 25 पुड़िया ब्राउन शुगर और एक बाइक सहित अन्य समान बरामद हुए हैं। गिरफ्तार आरोपित में गोविंदपुर थाना क्षेत्र स्थित न्यू बस्ती घोड़ाबंधा निवासी संजय गोराई और बिरसानगर थाना क्षेत्र स्थित ज्ञानदीप स्कूल के नजदीक रहने वाला राजेश तंतुबाई शामिल हैं। पुलिस के अनुसार बीते शुक्रवार को गुप्त सूचना मिली थी कि टेल्को थाना क्षेत्र के मिलेनियम पार्क के समीप साई मंदिर के पास दो लड़के ब्राउन शुगर की ब्रिकी कर रहे हैं। सूचना पर छापेमारी दल मौके पर पहुंची और संजय गोराई एवं राजेश तंतुबाई को 25 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ पकड़ा।

केंद्रीय शांति समिति की बैठक में रैश ड्राइविंग पर रोक लगाने की मांग

होली और रमजान के कार्यक्रमों में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता। रांची

होली को लेकर शनिवार को केन्द्रीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी। रांची समाहरणालय ब्लॉक बी स्थित कमरा संख्या- 307 में आयोजित बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी सदर उत्कर्ष कुमार, पुलिस अधीक्षक, शहर सह ग्रामीण सुमित कुमार अग्रवाल, अपर जिला दंडाधिकारी, रांची राजेश्वरनाथ आलोक, जिला नजारत उपसमाहर्त्ता सुदेश कुमार, संबंधित पुलिस पदाधिकारी एवं विभिन्न शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे। बैठक में सौहार्दपूर्ण वातावरण में होली का पर्व मनाने की बात कही गयी। बैठक के दौरान शांति समिति के सदस्यों ने रमजान के दौरान होलिका दहन एवं होली सांप्रदायिक सौहार्द के साथ मनाने की बात कही। समिति के सदस्यों द्वारा शराब दुकानें बंद रखने, आपराधिक प्रवृति के लोगों पर कार्रवाई करने, रैश ड्राइविंग

पर लगाम लगाने सहित कई बातें रखी गयी।

▸▸ रांची की सांस्कृतिक विरासत बहुत अच्छी : एसएसपी

वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा ने बैठक में कहा कि रांची की सांस्कृतिक विरासत काफी अच्छी है। उन्होंने कहा कि हमेशा से रांची में भाईचारे के साथ अच्छे वातावरण में त्योहार संपन्न होते हैं, इस बार भी सभी के सहयोग से त्योहार संपन्न होगा। वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि किसी तरह की आपराधिक गतिविधि की जानकारी ससमय पुलिस को दीजिये, अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। बैठक में पुलिस अधीक्षक नगर सह ग्रामीण सुमित कुमार अग्रवाल ने कहा कि शांति समिति के सदस्यों की ओर से जिन बिन्दुओं पर ध्यान आकृष्ट कराया गया है उस पर आवश्यक कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि रैश ड्राइविंग पर लगाम लगाने के लिए चेकनाका की संख्या बढ़ायी जायेगी। संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति के साथ पेट्रोलिंग की भी व्यवस्था होगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि तय मानक के अनुसार डीजे का उपयोग करें, विवादित गाने न बजायें, आदेश की अवहेलना करने पर डीजे जब्त कर लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर भी पुलिस की पैनी नजर रहेगी। बैठक में अनुमण्डल दण्डाधिकारी रांची सदर उत्कर्ष कुमार ने कहा कि जरुरत पड़ने पर शांति समिति के सदस्य हमेशा उपस्थित रहते हैं, आपके जज्बे को सलाम। उन्होंने कहा कि चुनाव को लेकर आदर्श आचार संहिता लागू है, इस बात का ध्यान रखें कि होली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान आदर्श आचार संहिता की अवहेलना न हो।

अपर जिला दण्डाधिकारी द्वारा शांति समिति के सभी सदस्यों को पर्व के दौरान सचेत रहने को कहा गया, उन्होंने कहा कि किसी भी मामले को बढ़ने से फौरन रोकें। ऐसा पहली बार नहीं है जब हमने एक साथ कई त्यौहार मनाया है, इस बार भी मिलकर त्योहार मनायें।

मोदी को विकसित भारत बनाने की चिंता और विपक्ष को मोदी को हटाने की : मरांडी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश कार्यालय में मिलन कार्यक्रम आयोजितरांची। भाजपा प्रदेश कार्यालय में शनिवार को मिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के समक्ष लोजपा युवा मोर्चा और अंबेडकर जन संघर्ष मोर्चा, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रंजीत राम और पूर्व आईजी देव बिहारी शर्मा को पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत किया। पार्टी के प्रदेश महामंत्री एवं सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने 8980808080 टोल फ्री नंबर पर पार्टी की विधिवत सदस्यता दिलाई। मौके पर बाबूलाल मरांडी ने कांग्रेस-झामुमो-राजद के महागठबंधन पर बड़ा हमला बोला। मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को विकसित भारत, आत्म निर्भर भारत स्वाभिमानी भारत बनाने की चिंता है। प्रधानमंत्री मोदी पिछले 10 वर्षों से एक दिन भी बिना छुट्टी लिए राष्ट्र सेवा, गांव, गरीब, किसान, मजदूर, महिला, आदिवासी, दलित, पिछड़े सभी के कल्याण के लिए जुटे हैं। आज भारत का स्वाभिमान-सम्मान दुनिया में बढ़ा है लेकिन यह विकास और गरीबों का उत्थान विपक्ष को बर्दाश्त नहीं।मरांडी ने कहा कि जिन्होंने वर्षों तक भ्रष्टाचार किया उन्हें ईमानदार देश सेवक सहन नहीं। इसलिए आज सारे भ्रष्टाचारी एकजुट हो रहे। उन्होंने आह्वान किया कि अपने बूथ पर भाजपा को बहुमत दिलाएं। जनता के आशीर्वाद और कार्यकताओं के परिश्रम से तीसरी बार मोदी सरकार का संकल्प पूरा होगा। झारखंड की 14 लोकसभा सीट एवं देश में 400 का आंकड़ा पार होगा। रंजीत राम ने कहा कि नरेन्द्र मोदी पर देश को ही नहीं दुनिया को भरोसा है। उन्होंने पार्टी की सदस्यता दिलाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी का आभार प्रकट किया।

न्यूज बॉक्स

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के भाई राजेश कोड़ा ने मांगी अग्रिम जमानत

रांची । रांची सिविल कोर्ट में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के भाई राजेश कोड़ा ने अग्रिम जमानत के लिए गुहार लगायी है। राजेश कोड़ा ने अधिवक्ता जयशंकर तिवारी के माध्यम से शनिवार को कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर रांची सिविल कोर्ट में एक अप्रैल को सुनवाई होगी।

राजेश कोड़ा पर इनकम टैक्स रिटर्न नहीं भरने का आरोप है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की शिकायत के अनुसार राजेश कोड़ा ने वर्ष 2004 से 2010 तक इनकम टैक्स रिटर्न नहीं भरा है। इससे पहले इनकम टैक्स रिटर्न से जुड़े केस में मधु कोड़ा की पत्नी और भाजपा में शामिल हो चुकी सांसद गीता कोड़ा ने भी जमानत अर्जी दाखिल की थी। दोनों को कोर्ट से बेल मिल चुकी है।

हटिया विधानसभा क्षेत्र के 11 मतदान केन्द्रों के भवनों के नाम परिवर्तित

रांची। हटिया विधानसभा क्षेत्र के 11 मतदान केन्द्रों के भवनों के नाम परिवर्तित किये गये हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी राहुल कुमार सिन्हा ने शनिवार को मतदान केन्द्रों के भवनों के नाम परिवर्तन से संबंधित प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान की है। निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी 64-हटिया सह अपर जिला दण्डाधिकारी (विधि-व्यवस्था) की ओर से कुल 11 मतदान केन्द्रों के भवनों के नाम परिवर्तित हो जाने के कारण नाम परिवर्तन संबंधी प्रस्ताव जिला निर्वाचन पदाधिकारी को उपलब्ध कराया गया था। इस पर निवार्ची पदाधिकारी के हस्तपुस्तिका के कंडिका 2.11 के अनुसार स्वीकृति प्रदान की गयी है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी की ओर से निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी,सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी 64-हटिया को परिवर्तित मतदान केन्द्र क्षेत्र में बीएलओ, सुपरवाइजर एवं अन्य माध्यमों से आम जनता के बीच प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया है। साथ ही सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य दलों के जरिये बीएलओ एवं अन्य माध्यमों से प्रचार-प्रसार करने का अनुरोध भी किया गया है।

पूर्व विधायक पर हमले के मामले में एक और आरोपित के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली। झारखंड के पूर्व विधायक गुरचरण नायक पर हुए हमले के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को एक और आरोपित के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। सीपीआई (माओवादी) कैडरों द्वारा किए गए इस हमले दो पुलिस कर्मियों की भी मौत हुई थी। एनआईए की विशेष अदालत रांची के समक्ष अपने इस पूरक आरोप पत्र में जांच एजेंसी ने आरोपित मोने तियू पर आईपीसी, यूए (पी) अधिनियम और शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए हैं। मामला 4 जनवरी 2022 का है। पश्चिम सिंहभूम जिले के हाई स्कूल झिलुरूआ में पूर्व विधायक गुरुचरण नायक पर हुए हमले के संबंध में एनआईए द्वारा पहले दिसंबर 2022 में चौदह लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया था। इसके बाद मई 2023 में दूसरे पूरक आरोप पत्र में दो लोगों को आरोपित किया गया था। एनआईए के प्रवक्ता के मुताबिक, यह आरोप पत्र प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) आतंकवादी समूह के दो सशस्त्र कैडर तिवारी बांकीरा उर्फ शाका (25) और सदन कोरह उर्फ साजन (20) के खिलाफ किया गया था।

झारखंड हाई कोर्ट में मिनरल्स ट्रांसपोर्टेशन के मामले में फैसला सुरक्षित

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में राज्य में मिनरल्स के ट्रांसपोर्टेशन में लगे वाहनों एवं उनपर लदे सामानों को जब्त कर कार्यवाही चलाने और वाहन को नीलाम करने (राज्य सात्करण करने) का अधिकार उपायुक्तों के पास है या अदालत के पास है, इसपर सभी पक्षों की सुनवाई शनिवार को पूरी हो गई। इसके बाद हाई कोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया है। मामले को लेकर जटाशंकर झा सहित 11 याचिकाएं हाई कोर्ट में दाखिल की गई हैं। याचिकाकर्ता ने झारखंड माइनर मिनरल ट्रांसपोर्टेशन एंड स्टोरेज रूल 2017 के रूल 11 (श) को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। याचिकाकताओं का कहना है कि उक्त रूल सेक्शन 21 (4 ए) माइंस एंड मिनरल (रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट) एक्ट 1957 की विरुद्ध है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि झारखंड माइनर मिनरल ट्रांसपोर्टेशन एंड स्टोरेज रूल 2017 के तहत मिनरल्स के ट्रांसपोर्टेशन में लगे वाहनों एवं उनपर लदे सामानों को जब्त कर नीलाम करने का अधिकार उपायुक्तों के पास है लेकिन सेक्शन 21 (4 ए) माइंस एंड मिनरल (रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट) एक्ट 1957 में यह अधिकार अदालत के पास है। इसलिए मिनरल ट्रांसपोर्टेशन के कार्य में लगे वाहनों और उसपर लदे सामानों को जब्त करने, कार्यवाही चलाने एवं नीलाम करने का अधिकार उपायुक्तों के पास नहीं है, यह अधिकार अदालत के पास है।

झारखंड हाई कोर्ट ने छात्रा के साथ गैंगरेप मामले में सजायाफ्ता की जमानत पर फैसला सुरक्षित रखा

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, कांके की छात्रा के साथ गैंगरेप मामले के सजायाफ्ता राजन उरांव की क्रिमिनल अपील की सुनवाई शनिवार को हुई। राजन उरांव की ओर से सजा को निलंबित रखते हुए जमानत देने का आग्रह कोर्ट से किया गया था। कोर्ट ने राजन उरांव की जमानत पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। मामले में कोर्ट नौ अप्रैल को अपना आदेश सुनाएगी। रांची की एक फास्ट ट्रैक अदालत ने नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एनएलयू) की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में 11 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

पृष्ठ एक के शेष

रांची में दिनदहाड़े गढ़वा के कुख्यात...

हुए ताबड़तोड़ फायरिंग की। एक गोली उसकी गर्दन में लगी और वह गिर पड़ा। स्थानीय लोगों की मदद से उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई। पुलिस इसे आपसी रंजिश का मामला मान रही है। तफ्तीश जारी है।

मतदान से पहले सुरक्षा के...

हजारीबाग में आयोजित अगली समीक्षा बैठक में प्रतिवेदन समर्पित करने का निदेश दिया।

मौके पर राज्य पुलिस नोडल पदाधिकारी ए. वी. होमकर, सीआरपीएफ के आईजी राकेश अग्रवाल, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नेहा अरोड़ा, पलामू के प्रमंडलीय आयुक्त बाल किशुन मुंडा, पलामू प्रक्षेत्र के आईजी नरेन्द्र कुमार सिंह, डीआईजी सीआरपीएफ पंकज कुमार सहित पलामू, गढ़वा, लातेहार एवं चतरा जिले के जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, आरक्षी अधीक्षक सहित लोकसभा निर्वाचन से संबंधित वरीय पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

पर्व को लेकर तैनात किये...

सर्तकता बरतने का निर्देश दिया गया है। वहीं दूसरी ओर होली पर्व को लेकर राज्य में विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए कुल 4320 होमगार्ड के जवान को सुरक्षा में लगाया गया है।

एक नजर

आंध्र प्रदेश में एक ही परिवार के 3 सदस्यों ने की आत्महत्या

अमरावती। आंध्र प्रदेश के वाईएसआर (कडप्पा) जिले में स्थानीय राजस्व अधिकारियों द्वारा उनके भूमि रिकॉर्ड के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ किए जाने के बाद एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने आत्महत्या कर ली। 47 वर्षीय सुब्बा राव, जो कि एक बुनकर हैं, उनकी पत्नी और बेटी ने अपना जीवन समाप्त कर लिया। वे आधिकारिक रिकॉर्ड में बदलाव के बाद अपनी तीन एकड़ जमीन बेचने में असमर्थ थे। यह चौंकाने वाली घटना शनिवार को वोंटिमिट्टा मंडल के कोठा माधवरम में घटी। पद्मावती और उनकी बेटी विनय को उनके घर पर लटका हुआ पाया गया। सुब्बा राव ने उसी गांव में ट्रेन के नीचे कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है। परिवार अपनी तीन एकड़ जमीन नहीं बेच पाने से परेशान था।

चमोली में कार दुर्घटना में 3 की मौत

चमोली। उत्तराखंड के चमोली में शुक्रवार बीती देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां 300 मीटर गहरी खाई में एक मारुति कार अनियंत्रित होकर गिर गई, जिसमें तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। तीनों मृतक चमोली के ही बताए जा रहे हैं। मृतकों की पहचान बद्री प्रसाद रतूड़ी, राकेश सती और ललिता प्रसाद के रूप में हुई है।

सांसद राम शिरोमणि बसपा से निष्कासित

श्रावस्ती। बसपा के बलरामपुर जिले के जिलाध्यक्ष लालचन्द कोरी और जिलाध्यक्ष अम्बेडकर नगर सुनील सावंत गौतम ने एक साथ विज्ञप्ति जारी कर सांसद राम शिरोमणि को अनुशासनहीनता और बसपा विरोधी गतिविधियों में लिप्त पाये जाने के बाद निष्कासित किया। जिलाध्यक्षों ने सांसद राम शिरोमणि के निष्कासन की जानकारी लखनऊ के प्रदेश कार्यालय और मीडिया को दे दी है।

रमजान पर जेलों में बंद मछुआरों को रिहा करे भारत और पाक

मुंबई। भारत-पाक की सरकारों से रमजान के पवित्र महीने में सद्भावना के संकेत के रूप में एक शांति कार्यकर्ता ने शनिवार को दोनों देशों की जेलों में बंद महिलाओं समेत मछुआरों को रिहा करने का आग्रह किया है। मुंबई में जतिन देसाई ने कहा, "हर एक मछुआरा जो दूसरे देश की जेल में बंद है, उसे अनजाने में समुद्री सीमा पार करने के लिए गिरफ्तार किया गया है। इनमें 190 भारतीय और पाक की कुछ महिलाएं और 81 अन्य पाकिस्तानी तथा भारत की कुछ महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अधिकांश ने अपनी सजा पूरी कर ली है।

धार की ऐतिहासिक भोजशाला का एएसआई सर्वे दूसरे दिन भी जारी

धार। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के आदेश पर धार जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक भोजशाला का ज्ञानवापी की तरह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण दूसरे दिन शनिवार को भी जारी है। एएसआई के दिल्ली और भोपाल के अधिकारियों की टीम सर्वे कर रही है। एएसआई के वकील हिमांशु जोशी, हिंदू पक्ष की ओर से आशीष गोयल और गोपाल शर्मा और कमाल मौलाना वेलफेयर सोसाइटी के समद खान भी सर्वे टीम के साथ भोजशाला में मौजूद हैं। भोजशाला में पर्यटकों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। शनिवार सुबह एएसआई टीम सर्वे करने के लिए भोजशाला पहुंची और साइंटिफिक तरीके से जांच शुरू की।

बिहार इंटरमीडिएट का रिजल्ट जारी, सिवान के मृत्युंजय बने साइंस टॉपर

एजेंसी। पटना

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने शनिवार को 12वीं के नतीजे घोषित कर दिए। बीएसईबी के अध्यक्ष आनंद किशोर ने दोपहर 01:30 बजे रिजल्ट जारी किया। सीवान के रहने वाले मृत्युंजय कुमार 12वीं की परीक्षा में साइंस टॉपर बने हैं। मृत्युंजय कुमार को 481 नंबर मिले हैं। कॉमर्स में शेखपुरा की रहने वाली कॉलेज

ऑफ कॉमर्स की स्टूडेंट प्रिया कुमारी हैं। इन्हें कुल 478 अंक हासिल हुए हैं। आर्ट्स में पटना के कॉमर्स कॉलेज के स्टूडेंट तुषार ने बाजी मारी है। तुषार कुमार को 482 अंक मिले हैं। 12वीं के साइंस संकाय में छपरा की रहने वाली सिमरन गुप्ता सेकेंड टॉपर बनी हैं। सिमरन को 477 अंक मिले हैं। सीतामढ़ी के रहने वाले वरुण कुमार थर्ड साइंस टॉपर बने हैं। वरुण ने भी 477 अंक हासिल किए हैं। पटना के सौरव कुमार कॉमर्स के सेकेंड टॉपर बने हैं। सौरव को 470 अंक मिले हैं। पटना के ही गुलशन कुमार कॉमर्स के थर्ड टॉपर बने हैं, जिन्हें 469 अंक मिले हैं। आर्ट्स संकाय में पटना की रहने वाली निशी सिन्हा सेकेंड टॉपर बनी हैं। निशी ने 473 अंक हासिल किया है जबकि पटना की रहने वाली तनु कुमारी 472 अंक के साथ आर्ट्स की थर्ड टॉपर बनी हैं। इसके साथ साइंस टॉपर्स की लिस्ट में टॉप फाइव में जगह बनाने वालों में 11 छात्र-छात्राएं शामिल हैं जबकि आर्ट्स में टॉप फाइव में पांच छात्र-छात्राएं हैं। टॉप तीन में जगह बनाने वाले तीनों स्टूडेंट पटना के रहने वाले हैं। कॉमर्स संकाय में टॉप फाइव में आठ छात्र-छात्राओं ने बाजी मारी है।

मोदी ने मॉस्को में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की

मास्को आतंकी हमले में 93 की मौत

आतंकी संगठन आईएसआईएस ने ली हमले की जिम्मेदारी

हमले में शामिल चार आतंकियों सहित 11 हिरासत में लिए गए

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मॉस्को के क्रास्नोगोर्स्क शहर के क्रोकस सिटी हॉल (संगीत स्थल) में हुए आतंकवादी हमले की शनिवार को कड़ी निंदा की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स हैंडल पोस्ट पर लिखा, "हम मॉस्को में हुए जघन्य आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। दुख की इस घड़ी में भारत रूसी संघ की सरकार और लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है।" मालूम हो कि शुक्रवार शाम मॉस्को के क्रोकस सिटी हॉल में हुए आतंकी हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 93 हो गई है। जांच कमेटी ने शनिवार को कहा कि मरने वालों की संख्या और बढ़ने की आशंका है। रूसी मीडिया के अनुसार, रूसी सुरक्षा सेवा के निदेशक अलेक्जेंडर बोर्टनिकोव ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बताया कि शुक्रवार को मॉस्को के पास क्रोकस कॉम्प्लेक्स पर हुए हमले के सिलसिले में 11 लोगों को हिरासत में लिया गया है। तास ने बताया, हमले में सीधे तौर पर शामिल सभी चार आतंकवादियों को भी हिरासत में लिया गया है। हमलावरों ने कथित तौर पर इमारत में आग लगाने के लिए हथगोले भी फेंके। 80 घायलों को मॉस्को के अस्पतालों में ले जाया गया। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने अगले दो दिनों में राजधानी में सभी सामूहिक कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। इस बीच कुख्यात आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ने रूस की राजधानी मॉस्को पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। संगठन ने बयान जारी कर कहा कि उसने मॉस्को के बाहरी इलाके क्रास्नोगोर्स्क शहर में ईसाइयों की एक बड़ी सभा पर हमला किया। शुक्रवार की शाम असॉल्ट राइफलों से लैस अज्ञात बंदूकधारियों ने क्रोकस सिटी हॉल में धावा बोला और गोलीबारी की। इस दौरान किए गए विस्फोट से इमारत हिल गई और उसमें आग लग गई।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख, अन्य नेताओं ने हमले की निंदा की

न्यूयार्क। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने रूस में शुक्रवार को हुए आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, मॉस्को के बाहर एक कॉन्सर्ट हॉल में आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। क्यूबा, वेनेजुएला, कजाकिस्तान, तुर्की ने भी इस हमले की निंदा की है। बेलारूस के विदेश मंत्रालय ने कहा, मॉस्को में जो कुछ हो रहा है, उस पर हम नजर रख रहे हैं। आर्मेनिया, अजरबैजान, कतर, ईरान, पाकिस्तान और निकारागुआ से भी हमले की निंदा की है। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड कैमरन ने कहा,हम पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

पीएम मोदी ने भारत की सहायता से भूटान में बने अस्पताल का किया उद्घाटन

थिम्पू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूटान में अपने समकक्ष शेरिंग टोबगे के साथ ग्यालत्सुएन जेत्सुन पेमा वांगचुक मातृ एवं शिशु अस्पताल का उद्घाटन किया। उन्होंने इस अस्पताल को अत्याधुनिक बताया, जो भारत सरकार की सहायता से बनाया गया है। पीएम मोदी ने इसे कई परिवारों के लिए 'आशा की किरण' बताया। पीएम मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर कहा, ग्यालत्सुएन जेत्सुन पेमा वांगचुक मातृ एवं शिशु अस्पताल का उद्घाटन किया, जो गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर कई परिवारों के लिए आशा की किरण है। यह सुविधा एक स्वस्थ भावी पीढ़ी के पोषण की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भारत सरकार ने 150 बेड के इस अस्पताल को बनाने में सहायता दी है। अस्पताल के पहले चरण के निर्माण में 22 करोड़ की लागत आई थी, जो 2019 से ही चालू है।

कांग्रेस को हिमाचल प्रदेश में बड़ा झटका

6 बागी विधायक भाजपा में शामिल

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस को हिमाचल प्रदेश में बड़ा झटका लगा है। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के कारण अयोग्य ठहराए गए छह पूर्व विधायक भाजपा में शामिल हो गए हैं। उनके साथ-साथ तीन निर्दलीय विधायक भी भाजपा में शामिल हुए हैं। शनिवार को यहां भाजपा मुख्यालय में हिमाचल प्रदेश के तीन निर्दलीय विधायक- आशीष शर्मा, केएल ठाकुर और होशियार सिंह हिमाचल प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव बिंदल और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए। इसके साथ कांग्रेस के बागी विधायक भी भाजपा में शामिल हुए, जिनमें धर्मशाला से विधायक सुधीर शर्मा, सुजानपुर से राजेंद्र राणा, कुटलैहड़ से देवेंद्र भुट्टो, गगरेट से चैतन्य शर्मा, लाहौल स्पीति से रवि ठाकुर और बड़सर से विधायक इंद्र दत्त लखनपाल हैं। इस मौके पर भाजपा में शामिल होने के बाद हिमाचल प्रदेश के बागी विधायक इंद्रदत्त लखनपाल ने कहा कि कांग्रेस की कार्यक्षमता खत्म हो गई है। न तो हाईकमान का कोई प्रभाव है और न ही पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए कोई सम्मान बचा है। इसलिए कांग्रेस के नेता वहां परेशान हैं।

आप विधायक के आवास पर ईडी का छापा

नई दिल्ली। ईडी ने शनिवार सुबह आप विधायक गुलाब सिंह यादव के घर पर छापा मारा। दिल्ली के सीएम केजरीवाल को गिरफ्तार करने के बाद केंद्रीय जांच एजेंसी की यह बड़ी कार्रवाई है। ईडी के अधिकारी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के मटियाला से आम आदमी पार्टी के विधायक गुलाब सिंह यादव के घर पर मौजूद हैं। कहा जा रहा है यह कार्रवाई भी कथित दिल्ली आबकारी (शराब) नीति घोटाला मामले से संबंधित है।

मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू का यू टर्न

कर्ज चुकाने की बारी आई तो मांगने लगे राहत

एजेंसी। नई दिल्ली

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने यू टर्न ले लिया है। वह अब भारत के प्रति सौहार्दपूर्ण रुख अपना रहे हैं। इसके पीछे की वजह भी साफ है कि भारत का लगभग 400.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 35 अरब रुपए) मालदीव पर कर्ज है और इसे चुकाने की बारी आई तो अब मुइज्जू इसको लेकर राहत मांगने लगे हैं।

मतलब साफ है कि भारत को लेकर सख्त रुख अपना रहे मुइज्जू के तेवर अब ढीले पड़ रहे हैं। मालदीव का राष्ट्रपति चुनाव जीतने के पहले से ही मोहम्मद मुइज्जू लगातार 'भारत विरोधी' बयानबाजी कर रहे थे और पूरे चुनाव के दौरान 'इंडिया आउट' की तर्ज पर चुनावी कैंपेन भी चलाया था। अब वह कहने लगे हैं कि भारत हमारा निकटतम सहयोगी है और बना रहेगा। इसके साथ ही नई दिल्ली से मालदीव को ऋृण राहत प्रदान करने का आग्रह भी किया है।

पाक संकल्प दिवस पर राष्ट्रपति जरदारी ने उठाया कश्मीर का मुद्दा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने शनिवार को देश के संकल्प दिवस पर अपने संबोधन के दौरान कश्मीर का मुद्दा उठाया। उन्होंने इसे क्षेत्र में अस्थिरता के कारणों में से एक बताया। आसिफ अली जरदारी ने इस्लामाबाद में पाकिस्तान संकल्प दिवस परेड में कहा, "हमारे क्षेत्र में अस्थिरता का एक मुख्य कारण जम्मू-कश्मीर पर भारत का अवैध कब्जा है। हम निर्दोष निहत्थे कश्मीरी लोगों के खिलाफ भारत सरकार द्वारा की गई क्रूरताओं, मानवाधिकारों के उल्लंघन की निंदा करते हैं। उन्होंने कहा, ३मैं कश्मीरियों को बताना चाहता हूं कि अत्याचार के खिलाफ उनके उचित संघर्ष में पाकिस्तान हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा।

ईडी ने बीआरएस नेता कविता के करीबी रिश्तेदारों के परिसरों पर की छापेमारी

एजेंसी। हैदराबाद

ईडी ने शनिवार को कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भारत राष्ट्र समिति नेता के. कविता के करीबी रिश्तेदारों के परिसरों पर छापेमारी की। ईडी अधिकारियों ने हैदराबाद के माधापुर इलाके में एक अपार्टमेंट में कविता के. एक रिश्तेदार के फ्लैट पर सुबह-सुबह तलाशी शुरू की। खबर है कि ईडी हिरासत में पूछताछ के दौरान कविता की ओर से दी गई जानकारी के आधार पर कुछ करीबी रिश्तेदारों के परिसरों की तलाशी ली गई। माना जा रहा है कि एजेंसी मामले में उनकी भूमिका की जांच कर रही है।

ईडी अधिकारियों ने पहले बीआरएस नेता के दो निजी सहायकों से पूछताछ की और उनके मोबाइल फोन जब्त कर लिए थे। एजेंसी मोबाइल फोन से डेटा डिलीट करने में उनकी कथित भूमिका की जांच कर रही है। ईडी ने कविता को 15 मार्च को हैदराबाद में गिरफ्तार किया था। ईडी ने आरोप लगाया है कि कविता 'साउथ ग्रुप' का हिस्सा थीं जिसने कथित तौर

महुआ मोइत्रा के पिता के आवास पर सीबीआई की रेड

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा के पिता डीएल मोइत्रा के दक्षिण कोलकाता स्थित आवास पर सीबीआई ने शनिवार सुबह छापेमारी शुरू की। इससे पहले कथित कैश फॉर क्वेरी घोटाले के सिलसिले में महुआ मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था। टीएमसी ने मोइत्रा को नादिया जिले के कृष्णानगर लोकसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार बनाया है। इस सीट से वह 2019 में चुनी गईं थीं। सूत्रों ने कहा, "सीबीआई अधिकारी दक्षिण कोलकाता के न्यू अलिपोरे इलाके में 'रत्नबली' नामक आवासीय परिसर में बिजनेसमैन डीएल मोइत्रा के आवासीय फ्लैट पर पहुंचे।" सीबीआई टीम को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की सुरक्षा दी गई।

सूखे मेवे की पैकेजिंग फैक्ट्री में लगी आग

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना ट्रोनिका सिटी के औद्योगिक क्षेत्र में सूखे मेवे की पैकेजिंग फैक्ट्री में आग लग गई। आग के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। फैक्ट्री कर्मचारी भी आग पर काबू पाने में जुटे हैं। त्योहार के चलते फैक्ट्री में काम अधिक चल रहा था। फायर विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, शनिवार दोपहर बाद 12:39 बजे फायर स्टेशन लोनी को सूचना मिली थी कि ट्रॉनिका सिटी इंडस्ट्रियल एरिया के सेक्टर ए-2 में स्थित प्लॉट नंबर एफ-10 पर संचालित औरो फ्रूट एंड वीकेसी नट प्राइवेट लिमिटेड नामक कम्पनी में आग लगी हुई है। लोनी फायर स्टेशन से घटनास्थल के लिए दो फायर टेंडर यूनिट रवाना हुई। आग ने भवन को दो तरफ से अपनी चपेट में ले लिया है।

सम्राट चौधरी के बयान पर बिहार में सियासी घमासान

एजेंसी। पटना

बिहार भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी के राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के टिकट बेचने को लेकर दिए गए बयान पर प्रदेश मे सियासी घमासान मच गया है। राजद जहां इस बयान को लेकर हमलावर है, वहीं राजद पर भाजपा निशाना साध रही है। जदयू भी भाजपा के बचाव में उतर आयी है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लालू प्रसाद को टिकट बेचने के माहिर खिलाड़ी बताते हुए कहा था कि किडनी के बदले अपनी सगी बेटी को टिकट दिया है। इसी बयान को लेकर अब प्रदेश में

सियासी घमासान मच गया है। लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने लालू प्रसाद के साथ अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए एक्स पर लिखा, लालू जी की बेटी हूं, ओछी सोच एवं ओछे चरित्र वालों की हर ओछी बात का जवाब जनता की अदालत में दूंगी। सही-गलत का फैसला जनता करेगी। उन्होंने आगे लिखा, अपने पापा को अपनी एक किडनी देना तो उनके प्रति मेरा कर्तव्य और प्यार है। अपने परिवार और अपनी जन्मभूमि बिहार के लिए रोहिणी अपनी जान न्योछावर करने को तैयार है। इसके बाद, राजद की प्रवक्ता सारिका पासवान ने चौधरी के बयान पर आपत्ति जताते हुए कहा कि उन्होंने बिहार की सभी बेटियों को अपमानित करने का काम किया है। बिहार की सभी बेटियां सम्राट चौधरी के बयान से आहत हुई हैं। पूरे बिहार की मां-बेटियों से उन्हें माफी मांगना होगा। इधर, भाजपा ने भी मोर्चा खोल दिया है। भाजपा की प्रवक्ता अनामिका सिंह पटेल ने राजद की प्रवक्ता सारिका पासवान के बयान पर कहा कि राजद और उसकी प्रवक्ता राजनीतिक संस्कारहीनता का परिचायक है।

मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर प्रसाद पुजारी चीन से लाया गया भारत

मुंबई। कुख्यात गैंगस्टर प्रसाद विट्ठल पुजारी को मुंबई पुलिस चीन से वापस मुंबई ले आई। कई वर्षों से फरार चल रहे पुजारी के खिलाफ इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया था। पुलिस के मुताबिक प्रसाद पुजारी 2008 से चीन में अस्थायी निवास वीजा पर रह रहा था। भारतीय एजेंसियों की पकड़ से बचने के लिए पुजारी ने एक चीनी महिला से शादी भी कर ली थी। चीन उसे मुंबई पुलिस को सौंपने के लिए सहमत हो गया। इसके बाद पुलिस अधिकारियों की एक टीम 44 वर्षीय पुजारी को शनिवार सुबह फ्लाइट से लेकर मुंबई पहुंची और उसे लॉक-अप में ले जाया गया। कुमार पिल्लई गिरोह का सदस्य पुजारी कई गंभीर अपराधों के मामलों में फरार था।

सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी पर जर्मन विदेश मंत्रालय की टिप्पणी

भारत ने जताया कड़ा विरोध

एजेंसी। नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में गिरफ्तार किए गए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जर्मन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की टिप्पणियों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इसे भारत के आंतरिक मामलों में दखल बताते हुए नई दिल्ली स्थित जर्मन मिशन के उप प्रमुख को मंत्रालय में तलब किया गया। इस संबंध में की गई पक्षपातपूर्ण धारणाएं अत्यंत अनुचित हैं। विदेश मंत्रालय ने इस संबंध में जानकारी साझा की है। मंत्रालय ने कहा है कि नई दिल्ली में जर्मन मिशन के उप प्रमुख जॉर्ज एन्जवीलर को आज बुलाया गया और हमारे आंतरिक मामलों पर उनके विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की टिप्पणियों पर भारत के कड़े विरोध से उन्हें अवगत कराया।

साथ ही उनसे कहा गया कि भारत ऐसी टिप्पणियों को हमारी न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप और हमारी न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करने के रूप में देखता है। भारत कानून के शासन वाला एक जीवंत और मजबूत लोकतंत्र है। जर्मन विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है। हम मानते हैं और उम्मीद करते हैं कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और बुनियादी लोकतांत्रिक सिद्धांतों से संबंधित मानकों को इस मामले में भी लागू किया जाएगा।